खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 30 अप्रैल, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-117

04 मई, दीदी गई!

बंगाल में भाजपा सरकार, असम में वापसी, पुडुचेरी में एनडीए, केरल में विजयन की छुट्टी

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों के मतदानोत्तर सर्वेक्षण (एक्जिट पोल) सामने आ गए हैं। इन नतीजों में सबसे ज्यादा चर्चा पश्चिम बंगाल की हो रही है। इस सूबे में भारतीय जनता पार्टी इतिहास में पहली बार सरकार बनाती दिख रही है, हालांकि उसे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से कड़ी टक्कर मिलती दिखाई दे रही है। वहीं, असम में भारतीय जनता पार्टी की बढ़त, तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम की वापसी और केरल में सत्ता परिवर्तन के संकेत मिल रहे हैं। बता दें कि ये अनुमान मतदानोत्तर सर्वेक्षण में लगाए गए हैं और इन सभी राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के असल नतीजे 4 मई को आएंगे।

बंगाल में कड़ी टक्कर, एक्जीट पोल में भाजपा को बढत

मैट्रिज के एक्जिट पोल के मुताबिक पश्चिम बंगाल में इस बार सत्ता परिवर्तन हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी को 146 से 161 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि तृणमूल कांग्रेस 125 से 140 सीटों के बीच सिमट सकती है। अन्य दलों को 6 से 10 सीटें मिल सकती हैं। अगर 4 मई को यही नतीजे आते हैं, तो भारतीय जनता पार्टी पहली बार अपने दम पर सरकार बना सकती है। सबसे अहम मुकाबला 183 सीटों वाले दक्षिण बंगाल में माना जा रहा है। यहां भारतीय जनता पार्टी को 80 से 90 सीटें मिल सकती हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस को 88 से 98 सीटें मिलने का अनुमान है। हालांकि, पिछले चुनाव की तुलना में तृणमूल कांग्रेस को 25 से 35 सीटों का नुकसान हो सकता है।

वहीं, पुरुलिया, बांकुड़ा, झाड़ग्राम, बीरभूम और बर्धमान वाले राढ़ क्षेत्र में कड़ी टक्कर है। 57 विधानसभा सीटों वाले इस इलाके में तृणमूल कांग्रेस को 26 से 32 सीट और भारतीय जनता पार्टी को 25 से 30 सीटें मिल सकती हैं। अन्य को 2 सीट मिलने का अनुमान है।

उत्तर बंगाल की 54 सीटों में से अधिकांश पर भारतीय जनता पार्टी का दबदबा देखने को मिल सकता है। एक्जीट पोल के मुताबिक, उत्तर बंगाल की 54 सीटों में से भारतीय जनता पार्टी को 30 से 33 और तृणमूल कांग्रेस को 15 से 18 सीटें मिल सकती हैं।

बंगाल को लेकर क्या कहते हैं अन्य एक्जिट पोल

- पी-मार्क: भारतीय जनता पार्टी 150-175, तृणमूल कांग्रेस 118-138, अन्य 2-6
- पोल डायरी: भारतीय जनता पार्टी 142-172, तृणमूल कांग्रेस 99-127, अन्य 5-9
- चाणक्य रणनीति: भारतीय जनता पार्टी 150-160, तृणमूल कांग्रेस 130-140, अन्य 6-10
- पीपल्स पल्स: तृणमूल कांग्रेस 177-187, भारतीय जनता पार्टी 95-100, अन्य 1-4

इस तरह देखा जाए तो कुल एक्जिट पोल आंकड़ों को मिलाकर भारतीय जनता पार्टी 141-149, तृणमूल कांग्रेस 134-142, और अन्य 4-8 सीट जीत सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि 4 मई के जश्न की तैयारी इतनी बड़ी है कि कोलकाता में अबीर-गुलाल तक खत्म हो गया है। उन्होंने दावा किया कि इस बार चुनाव जनता ने लड़ा है और भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाएगी। वहीं, तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि पिछली बार भी बड़े दावे किए गए थे, लेकिन नतीजे अलग रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव में पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस भारी बहुमत से सरकार बनाएगी। तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने दावा किया कि उनकी पार्टी 235 सीटें जीतकर ममता बनर्जी के नेतृत्व में चौथी बार सरकार बनाएगी।

असम में हिमंता की वापसी

पश्चिम बंगाल के पड़ोस में स्थित असम में हुए विधानसभा चुनावों के एक्जिट पोल के नतीजों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी की जबरदस्त वापसी होती हुई दिखाई दे रही है। मैट्रिज के एक्जिट पोल के अनुसार, असम में भारतीय जनता पार्टी को 45.5 प्रतिशत मत और कांग्रेस को करीब 40 प्रतिशत मत मिल सकते हैं। सीटों की बात करें तो मुख्यमंत्री हिमंत विस्व शर्मा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को 85 से 95 सीटें मिल सकती हैं, जबकि कांग्रेस को 25 से 32 सीट मिल सकती हैं। अन्य दलों को 6 से 12 सीटें मिलने का अनुमान है। अन्य एक्जिट पोल की बात करें तो आंकड़े कुछ इस प्रकार हैं:

- एक्सिस माय इंडिया: भारतीय जनता पार्टी 88-100, कांग्रेस 24-36
- पीपल्स पल्स: भारतीय जनता पार्टी 68-72, कांग्रेस 22-26
- वोट वाइब: भारतीय जनता पार्टी 90-100, कांग्रेस 23-33
- पी-मार्क: भारतीय जनता पार्टी 82-94, कांग्रेस 30-40
- जेवीसी: भारतीय जनता पार्टी 88-101, कांग्रेस 23-33

तमिलनाडु में विजय ने चौंकाया

तमिलनाडु के एक्जिट पोल्स की बात करें तो तमिल सुपरस्टार विजय की पार्टी चौंकाती हुई दिख रही है। मैट्रिज के मुताबिक 234 सीटों वाले तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन को 122 से 132 सीटें मिल सकती हैं, जो बहुमत से ज्यादा है। वहीं, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन को 87 से 100 सीटें मिल सकती हैं। ▶8पर

केरल में ढह सकता है वामपंथ का आखिरी किला

केरल की 140 सीटों वाली विधानसभा को लेकर सामने आए एक्जिट पोल के नतीजों की बात करें तो वामपंथी का यह आखिरी किला ढहता हुआ नजर आ रहा है। मतदानोत्तर सर्वेक्षण के मुताबिक, केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को 60 से 65 सीटें मिल सकती हैं, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त जनतांत्रिक मोर्चा को 70 से 75 सीट मिलने का अनुमान है। इस तरह देखा जाए तो कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन बहुमत हासिल कर सरकार बना सकता है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी को 3 से 5 सीट मिलने की संभावना जताई गई है, हालांकि उसे इससे बेहतर प्रदर्शन का भरोसा था।

बंगाल में टूटे सारे रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां) । पश्चिम बंगाल में बुधवार (29 अप्रैल) को दूसरे चरण का मतदान भी पूरा हो गया। इसी के साथ अब बंगाल के दोनों चरणों में कुल 92.52 फीसदी मतदान दर्ज कर लिया गया है। आंकड़ों को उठाकर देखा जाए तो बंगाल में कभी भी 84.72 फीसदी से ज्यादा वोटिंग नहीं हुई। यानी इस बार पश्चिम बंगाल में मतदान का एक नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। इतना ही नहीं, बंगाल में हुई वोटिंग देशभर में किसी भी राज्य में हुई वोटिंग के रिकॉर्ड से ज्यादा हो गई है। अब तक यह रिकॉर्ड त्रिपुरा के पास था, जहां 2013 में 91.82 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई थी। पश्चिम बंगाल में इस बार दो चरणों में मतदान कराया गया है। जहां पहले चरण में राज्य में 93.19 फीसदी मतदान हुआ था। वहीं, दूसरे चरण में भी मतदान 92 फीसदी से ऊपर रहा है, ▶8पर

सक्रिय मोड में ईरान! अराघची ने जयशंकर से की बातचीत

होर्मुज़ पर हुई चर्चा

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची और भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के बीच बुधवार शाम एक विस्तृत दूरभाषीय बातचीत हुई। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं ने होरमुज़ जलडमरूमध्य के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार के लिए एक अत्यंत जरूरी समुद्री मार्ग है। अराघची ने इस मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर डॉ. जयशंकर से चर्चा की।

ईरानी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, इस बातचीत में युद्धविराम से संबंधित नए घटनाक्रमों, द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्थितियों पर चर्चा की गई। दोनों देशों के नेताओं ने मौजूदा स्थिति के तमाम पहलुओं पर बात की और भविष्य में भी एक-दूसरे के निकट संपर्क में रहने पर सहमति जताई है।

जयशंकर ने सामाजिक माध्यम पर साझा की जानकारी

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सामाजिक माध्यम के संदेश के जरिए बताया कि अराघची से उनकी बातचीत हुई है। उन्होंने लिखा, आज शाम ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची का दूरभाष आया। हमने मौजूदा हालात के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। हम एक-दूसरे के साथ लगातार संपर्क में रहने पर सहमत हुए।

क्षेत्रीय शांति और ऊर्जा सुरक्षा में भारत की अहम भूमिका

ईरान और भारत के बीच यह संवाद वैश्विक कूटनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। हरमुज़ जलडमरूमध्य में स्थिरता भारत के आर्थिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने संकेत दिया है कि इस चर्चा से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी बाद में घोषित की जाएगी। मौजूदा परिस्थितियों में दोनों देशों का एक-दूसरे से चर्चा करना यह दर्शाता है कि क्षेत्रीय शांति बनाए रखने में भारत की भूमिका अहम है।

मोदी वैदिक घड़ी से अभिभूत

समय से परे सनातन ज्ञान का अद्भुत संगम

वाराणसी/उज्जैन, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। वाराणसी दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घड़ी के आकर्षण से बंधे नजर आए। उन्होंने काशी विश्वनाथ परिसर में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अवलोकन किया। मध्य प्रदेश के महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हुआ विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का सफर देश के अन्य तीर्थ स्थलों से भी गुजर रहा है। इस वैदिक घड़ी की खासियत है कि यह समय तो बताती ही है, साथ ही सूर्योदय, मुहूर्त, ग्रहों की स्थिति और पंचांग की जानकारी भी देती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घड़ी को देखते ही इसकी पूर्ण जानकारी ली। इसको न सिर्फ पास से देखा, बल्कि इसकी कार्यप्रणाली भी समझी। इस घड़ी को कुछ महीने पहले ही काशी विश्वनाथ मंदिर के परिसर में स्थापित किया गया है। यह वैदिक घड़ी इसी महीने की 3 तारीख को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट की थी। ठीक अगले दिन इसे काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित कर दिया गया था।

किसने बनाई और कब हुई स्थापित?

इस घड़ी को मध्य प्रदेश के संस्कृति विभाग के तहत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन के विद्वानों ने विकसित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व की इस प्रथम वैदिक घड़ी का लोकार्पण 29 फरवरी 2024 को उज्जैन में किया था। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 3 अप्रैल 2026 को यह घड़ी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट की थी, जिसे 4 अप्रैल 2026 को काशी विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में स्थापित किया गया।

आम घड़ियों से कितनी अलग है वैदिक घड़ी?

जहां आम घड़ियां (ग्रीनविच मध्य समय) रात के 12 बजे से दिन की शुरुआत मानती हैं और 24 घंटों के चक्र पर आधारित होती हैं, वहीं वैदिक घड़ी पूरी तरह अलग है। यह घड़ी एक सूर्योदय से अगले सूर्योदय के मध्य समय की गणना करती है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

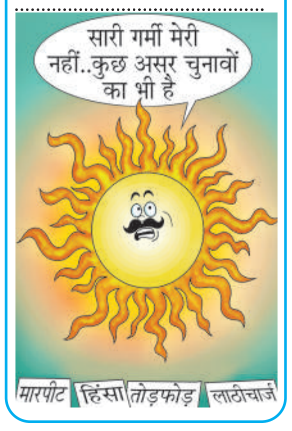

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39^0

न्यूनतम : 27^0

फिर बढ़ेंगे सिगरेट के दाम

17 फीसदी तक का इजाफा

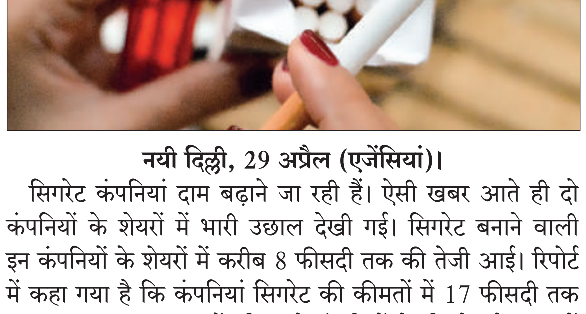

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

सिगरेट कंपनियां दाम बढ़ाने जा रही हैं। ऐसी खबर आते ही दो कंपनियों के शेयरों में भारी उछाल देखी गई। सिगरेट बनाने वाली इन कंपनियों के शेयरों में करीब 8 फीसदी तक की तेजी आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियां सिगरेट की कीमतों में 17 फीसदी तक का इजाफा कर सकती हैं। जिन दो कंपनियों के सिगरेट के दाम में बढ़ोतरी की बात आई है, उनमें गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और आईटीसी हैं। इंट्राडे के दौरान गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयर करीब 8 फीसदी चढ़ गए और 2,280 रुपये पर कारोबार ▶8पर

बदलने जा रहा आधार

नहीं दिखेगा नाम, पता और जन्म तिथि

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

आधार कार्ड में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा, जिसका दावा मीडिया रिपोर्ट्स में किया गया है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की तरफ से जारी होने वाले भौतिक/मुद्रित आधार कार्ड पर सभी विवरण मुद्रित होते हैं। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि सुरक्षा के मद्देनजर आधार कार्ड में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। ये बदलाव आधार कार्ड के दुरुपयोग को रोकेंगे और साइबर ठगों से आधार कार्ड को बचाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले दिनों में भौतिक आधार कार्ड की प्रति पर फोटो और एक क्विक रिस्पांस कोड (क्यूआर कोड) होगा। क्यूआर कोड से विवरण पाने के लिए उसको स्कैन करना होगा। इस दौरान उपयोगकर्ता तय कर पाएंगे कि वह कौन सी विवरण छिपाना चाहते हैं और किस विवरण को प्रकट करना चाहते हैं। यूआईडीएआई की तरफ से जारी आधार कार्ड पर नाम, फोटो, जन्म तिथि, लिंग, घर का पता और पिता का नाम तक होता है। ऐसे में अगर किसी ठग तक आधार कार्ड की फोटो प्रति तक पहुंच जाती है, जिसके बाद वह आसानी से एक अनजान शख्स की कई विवरण को जान लेता है। ▶8पर

बेंगलुरु में अस्पताल की दीवार ढही, 7 की मौत

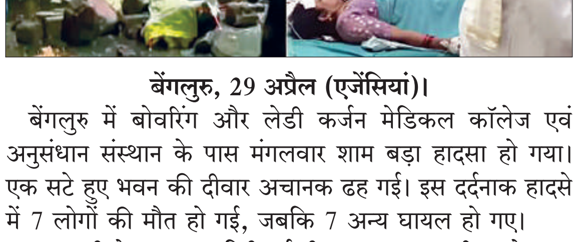

बेंगलुरु, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

बेंगलुरु में बोवरिंग और लेडी कर्जन मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान के पास मंगलवार शाम बड़ा हादसा हो गया। एक सटे हुए भवन की दीवार अचानक ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, गिरी हुई दीवार अस्पताल परिसर के पास स्थित थी और इसके मलबे की चपेट में सड़क किनारे दुकान लगाने वाले विक्रेता और राहगीर आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

बांग्लादेश में माफिया सरगना टिटोन की गोली मारकर हत्या, ढाका पुलिस को अंडरवर्ल्ड के गुर्गों पर शक

ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के न्यू मार्केट इलाके में मंगलवार रात माफिया सरगना खोंडोकर नईम अहमद टिटोन (50) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। ढाका पुलिस को शक है कि टिटोन की हत्या अंडरवर्ल्ड के सदस्यों ने की है। हजारीबाग के जिगतोला स्थित सुल्तान गंज के केएम फखरुद्दीन का बेटा टिटोन ढाका में दहशत का पर्याय रहा है। पुलिस के अनुसार टिटोन देश के 23 खूंखार अपराधियों की सूची में दूसरे स्थान पर था।

रिपोर्ट के अनुसार, न्यू मार्केट थाना के उप निरीक्षक मो. शहादत हुसैन ने बताया कि पुलिस ब्यूरो आफ़ इन्वेस्टिगेशन (पीआईबी) ने फिंगरप्रिंट एनालिसिस के जरिए शव की पहचान की। ढाका के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एनएन मो. नज़रुल इस्लाम ने बताया कि गोली लगने के बाद टिटोन को ढाका मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया। डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि 2001 में जारी की गई 23 खूंखार अपराधियों की सूची में टिटोन का नाम भी शामिल था। उसने जेल में लंबा समय बिताया। पिछले साल 13 अगस्त को जमानत पर रिहा हुआ था। जमानत की अवधि खत्म होने के बाद से वह फरार था। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि यह हत्या अंडरवर्ल्ड के सदस्यों ने की होगी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह घटना रात करीब आठ बजे न्यू मार्केट के पीछे ढाका विश्वविद्यालय के शाहनवाज हाल के सामने हुई। दो हमलावर एक मोटरसाइकिल पर आए और अंधाधुंध गोलियां चलाईं। जख्मी होकर टिटोन सड़क पर गिर गया। स्थानीय लोगों ने हमलावरों का पीछा भी किया पर वह हाथ नहीं आ सके। टिटोन को मेडिकल कालेज पहुंचाने में सहायता करने वाले मो. मेजबाह रहमान ने बताया कि हमलावरों ने टोपी और मास्क पहन रखे थे। ढाका मेडिकल कालेज अस्पताल स्थित पुलिस चौकी प्रभारी इंस्पेक्टर मो. फ़ारूक ने बताया कि शव पर कई गोलियों के निशान थे। एक गोली सिर सिर के आर-पार हो गई थी। सहायक पुलिस आयुक्त (न्यू मार्केट जोन) मो. नसीम ए गुलशन ने कहा कि पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया है।

न्यूज ब्रीफ

तेल रिफाइनरियों और बंदरगाहों पर यूक्रेनी हमलों से रूस की लाइफलाइन प्रभावित

मास्को। रूस जिसकी 3 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था काफी हद तक अपने विशाल तेल भंडार पर निर्भर करती है, अब एक गंभीर आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़ी है। यूक्रेन द्वारा रूसी तेल रिफाइनरियों और बंदरगाहों पर लगातार किए जा रहे ड्रोन हमलों ने रूस की इस लाइफलाइन को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे देश के तेल उत्पादन में भारी गिरावट आई है। यूक्रेनी सेना ने रणनीति बदलकर रूस के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना शुरू कर दिया है, जिसके विनाशकारी परिणाम सामने आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों और अहम बंदरगाहों पर हुए ताबड़तोड़ ड्रोन हमलों ने न केवल उत्पादन क्षमताओं को क्षतिग्रस्त किया है, बल्कि तेल निर्यात में भी बाधा डाली है। अप्रैल माह में रूस के तेल उत्पादन में प्रतिदिन 3 लाख से 4 लाख बैरल की कमी आने की आशंका जताई जा रही है। यह गिरावट कोविड-19 महामारी के बाद की सबसे बड़ी गिरावट होगी, जो रूसी अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका है। यह सीधे तौर पर रूस की युद्ध-ग्रस्त अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन और राजस्व की उपलब्धता को प्रभावित करेगा।

अमेरिका में पढ़ाई पूरी कर कैरियर शुरु करने वाले छात्रों के लिए ओपीटी खास अवसर

वाशिंगटन। अमेरिका में पढ़ाई पूरी करने के बाद हजारों भारतीय छात्र अब अपने करियर की नई शुरुआत के लिए तैयार हैं। ऐसे में आप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग यानी ओपीटी उनके लिए एक अहम अवसर बनकर सामने आता है। यह प्रोग्राम छात्रों को पढ़ाई के बाद अमेरिका में काम करने का मौका देता है, जिससे वे प्रोफेशनल अनुभव हासिल कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओपीटी के तहत आमतौर पर छात्रों को एक साल तक काम करने की अनुमति मिलती है। वहीं, साइंस, टेक्नोलाजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स से जुड़े कोर्स करने वाले छात्रों को दो साल का अतिरिक्त विस्तार भी मिल सकता है, जिससे कुल अवधि तीन साल तक हो जाती है। ओपीटी छात्रों को अमेरिकी वर्क कल्चर समझने और व्यावहारिक अनुभव हासिल करने का मौका देता है। इससे न सिर्फ उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि भविष्य में बेहतर अवसरों के दरवाजे भी खुलते हैं। यह प्रोग्राम लंबे समय तक काम करने का अवसर देता है, खासकर एसटीईएम छात्रों के लिए। तीन साल तक का अनुभव किसी भी छात्र के करियर को मजबूत आधार दे सकता है। ओपीटी की सबसे बड़ी खासियत इसकी लोकेशन फ्लेक्सिबिलिटी है। छात्र अमेरिका के किसी भी हिस्से में नौकरी कर सकते हैं, जिसमें सिलिकान वैली जैसे प्रमुख टेक हब भी शामिल हैं। यहां काम करने का अवसर मिलना किसी भी युवा के लिए बड़ी उपलब्धि होती है।

ट्रंप की होर्मुज नाकेबंदी तोड़ने के लिए पाकिस्तान ने चली ये चाल, ईरान को पहुंचेगा फायदा

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के बीच पाकिस्तान की नई नीति ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान ने एक ऐसा कानूनी और व्यापारिक ढांचा तैयार किया है, इससे ईरान तक सामान की आपूर्ति जमीनी मार्गों से संभव हो सकेगी, भले ही समुद्री रास्तों पर अमेरिकी दबाव या नाकेबंदी की स्थिति बनी रहे। इस कदम को क्षेत्रीय भू-राजनीति में एक बड़ा मोड़ माना जा रहा है। पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्रालय ने ट्रांजिट आफ गुड्स थ्रू टेरिटरी आफ पाकिस्तान आर्डर 2026 के तहत नया फ्रेमवर्क लागू किया है। इसके जरिए तय किया है कि तीसरे देशों से आने वाला माल पहले पाकिस्तान पहुंचेगा और फिर छह निर्धारित ट्रांजिट कारिडोर के जरिए ईरान तक सड़क मार्ग से भेजा जाएगा। इन मार्गों में ग्वादर, कराची, क्वेटा, तुर्बत और ताफ्तान जैसे रणनीतिक बिंदु शामिल हैं, जो पाकिस्तान-ईरान सीमा को जोड़ते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह व्यवस्था ईरान को आंशिक रूप से आर्थिक और व्यापारिक राहत दे सकती है, खासकर तब जब अमेरिकी प्रतिबंधों और नौसैनिक दबाव के कारण उसकी समुद्री आपूर्ति बाधित हो रही है। रिपोर्टों के अनुसार, कराची बंदरगाह पर करीब 3,000 कंटेनर ईरान भेजे जाने के इंतजार में फंसे हुए थे, जिन्हें अब नए ट्रांजिट ढांचे के तहत आगे भेजा जा सकता है। इस बीच अमेरिका ने भी ईरान पर दबाव बढ़ाते हुए नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने आपरेशन इकोनामिक फ्यूरी के तहत 14 व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं।

कम संसाधन और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से गर्मी शहरों के लिए बन रही खतरा

रिपोर्ट ने चेताया, समाधान नहीं निकाले तो गर्मी से होने वाली मौत हो जाएंगी आम

लंदन

दुनिया के कई शहरों में गर्मी साइलेंट किलर की तरह फैल रही है। खासकर ग्लोबल साउथ यानी गरीब देशों के शहरों में यह समस्या बहुत भयानक रुप ले रही है। तेजी से बढ़ते शहर, कम संसाधन और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से गर्मी अब रोजमर्रा की जिंदगी को तबाह कर रही है। लोग काम नहीं कर पा रहे हैं। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। बीमार लोग अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं। गर्मी से बिजली की मांग इतनी बढ़ जाती है कि पूरे सिस्टम पर बोझ पड़ता है। प्रदूषण भी बढ़ता है। शहरों में अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट की वजह से तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा हो जाता है। यह गर्मी अब सिर्फ गर्मी नहीं, बल्कि मौत, बेरोजगारी और भुखमरी का कारण बन रही है। विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में डरावने वाले आंकड़े सामने आए हैं। 2050 तक शहरों में रहने वाले गरीब लोगों की संख्या जो खतरनाक गर्मी झेल रही होगी, वह 700 फीसदी बढ़ जाएगी। इसका मतलब है कि जितने गरीब गर्मी से प्रभावित हैं, उससे सात गुना ज्यादा लोग 2050 में इस आग में जलेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा खतरा पश्चिम अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के शहरों पर मंडरा रहा है। यहां गरीब परिवार, बाहर काम करने वाले मजदूर, बुजुर्ग और बच्चे सबसे पहले शिकार होंगे। अगर अभी कुछ नहीं किया गया तो हीटवेव और ज्यादा तेज और लंबी होंगी। लोग मरेंगे, परिवार बिखरेंगे और पूरा शहर ठप हो जाएगा। गर्मी से काम-धंधा ठप हो जाएगा। स्कूल बंद हो जाएंगे। अस्पतालों में मरीजों की लाइन लग जाएगी। गर्मी से बिजली की मांग इतनी बढ़ेगी कि बिजली संकट गहरा जाएगा। गरीबी और असमानता बढ़ेगी। लोग शहर छोड़कर भागने लगेंगे।

आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय माइग्रेशन बढ़ेगा। अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। विश्व बैंक का कहना है कि गर्मी अब सिर्फ मौसमी परेशानी नहीं है। यह शहरों की पूरी व्यवस्था को चूर-चूर कर देगी। अगर शहर अभी तैयार नहीं हुए तो लाखों लोग बेघर हो जाएंगे, भूखे मरेंगे और गर्मी की वजह से मौतें आम हो जाएंगी। इस डरावनी स्थिति से निपटने के लिए विश्व बैंक ने यूएन हबीटेट और यूएनईपी के साथ मिलकर एक खास हैंडबुक बनाई है। नाम है हैंडबुक आन अर्बन हेट मैनेजमेंट इन द ग्लोबल साउथ। यह हैंडबुक तीन हिस्सों में है- नीति-निर्माताओं के लिए सरल सारांश, तकनीकी मैनुअल और समाधान कैटलाग।

इसमें शहरों को बताया गया है कि गर्मी का खतरा कैसे मापें। कैसे तैयार रहें। क्या-क्या समाधान अपनाएं। इसमें हरे-भरे बगीचे, छायादार इमारतें, पैसिव कूलिंग यानी बिना बिजली के ठंडक देने वाले तरीके और सस्टेनेबल कूलिंग सिस्टम जैसे आसान और सस्ते उपाय बताए गए हैं। हैंडबुक साफ कहती है कि शहरों को अब गर्मी को हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसे मौसमी तकलीफ मानकर नजरअंदाज करने से पूरा शहर बर्बाद हो सकता है। ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर, छतों पर बगीचे, बेहतर शहर नियोजन और गरीबों तक सस्ती कूलिंग पहुंचाना जरूरी है।

वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि गर्मी अब रोजमर्रा की जिंदगी को बदल रही है। अगर शहर अभी सक्रिय नहीं हुए तो 2050 तक गर्मी लाखों गरीबों की जिंदगी छीन लेगी। विश्व बैंक की यह हैंडबुक शहरों के लिए अंतिम चेतावनी है। अब समय है कि सरकारें, शहर प्रशासन और लोग मिलकर इस डरावने संकट से लड़ें वरना आने वाले सालों में शहर आग के समंदर बन जाएंगे जहां सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा।

ट्रंप ने कहा, मैं गोलियों की आवाज सुनकर घबराया नहीं

वाशिंगटन

30 दिन के अंदर फिर रात्रिभोज आयोजित करुंगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में व्हाइट हाउस करेस्पान्डेंट्स एसोसिएशन के रात्रिभोज के दौरान हुई गोलीबारी की घटना पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक साक्षात्कार में ट्रंप ने उस रात की अफरातफरी का पूरा ब्यौरा साझा किया। ट्रंप ने स्वीकार किया कि जब गोलियों की आवाज सुनाई दी, तब उनके सुरक्षाकर्मियों (सीक्रेट सर्विस) को उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने में मशक्कत करनी पड़ी। ट्रंप के अनुसार, उनकी उत्सुकता ने सुरक्षा प्रोटोकाल को और चुनौतीपूर्ण बना दिया था।

ट्रंप से पूछा गया कि क्या गोलियों की आवाज सुनकर वह चिंतित थे, तब ट्रंप ने कहा, मैं घबराया नहीं था। मैं जिंदगी को समझता हूं। कल की दुनिया में कुछ भी हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि वह खुद घटनाक्रम को देखना चाहते थे, संभवत: इसी वजह से सीक्रेट सर्विस के कर्मियों को उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने में समय लग गया। उन्होंने कहा, मैं देखना चाहता था कि क्या हो रहा है। मैं उनके (सीक्रेट सर्विस के) साथ सहयोग नहीं कर रहा था। मैं जानना चाहता था कि क्या चल रहा है।

ट्रंप ने घटना को याद कर कहा, मैं एक सजग टीम के मजबूत घेरे में था, लेकिन सच कहूं तब मैंने उनकी मुश्किलें बढ़ा दीं। मैं कहता रहा, ठहरो, एक मिनट ठहरो। उन्होंने कहा कि जब वह मंच से बाहर निकल रहे थे, तब सुरक्षाकर्मी बार-बार उनसे नीचे झुकने की गुजारिश कर रहे थे। ट्रंप ने कहा, मैं चलने लगा और उन्होंने कहा, कृपया नीचे झुकिए, कृपया फर्श की ओर झुकिए। तब मैं झुक गया और मेलानिया भी झुक गईं।

उन्होंने कहा, हां, उसने यह लिखा, लेकिन मैं बलात्कारी नहीं हूं। मैंने वह संदेश पढ़ा है, वह एक बीमार आदमी है। साक्षात्कार जैसे कार्यक्रम में ऐसी बातें पढ़ना शोभा नहीं देता, लेकिन चलिए साक्षात्कार जारी रखते हैं। जब साक्षात्कारकर्ता ने पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि हमलावर विशेष रूप से उन्हें निशाना बना रहा था, तब ट्रंप ने कहा, मैं कोई बच्चों का शोषण करने वाला व्यक्ति नहीं हूं...आप किसी दिमागी रूप से बीमार इंसान की बकवास पढ़ रहे हैं मुझे ऐसी चीजों से जोड़ा जा रहा है, जिनका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है।

टीवी होस्ट ने मेलानिया से विधवा होने वाला मजाक किया

वाशिंगटन। अमेरिका में फिर कामेडी और राजनीति के टकराव ने बड़ा विवाद खड़ा किया है। इस बार विवाद के केंद्र में टीवी होस्ट जिमी किमेल और अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प आ गई है। मामला तब शुरू हुआ जब व्हाइट हाउस कारेस्पान्डेंट्स डिनर से पहले अपने शो में जिमी किमेल ने मेलानिया पर टिप्पणी करते हुए उन्हें एक्सपेक्टेंट विडो यानी होने वाली विधवा कह दिया। इस बयान को लेकर ट्रम्प समर्थकों और रिपब्लिकन गुट में तीखी नाराजगी दिखाई दी। मेलानिया ने बयान के बाद प्रतिक्रिया देकर कामेडी नहीं बल्कि जहरीली राजनीति करार दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा नफरत को बढ़ावा देती है और सार्वजनिक विमर्श को नुकसान पहुंचाती है। मेलानिया ने सवाल किया कि वह इसरतह के बयानों को कब तक स्वीकार करता रहेगा और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस विवाद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी शामिल हो गए। उन्होंने जिमी किमेल की आलोचना कर कहा कि उनकी टिप्पणी खतरनाक और हिंसा को बढ़ावा देने जैसी है। ट्रम्प ने एबीसी और इसके मालिक डिज्नी से मांग की कि किमेल को उनके शो से तुरंत हटाया जाए।

सेना विहीन कोस्टा रिका शिक्षा और स्वास्थ्य से बना स्वर्ग

सैन जोस

तकरीबन 75 साल पहले मध्य अमेरिकी राष्ट्र कोस्टा रिका ने एक ऐसा क्रांतिकारी फैसला लिया जिसने इस छोटे से देश की तस्वीर पूरी तरह बदल दी। कोस्टा रिका ने अपनी पूरी सेना को खत्म कर दिया और सैन्य बजट का पैसा विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में लगाकर खुद को शांति और खुशहाली के स्वर्ग में बदल दिया। कोस्टा रिका ने अपनी सेना क्यों खत्म की यह सवाल जितना सीधा लगता है, इसका जवाब उतना ही दिलचस्प है। अक्सर माना जाता है कि यह फैसला शांति के प्रति उनके प्रेम की वजह से लिया गया था, लेकिन इसके पीछे की असली वजह एक राजनीतिक डर था। 1948 में कोस्टा रिका के नेता जोस फिग्युरेस फेरर ने सेना खत्म करने का ऐलान किया। इसके पीछे मुख्य कारण कोई आदर्शवादी विचार नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई थी। फिग्युरेस जानते थे कि सेना अक्सर तख्तापलट करती है और अपनी सत्ता को किसी भी भविष्य के सैनिक विद्रोह से बचाने के लिए उन्होंने सबसे सीधा रास्ता चुना सेना को ही खत्म कर देना।

1917 के तख्तापलट के बाद से ही कोस्टा रिका की सेना कमजोर होने लगी थी, जिसका फायदा फिग्युरेस ने उठाया ताकि सेना दोबारा कभी राजनीति में दखल न दे सके। सेना को खत्म करने का एक बड़ा और सकारात्मक परिणाम यह हुआ कि रक्षा बजट का सारा पैसा देश के विकास में लगाया गया। सेना पर होने वाले खर्च को सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की ओर मोड़ दिया गया। कोस्टा रिका की गिनती अपने क्षेत्र के सबसे शिक्षित और स्वस्थ देशों में होती है, जिसका श्रेय इसी साहसिक फैसले को जाता है। जहां पड़ोसी देश गृहयुद्ध और सैन्य तानाशाही से जूझ रहे थे, वहीं कोस्टा रिका अपने बच्चों के लिए स्कूल और नागरिकों के लिए अस्पताल बनवा रहा था, जो उसकी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है। बिना सेना के कोई देश सुरक्षित कैसे रह सकता है

कोस्टा रिका ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय संधियों का सहारा लिया। रियो संधि (1947) एक सुरक्षा समझौता था जिसके तहत अमेरिका और अन्य पड़ोसी देश किसी भी हमले की स्थिति में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध थे। इसके अलावा, ओएएस (अमरीकी राज्यों का संगठन) जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों पर भी कोस्टा रिका ने अपनी सुरक्षा के लिए अपनी सेना के बजाय भरोसा किया। यह एक बड़ी गलतफहमी है कि कोस्टा रिका के पास कोई सुरक्षा बल नहीं है।

ईरान की ट्रंप को सीधी धमकी- एक तेल कुआं बराबर चार तेल कुएं

वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच घोषित युद्धविराम के बावजूद दोनों देशों के संबंधों में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अब यह टकराव सीधे सैन्य संघर्ष से हटकर तीखी बयानबाज़ी और रणनीतिक चेतावनियों के रूप में सामने आ रहा है, जिससे पूरे मध्य-पूर्व क्षेत्र में अस्थिरता की आशंका गहरा गई है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप की सख्त चेतावनी के बाद ईरान ने भी आक्रामक रुख दिखाकर स्पष्ट संकेत दिया है कि वह किसी भी दबाव में झुकने वाला नहीं है।

ईरानी उपराष्ट्रपति इस्माइल साघाव एस फाहानी ने कहा कि यदि अमेरिका या उसके सहयोगियों ने ईरान के तेल संसाधनों या बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया, तब उसका जवाब कई गुना अधिक ताकत से दिया जाएगा। उनका बयान एक तेल कुआं =चार तेल कुएं इस बात का संकेत है कि ईरान अब केवल रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक जवाबी रणनीति पर काम कर रहा है।

इसके पहले ट्रंप ने भी चेतावनी दी थी कि यदि ईरान युद्धविराम का पालन नहीं करता, तब अमेरिका उसकी तेल पाइपलाइनों को टारगेट कर सकता है। विशेषज्ञों ने बयान को अप्रत्यक्ष सैन्य धमकी के रूप में देखा है। कूटनीतिक स्तर पर भी स्थिति ठहरी हुई है।

ईरान ने पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भी सवाल उठाए हैं। ईरानी संसद के प्रवक्ता इब्राहिम रजाई ने कहा कि पाकिस्तान निष्पक्ष भूमिका निभाने में सक्षम नहीं है और वह अक्सर अमेरिकी हितों के अनुरूप कार्य करता है। इससे स्पष्ट है कि कूटनीतिक प्रयासों में भी अविश्वास बढ़ता जा रहा है। इसी बीच क्षेत्रीय तनाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है। इजराइल और हिजबुल्ला के बीच भी संघर्ष तेज होता दिख रहा है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर युद्धविराम उल्लंघन के आरोप लगा रहे हैं। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में अपने एक सैनिक की मौत की पुष्टि की है, जबकि हिजबुल्ला का कहना है कि उसकी कार्रवाई इजराइल के हमलों का जवाब थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान की मिसाइल क्षमता अब एक बड़ा रणनीतिक कारक बन चुकी है। दावा किया जा रहा है कि ईरान जिस तेजी से बैलिस्टिक मिसाइलें बना रहा है, उसके मुकाबले इजराइल अपनी इंटरसेप्टर मिसाइलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहा। कुछ आकलनों के अनुसार, जहां इजराइल एक इंटरसेप्टर बनाता है, वहीं ईरान लगभग दस मिसाइलें तैयार कर लेता है। इससे इजराइल की रक्षा प्रणाली पर दबाव बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भले ही कागज़ों पर युद्धविराम लागू हो, लेकिन वास्तविकता में हालात बेहद तनावपूर्ण हैं। ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि जो भी देश अमेरिका का समर्थन करेगा, उस वह विरोधी मानेगा। ऐसा होने पर पूरे क्षेत्र में बड़े संघर्ष की आशंका फिर से गहराती नजर आ रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज व्यापार मे व्यस्तता ज्यादा रहेगी साथ मे आमदनी मे बढोत्तरी होगी नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति के साथ स्थानांतरित किया जा सकता है. आप दोस्तों के साथ एक नया कारोबार शुरू कर सकते हैं और आपको उनका पूरा समर्थन मिलेगा. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे और शेयरों में कुछ निवेश भी किया जा सकता है. सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी. आज आप यात्रा में किसी व्यक्ति विशेष से मिल सकते है अपने स्वास्थ्य को हल्के मे लेना हानिकारक हो सकता हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को आज के दिन अपने व्यवहार मे कुछ बदलाव करना पडेगा जिससे काम पूरे होते हुए दिखेंगें आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. छात्रों के करियर में आज के दिन नया बदलाव आयेगा. जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. आज आप की जानपहचान किसी स्त्री विशेष होगी, जो आप को लाभ पहुंचाएगी. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. दोस्तों के साथ बेहतर दिन बीतेगा. भगवान शिव का पंचाक्षर मंत्र जप करें आप आसपास सकारात्मक वातावरण रहेगा

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज महामृत्युंजय मंत्र का जप करें शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा आप को भोजन भी अपनी शारीरिक क्षमता से ही करना चाहिए । काम के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे. आपकी योजनाएं फलीभूत हो कर आप के हक में फैसला सुनाएंगी. गृहस्थ जीवन में जीवन साथी धार्मिक रवैया अपनाएगा. घर में कोई पूजा पाठ बड़े स्तर पर हो सकती है. प्रेम विवाह करने की योजना हैं तो अपनी कार्यवाही जारी रखें नये मुकाम पर पहुंचेंगे और भविष्य मे रिश्ते में गहराई आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के साथ जरूरी यात्रा पर जा सकते हैं यात्रा का उद्देश्य पूरा होगा आप अपने कार्य स्थल पर वाहवाही लूटेंगे जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. आर्थिक सन्दर्भ में त्वरित पैसा बनाने की योजनाओं या आकर्षक प्रस्तावों से दूर रहना बेहतर है. इससे आने वाले महीनों में समस्या हो सकती है. परिवार के सदस्यों के साथ कुछ गलतफहमी घरेलू माहौल को कड़वा बना सकती हैं बच्चों को मौसमी बिमारी से बचाना होगा बच्चों के शरीर का तापमान बड़ सकता हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन को सफलताओं से भरना हैं तो शिवजी का कच्चे दूध से अभिषेक करें आपका दिन करवट लेगा आपको कुछ काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है. परिवार के साथ डीनर का प्लान बना सकते हैं. पैसों के लेन– देन करने से आपको बचना चाहिए. अगर आप समय का सदुपयोग करेंगे, तो आपको फायदा जरूर मिलेगा. किसी तरह की पुरानी बातों पर ध्यान देने से आपको बचना चाहिए. कामकाज की स्थिति मजबूत रहेगी. आप को अपने व्यवसाय के प्रति जिम्मेदार होना होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दाम्पत्यजीवन की खुशहाली के लिए आप को दैनिक शिवपार्वती का पूजन करना चाहिए जिससे गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा । साझेदारी का कारोबारी सफलता देगा , बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा प्रेम जीवन बिता रहे लोग अपने रिश्ते के भविष्य को लेकर बहुत सोचेंगे और आज का दिन ज्यादातर सोचने में ही बिताएंगे.शरीर की तंदरुस्ती के लिए पौष्टिक आहार लेते रहें । हड्डियों का दर्द तकलीफ दे सकता हैं । गाय की सेवा करनी चाहिए ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों के लिए कुछ तकलीफे बन सकती हैं. सरकारी कर्मचारियों के साथ मेलझोल बना कर रखें लाभदायक रहेगा आपके दुश्मन आपके लिए मुसीबतें खड़ी कर सकते हैं. आपकी आय कम हो सकती है और आपके निवेश ठहराव के चरण में जा सकते हैं. इस अवधि के दौरान व्यवसाय के संबंध में यात्रा उचित फल नहीं देगी. आपको शीघ्र पैसा कमाने की योजनाओं में निवेश करने से से बचना चाहिए. दोस्त मददगार नहीं रहेंगे. इसलिए आपको कमिटमेंट करने से पहले दो बार सोचना श्रेयकर रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सुबह उठते ही हथेलियों के दर्शन करें आपका दिन बेहतरीन रहेगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी–सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं. आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है. व्यावसायिक कार्यों के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा. ऑफिस का बढ़िया माहौल आपको खुश कर सकता है.व्यायाम करते रहे तंदूरस्ती बरकरार रहेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके लिए समय अनुकूल नही हैं नक्षत्र थोड़ा सा कमजोर है, इसलिए शांति और समझदारी से ही दिन गुजारना सही रहेगा. खर्चों में थोड़ी तेजी आने से मानसिक चिंताएं बढ़ेंगी लेकिन यह अल्पकालीन है, इसलिए ज्यादा परेशान मत हों. काम के मामले में आपकी सोच आपके काम आएगी. व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा. सेहत उतार–चढ़ाव के बीच स्थिर रहेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोग आज के दिन को शांति से बिताएंगे और अपने प्रिय से खूब बातचीत करेंगे. गृहस्थ जीवन शांतिपूर्ण रहेगा.चींटियों को शक्कर डालें कर्ज मुक्त हो जांएगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

रोज सुबह उठते ही धरती माता को छूकर प्रणाम करें और फिर पश्चात धार्मिक कार्यों में संलग्न हो सकतें है, जिसके कारण आपकी सामाजिक लोकप्रियता में बढ़ोत्तरी संभव है. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार सिद्ध होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे.कर्म को महत्व देंना चाहिए आप का भाग्य आप को खुदबखुद मालामाल बन देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज दिन सफल रहेगा व्यवसायिक रुप से आप सफल भी होंगे. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आपको किस्मत का पूरा–पूरा साथ मिलेगा. साथ ही दूसरे लोग आपके कामकाज से प्रभावित भी होंगे. आपकी तरक्की के नये रास्ते खुलेंगे. परिवार में मधुरता के साथ विश्वास भी बढ़ेगा. किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी. परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे व्यय करना चाहिए धन की शुद्धि होगी संतति भी बढेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने स्वभाव को सरल बनाए आप को मृदुभाषी होने की जरूरत हैं जिससे आप का समय और दिन हर्षित रहेंगा. कामों में सफलता मिलेगी जिससे आपका आत्मबल बढ़ेगा. थोड़ा गुस्सा तो दिखाएंगे लेकिन जिद पकड़ना अच्छा नहीं. गृहस्थ जीवन सामान्य रहेगा और प्रेम जीवन बिता रहे लोग परिजनों के विरोध का सामना कर सकते हैं, इसलिए थोड़ी सी सावधानी रखें और मर्यादा ना लांघें.रोज सुबह चहलकदमी करते रहें शरीर निरोगी रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 अप्रैल 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 09:15 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 02:17 तक
योग : वज्र रात्रि 08:53 तक
करण : गर प्रात: 08:32 तक
चन्द्रराशि : कन्या दोपहर 01:14 तक
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री नृसिंह जयंती , भद्रा रात्रि 09:16 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लु महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

किनवट में धावंडा वृक्षों में रसायन इंजेक्शन से गोंद तस्करी का खुलासा, उच्च स्तरीय जांच की मांग

किनवट, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिवासी बहुल पहाड़ी क्षेत्र किनवट में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां कीमती धावंडा वृक्षों को गुप्त रूप से गोंद इकट्ठा करके उनमें इंजेक्शन द्वारा रसायन मिलाकर प्रतिदिन बेचा जा रहा है। ऐसा आरोप है कि यह सिलसिला पिछले तीनचार वर्षों से अन्य राज्यों के गोंद तस्करों और वन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से चल रहा था, जिस पर इस मामले में एक उच्चस्तरीय जांच समिति के गठन, दोषियों के निलंबन और उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की गई है।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के पूर्व तहसील प्रमुख राम पाटिल और तहसील संघटक विनोद एंडरलवार ने इस मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए नादेड के वन संरक्षक को लिखित ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के मुताबिक, किनवट, भीमपुर, पिंताबारवाड़ी, घोगरवाड़ी, अंबाडी, शिवमारखेड़ा, धमांदारी, नागझरी, ज़ेंडीगुडा, वासवाड़ी, वडोली और हटकरखोरी के वन क्षेत्रों में यह तस्करी बड़े पैमाने पर फलीफूली है। ज्ञापन में बताया गया है कि प्राकृतिक रूप से एक धावंडा वृक्ष से 15 दिनों में लगभग 100 से 200 ग्राम गोंद प्राप्त होता है, लेकिन तस्करों ने उत्पादन बढ़ाने के लिए पेड़ों में रसायन इंजेक्शन देना शुरू कर दिया है। इस अवैध प्रक्रिया में पेड़ों को कुल्हाड़ी से कई जगह काटकर गहरे घाव किए जाते हैं, जिससे केवल 3–4 दिनों में करीब 1 किलोग्राम गोंद निकाला जाता है। इस तरह के अत्यधिक इंजेक्शन और चीरफाड़ से पेड़ों का जीवनकाल कम हो जाता है और वे समय से पहले मर जाते हैं।

ज्ञापन में कहा गया है कि इस तरह कृत्रिम रूप से निकाला गया गोंद मानव स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है और धावंडा वृक्षों को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है। स्थानीय आदिवासी मजदूरों से मिली जानकारी के आधार पर जंगल का निरीक्षण किया गया और पाया गया कि अन्य राज्यों से आए गोंद तस्करों ने किनवट से लेकर तेलंगाना सीमा तक फैले जंगलों में डेरा डाल रखा है और रासायनिक रूप से मिश्रित गोंद का संग्रहण कर रहे हैं।

राम पाटिल और विनोद एंडरलवार ने आरोप लगाया कि किनवट वन विभाग के अधिकारी और अन्य राज्यों के तस्कर गोंद की बिक्री से लाखों रुपये कमाकर नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि वन विभाग गोंद तस्करी से हो रहे वनों के नुकसान और नागरिकों के स्वास्थ्य के गंभीर मुद्दे को देखते हुए 15 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं करता, तो शिवसेना और प्रकृतिप्रेमी नागरिकों की ओर से तीव्रजन विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

इस मामले को लेकर संबंधित जनप्रतिनिधियों और वन विभाग के प्रमुखों को ज्ञापन सौंपा गया है।

पेद्दापल्ली में स्टूडेंट्स आंदोलन पर गिरफ्तारियां, बीआरएस नेता ने की निंदा

पेद्दापल्ली, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेद्दापल्ली के स्टूडेंट्स के हक के लिए चलाए जा रहे विद्यार्थी पोरुबता प्रोग्राम में रुकावट डालने के लिए पहले से की गई गिरफ्तारियां डेमोक्रेटिक पॉलिसी नहीं हैं। पुलिस की ये कार्रवाई स्टूडेंट्स की आवाज़ दबाने की कोशिश लगती है, बीआरएसवी– प्रेसिडेंट कोय्याडा सतीश गौड़ ने कहा।

स्टूडेंट्स का अपने हक पर सवाल उठाना गलत नहीं है यह उनका हक है, उनके भविष्य की लड़ाई है। पहले से की गई गिरफ्तारियां न तो मूवमेंट को रोक सकती हैं और न ही उनकी शिकायतों को दबा सकती हैं।

सरकार और अधिकारियों को तुरंत जवाब देना चाहिए और स्टूडेंट्स की समस्याओं का हल निकालना चाहिए। गिरफ्तारी नहीं – हल की ज़रूरत है।

गिरफ्तार किए गए लोगों में पेद्दापल्ली टाउन प्रेसिडेंट उप्पू राज कुमार, पडाला सतीश गौड़, नामसनी सरेश बाबू, काशी पाका वासु, सिरिवेना लवण कुमार, मोहम्मद खादर, प्रेम सागर, बालासनी श्रीनिवास गौड़, दसारी सतीश और कई दूसरे लोग शामिल हैं।

इंदिरम्मा आवास योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को घर उपलब्ध कराएगी सरकार : गड्डम विवेकानंद

चेन्नूर, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के श्रम, रोजगार प्रशिक्षण, कारखाना एवं खनन विभाग के मंत्री गड्डम विवेकानंद ने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही इंदिरम्मा आवास योजना के तहत सभी पात्र गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन लाभार्थियों को अभी तक घर नहीं मिला है, उन्हें किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सरकार चरणबद्ध तरीके से सभी को लाभ पहुंचाएगी।

बुधवार को चेन्नूर मंडल के बावुरावुपेट गांव में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने जिला कलेक्टर कुमार दीपक के साथ भाग लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि 100 इंदिरम्मा घरों का निर्माण पूरा होकर उद्घाटन के लिए तैयार है, जबकि अन्य घरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को तेज़ी से पूरा किया जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि लाभार्थी को दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित और आधुनिक आवास उपलब्ध हो।

मंत्री ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि सड़क विस्तार के तहत बावुरावुपेट से कत्तेरसाला तक 5 करोड़ रुपये और बावुरावुपेट से काचनपल्ली तक 3 करोड़ रुपये की लागत से कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा पेयजल समस्या के समाधान के लिए क्षेत्र में 300 बोरवेल स्थापित किए गए हैं और स्वच्छता व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। चेन्नूर क्षेत्र में नालों, सड़कों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के साथसाथ हाईमास्ट लाइट्स की स्थापना भी की जा रही है, ताकि आम जनता को रात में भी सुरक्षित चलने–फिरने की सुविधा मिल सके।

मंत्री ने बताया कि भूमि विस्थापितों को 26 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति पर विकास कार्यों का नकारात्मक असर न पड़े। इंदिरम्मा आवास योजना के पहले चरण में बड़ी राशि जारी की जा चुकी है और निर्माण कार्यों का भुगतान चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। दूसरे चरण की शुरुआत जून माह में की जाएगी, जिससे और अधिक पात्र लाभार्थियों को लाभ मिल सके।

गड्डम विवेकानंद ने बताया कि आरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए समिति का गठन किया गया है। बेरोजगार युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए जर्मन भाषा प्रशिक्षण सहित कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने चेन्नूर में विधायक कैंप कार्यालय में कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं के तहत लाभार्थियों को चेक वितरित किए। इसके अलावा जिला कलेक्टर और अधिकारियों के साथ 100 बेड के सरकारी अस्पताल, पिछड़ा वर्ग छात्रावास और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा और शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्रेस प्लान के तहत भरोसा टीम ने अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन किया

पेद्दापल्ली, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम सी.पी. अंबर किशोर झा आई.पी.एस. सर की देखरेख में, भरोसा टीम के निर्देश पर आज मंथनी और सुल्तानाबाद एम.पी.डी.ओ. कार्यालय में पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्रेस प्लान (90 दिन का प्लान) के तहत एक अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर सी.पी. झा ने कहा कि आज के दौर में लड़कियों और महिलाओं को अलगअलग तरीकों से धोखा दिया जा रहा है, इसलिए लोगों को क्राइम कंट्रोल करने में अहम भूमिका निभानी चाहिए और सावधान रहकर अपराधों को रोका जा सकता है। उन्होंने लोगों को जेंडर डिस्क्रिमिनेशन दिखाए बिना बच्चों की परवरिश करने, बाल विवाह, साइबर क्राइम, ह्यूमन ट्रैफिकिंग, महिलाओं के खिलाफ रेप और स्टूडेंट्स पर हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध जागरूक होने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर किसी को पता चले कि कोई व्यक्ति ड्रग्स ले रहा है, तो उसे तुरंत पुलिस को सूचना देनी चाहिए; साइबर क्राइम होने पर शिकायत टोलफ्री नंबर 1930 पर दर्ज कराई जा सकती है। महिलाओं को सलाह दी गई कि अगर अनजान नंबरों से परेशानी हो, कोई उन्हें गलत तरीके से परेशान करे या काम की जगह पर उन पर उत्पीड़न किया जाए, तो उन्हें हिम्मत दिखाकर तुरंत पुलिस या संबंधित अधिकारियों को सूचना देनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को भरोसा सेंटर और उसके कामकाज, भरोसा सेंटर द्वारा महिलाओं और बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं तथा फोकस एक्ट से जुड़े प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इससे लोगों को महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़ी सरकारी योजनाओं, हेल्पलाइन सेवाओं और कानूनी सुरक्षा के तंत्र के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

इस कार्यक्रम में भरोसा इंचार्ज एस.आई. एम. लावण्या, कोऑर्डिनेटर व काउंसलर के. आश्रिता, सपोर्ट पर्सन असमा, स्वाति, एएनएम वी. भारती के साथसाथ अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची संशोधन में मैपिंग प्रक्रिया को मजबूत बनाने के निर्देश

मंचेरियाल, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्पेशल ग्रेड डिप्टी कलेक्टर एवं विशेष समग्र मतदाता सूची संशोधन कार्यक्रम के पर्यवेक्षक आर. दसरथ ने निर्देश दिया कि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के दौरान मैपिंग प्रक्रिया को पूरी तरह व्यवस्थित और सटीक ढंग से पूरा किया जाए। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करेगी कि नामावली में हर मतदाता का सही पता और पहचान दर्ज रहे, जो निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता के लिए अहम है।

बुधवार को नस्पूर स्थित समेकित जिला कार्यालय परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) वी. रामुलु, राजस्व मंडल अधिकारी श्रीनिवास राव, विशेष उप कलेक्टर चंद्रकला सहित सभी मंडलों के तहसीलदार और निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। आर. दसरथ ने बताया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों की 2002 मतदाता सूचियां संबंधित पोर्टल पर उपलब्ध हैं और अधिकारियों को अपनेअपने क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों का चुनावी मैपिंग कार्य शीघ्र पूरा कराना है।

उन्होंने फॉर्म6, 7 और 8 के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। मृत, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान कर नियमानुसार उनके नाम मतदाता सूची से हटाने पर जोर दिया गया। एक ही निर्वाचन क्षेत्र में पता बदलने वाले मतदाताओं को नोटिस जारी कर सही पते पर नाम दर्ज कराने तथा अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित मतदाताओं के नाम वर्तमान सूची से विलोपित करने की प्रक्रिया को स्पष्ट किया गया। स्पेशल ग्रेड डिप्टी कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची संशोधन कार्यक्रम के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए समाचार पत्रों और स्थानीय चैनलों के माध्यम से प्रचारप्रसार किया जाए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के समन्वय पर विशेष जोर दिया गया।

डीसी ने अनाज खरीद केंद्रों पर गुणवत्ता वाले धान की तत्काल लोडिंग के निर्देश दिए

पेद्दापल्ली, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने कहा कि खरीदने वाले सेंटर्स पर मिलने वाला अच्छी क्वालिटी का अनाज तुरंत लोड किया जाए।

बुधवार को, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट में एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ अनाज खरीदने पर रिव्यू मीटिंग की। इस मौके पर बोलते हुए, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने कहा, उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि धान खरीदने वाले सेंटर्स पर कुलियों की कमी न हो, इसके लिए सही कदम उठाए जाएं। एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन अधिकारियों ने खरीदने वाले सेंटर्स के मैनेजर्स के साथ कोऑर्डिनेट किया और आदेश दिया कि जो अनाज क्वालिटी स्टैंडर्ड्स पर खरा उतरे, उसे तुरंत लॉरियों में लोड किया जाए।

उन्होंने कहा कि मौसम में बदलाव की वजह से बारिश होने की संभावना है, इसलिए अनाज को रेगुलर तौलकर बिना देर किए सुरक्षित स्टोर किया जाना चाहिए। उन्होंने खेती–बाड़ी के अधिकारियों को सलाह दी कि वे फसल की ज़्यादा पैदावार के इस समय में किसानों को हर तरह से सहयोग करें।

बाबासाहेब के आदर्शों की साधना हेतु युवाओं को करना होगा निरंतर प्रयास

आसिफाबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। संत कबीर ग्रंथालयों के राष्ट्रीय अध्यक्ष पी. एस. फुलझाले (नागपुर) ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों की साधना के लिए आज की युवा पीढ़ी को निरंतर प्रयास करना चाहिए।

बुधवार को वांकीडी मंडल केंद्र स्थित जेत्वान बुद्ध विहार में उच्च शिक्षा पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि अंबेडकर का मानना था कि गरीब वर्गों से जुड़े युवक यदि उच्च शिक्षा प्राप्त कर स्थिर जीवन बनाते हैं, तभी समाज उन्नति की दिशा में आगे बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम कर शिक्षा प्राप्त करने वाले ही भविष्य में ऊँचाइयों तक पहुँचते हैं। इस अवसर पर उन्होंने संत कबीर ग्रंथालय की पुस्तकें 'समता सैनिक दल' के युवाओं को भेंट कीं।

बुद्ध विहार निर्माण समिति, महाराष्ट्र के दल ने बुधवार को वांकीडी मंडल केंद्र स्थित जेत्वान बुद्ध विहार का दौरा किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की लागत की जानकारी ली और आगे होने वाले निर्माण में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

जिला कल्याण अधिकारी ने साइबर अपराध से बचाव के बारे में जागरूक किया

मंचेरियाल, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कल्याण अधिकारी राउफ खान ने कहा कि साइबर ठगी और ऑनलाइन अपराधों को रोकने के लिए हर व्यक्ति में जागरूकता होना बेहद जरूरी है। वे जिला मुख्यालय स्थित नर्सिंग कॉलेज में आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे।

कार्यक्रम में रौफ खान ने छात्रों को साइबर अपराधों के प्रकार, उनसे बचाव के तरीके और ऑनलाइन सुरक्षित रहने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध लिंक, फ़िशिंग कॉल, अनजान बैंक या ईकॉमर्स साइटों से जुड़े मैसेज और ओटीपी, पासवर्ड जैसी जानकारी किसी के साथ भी साझा नहीं की जानी चाहिए।

उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क किया जा सकता है, जबकि बच्चों से जुड़ी समस्याओं के लिए राष्ट्रीय बाल हेल्पलाइन 1098 जारी है। छात्रों को संदिग्ध कॉल, संदेश और लिंक से सतर्क रहने की सलाह दी गई और किसी भी अनजान ऑफर, जॉब या लॉटरी से जुड़े मैसेज पर तुरंत भरोसा न करने की अपील की गई।

गायत्री मंत्र को महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के ऋषि विश्वामित्र और देवी सरस्वती हैं। यदि शास्त्रों में वर्णित विधि अनुसार इसका जाप किया जाए, तो मां सरस्वती प्रसन्न होकर भक्त की सभी मनोकामनाएं पूर्ण कर देती है...

वेदमाता गायत्री

गायत्री शब्द का अर्थ है प्राणरक्षक। 'गाय' कहते हैं प्रण को तथा 'त्री' का तात्पर्य है त्राण संरक्षण करने वाली। अत: जिस शक्ति से प्राण का, प्रतिभा का व जीवन का संरक्षण होता है, उसे गायत्री कहते हैं। कहा जाता है कि ब्रह्मा जी ने अपने चार मुखों से गायत्री के चार भागों का व्याख्यान चार वेदों के रूप में किया था। इसी कारण गायत्री को वेद माता कहते हैं। यह गायत्री मंत्र भारतीय संस्कृति, धर्म एवं तत्वज्ञात का बीज है।

त्रियदा गायत्री

गायत्री वैदिक संस्कृत का एक छंद है, जिसमें आठ-आठ अक्षरों के तीन चरण कुल 24 अक्षर होते हैं। 'ॐ भूर्भुव: स्व:' यह गायत्री का शीर्ष कहलाता है। शेष आठ- आठ अक्षरों के तीन चरण हैं। इन्हीं तीन चरणों के कारण गायत्री को त्रियदा कहा जाता है। एक शीर्ष तथा तीन अन्य चरण इस प्रकार उसके चार भाग बने। इन चारों चरणों का रहस्य ही वेदों में वर्णित किया गया है।

मंत्र का भावार्थ

ॐ भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्य भर्गो देवस्य धीमहि। धियों योन: प्रचोदयात्

प्रत्येक वेदमंत्र के प्रारंभ में ॐ का प्रयोग किया जाता है। ॐ कार ईश्वर का द्योतक है। गायत्री मंत्र में भी ॐ कार का प्रयोग इसी कारण से हुआ है। 'भू:र्भुवस्व:' यह तीन लोक हैं। अध्यात्म में भू: स्थूल शरीर के लिए, भुव: सूक्ष्म शरीर के लिए तथा स्व: कारण शरीर के लिए प्रयु त किया गया है। बाहरी जगत और अंतर के तीनों लोकों में ॐ कार अर्थात ईश्वर सर्वव्याह्श्वत है। व्याहतियों में इसी तथ्य का प्रतियादन है। 'तत्' का अर्थ है वह। 'सवितु' का भावार्थ है- प्रकाश तथा ऊर्जा से ज्ञात तथा वर्चस से ओतप्रोत परमेश्वर।

'वरेण्य:' का भावार्थ है श्रेष्ठ, तेजस्वी, विनाशक, देव। इन चार श दों में परमब्रह्म परमात्मा के उन गुणों का वर्णन है, जो अध्यात्मवादी अपनाने का प्रयत्न करते हैं। भर्ग शब्द तेजस्विता का बोधक है। इस शब्द में प्रतिभा साहसिकता, तत्परता, तन्मयता जैसे तत्वों का समावेश है। भर्ग का एक भाव नष्ट करना भी है। अनैतिकता, अवांछनीयता जैसी दुष्प्रकृतियां अगर मनुष्य को घेरे रहें, तो मनुष्य माया व पतन के गर्त में फंस जाता है। इससे छुटकारा पाने के लिए ऐसी प्रखरता का उद्भव होना चाहिए, जो अंतर के कष्टों तथा भीतर के कल्मषों से छुटकारा दिला सके।

सविता, वरेण्यं, भर्ग के उपरांत चौथी विभूतिमत्रा का नाम है देव। ईश्वर को देव श द से संबोधित करने का मतलब यह है कि हम ईश्वर के परम भक्त बनें तथा उसके देवत्व की विशेषता में अनुगमन करें।

'धीमहि' शब्द का अर्थ है धारण करना। आदर्शों को व्यवहार में उतारना ही उनकी धारणा है। ईश्वर दयावान, सदा प्रसन्न चित्त, धैर्यवान, क्षमावान व सदा आनंदित रहने वाले हैं। सुख-दुख से निरलेप हैं। उनके इन्हीं गुणों को धारण करना चाहिए। प्रथम चरण में सविता तथा वरेण्यं की तथा द्वितीय चरण में भर्ग तथा देव की अवधारणा का प्रशिक्षण है। गायत्री के अंतिम तृतीय चरण 'धियों यो न: प्रचोदयात्' के अंतर्गत परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई है कि साधक अकेले नहीं, बल्कि समस्त जन समुदाय में, प्राणिमात्र में 'धी' तत्व की वृद्धि करे। 'न:' हम सबको और 'धिय:' वृद्धियों को कहते हैं, इसमें ईश्वर से प्रार्थना की गई है कि अपनी अनुग्रह वर्षा करें।

उपासना का उद्देश्य

गायत्री उपासना का उद्देश्य है व्यक्ति में ऐसे तत्व का विकास करना, जिससे उस पर परमात्मा की कृपा हो सके। गायत्री मंत्र के जाप से दैविक व भौतिक साधनों की प्राप्ति होती है। व्यक्ति मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर होता है। उपजाऊ भूमि में ही वर्षा के बादलों के अनुग्रह से हरियाली उपजती है। कठोर चट्टानों पर तो एक पत्ता भी नहीं उगता। गायत्री उपासक अपना पूरा ध्यान आत्मपरिष्कार में लगाता है। गायत्री मंत्र के प्रभाव स्वरूप मनुष्य तामसी प्रवृत्तियों से मुक्त होकर परमपिता परमेश्वर से एकीकार होने के मार्ग पर अग्रसर होता है।

उपासना की विधि

- स्नानाआदि से निवृत होकर सरस्वती की प्रतिमा स्थापित करके गायत्री मंत्र का जाप करने से बुद्धि ते ा होती है।
- पुष्प व मीठा नेवेद्य अर्पित करके ऊनी या कुशासन पर बैठकर तुलसी या रूद्राक्ष की माला पर जाप करें।
- गायत्री मंत्र धर्म व अर्थ दोनों की वृद्धि करने वाला है।
- जाप करने से शरीर आरोग्य रहता है। काया के कष्ट मिटते हैं।
- लगातार जाप करने से मोक्ष की प्राह्श्वित होती है
- विद्यार्थियों को गायत्री मंत्र का जाप अवश्य करना चाहिए। इससे याददाश्त बढ़ती है तथा माता सरस्वती की कृपा से ज्ञान में वृद्धि होती है।

दुख नाशक चौपाइयां

संपदा प्राप्ति के लिए

जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं
सुख संपति नाना विधि पावहि।

आमदनी के लिए

विश्व भरन-पोषन कर जोई
ताकर नाम भरत अस होई

कार्य विघ्न हरण के लिए

सकल विघ्न व्यापहिं नाहिं तेही
राम कृपाकर चितवहिं जेही।

संकट नाश के लिए

दीन दयाल विरद संभारी
हरहु नाथ मम संकट भारी

रोग शांति के लिए

दैहिक दैविक भौतिक तापा
राम राज काहु नहिं व्यापा

ग्रह शांति के लिए

नाम प्रभाउ जान सिव नीको
कालकूट फलु दीन अमी को

मनोकामना पूर्ति के लिए

सुनु सिय सत्य असीस हमारी
पूजहिं मनकामना तुम्हारी।

रक्षा कवच के लिए

मामभिरक्षय रघुकुल नायक
घृत वर चाप रुचिर कर सायक।

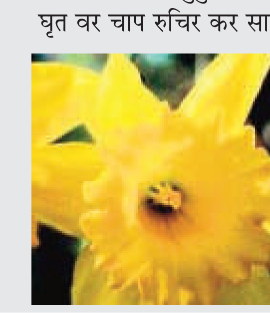

चिली खाने से उग्र होगा मंगल

रसोई अग्नि का स्थान है, मंगल अग्नि का ग्रह है इसलिए मंगल का वास रसोई में होता है। इसके साथ ही मिर्च,मसाला, गैस, कैरोसीन, छुरी, कांटा, स्टील के बर्तन, नमक, सूखे मेवे, प्याज व लहसुन इत्यादि भी मंगल के अधीन हैं।

जिस घर में अधिक मिर्च-मसाले वाला भोजन बनता हो या फिर मिर्च-मसाला अत्याधिक मात्रा में इस्तेमाल होता हो तो इससे यह समझा जा सकता है कि यहां मंगल की उग्रता अधिक है। मंगल को शांत करने के लिए मिर्च-मसाले का भोजन में प्रयोग बहुत ही संतुलित मात्रा में करना चाहिए।

अधिक मसाले व तीखे भोजन की वजह से उग्र मंगल अग्निभय, फूड प्वाइजनिंग, जख्म, दुर्घटना इत्यादि तक करा सकता है।

यह तो हुई वास्तु की बात, मगर ज्योतिष में किसी जातक की कुंडली में मंगल की स्थिति देख कर उसे वास्तु संबंधी उपाय बताए जाते हैं और वे उपाय बड़े कारगर होते हैं। उदाहरणार्थ यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल कमजोर है या नीच का है तो उसे रसोई में बैठ कर भोजन करना चाहिए। इससे उसके कमजोर मंगल को ताकत मिलेगी। इससे जातक मंगल से होने वाले नुक्सान से बच सकेगा। मंगलधैर्य, क्रियाशील, रचनात्मक क्षमता और अधिकार देने वाला ग्रह है। यदि रसोई के ठीक बगल में शौचालय है तो यह स्थिति ठीक नहीं है क्योंकि शौचालय में राहु का वास होता है इससे मंगल और राहु एक साथ हो जाते हैं।

राहु और मंगल के साथ होने से फूड प्वाइजनिंग और चोट-चपेट लगने का भय रहता है। एक बात यह भी देखीगई है कि अगर कुंडली में मंगल गड़बड़ स्थिति में हो तो उस जातक के घर के रसोई भी गड़बड़ होती है। गलत रसोई में में बनाया गया भोजन खाने के बाद एसिडिटी और पेट के रोग अधिक होने की आशंका रहती है। रसोई में डस्टबिन की सफाई बहुत जरूरी है। चूंकि कूड़ा राहु के अंतर्गत आता है इसलिए मंगल के स्थान पर राहु की वस्तु रखना टीक नहीं है। समय-मसय पर रसोई से कूड़ा हटाते रहना चाहिए। कभी भी रसोई घर में झाड़ू नहीं रखना चाहिए।

घरों में पत्थर लगाने का चलन बहुत बढ़ गया है। वास्तुशास्त्र के अनुसार ये पत्थर नकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि करते हैं...

घर में पत्थर लगा हो तो...

पत्थर के बने मकान, दीवार या स्टोन पिलर का प्रतिनिधित्व म ंगल ग्रह करता है। शनि और राहु ग्रह मंगल के शत्रु होते हैं। ऐसे में निश्चित समझना चाहिए कि जब शनि दुश्मन बना हुआ हो, तोऐसे मकानों में रहने वाले या उपयोग में लेने वाले सुखी रह ही नहीं सक ते। उसी प्रकार छाया ग्रह राहु भी वहां रहने वालों के लिए शुभ नहीं माना जाता है। यदि ऐसे पत्थरों से बने मकानों में अंधेरा हो, तो वहां भूत-प्रेत निवास करना पसंद करते हैं या यूं कहे कि ऐसे घरों में इतनी ज्यादा नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हो जाती है कि वहां भूत-प्रेत होने का अहसास होता है। एक बात याद रखनी चाहिए, अगर कोई आदमी वास्तु के अनुसार बने भवन में रहता है, उसके ग्रह निर्बल हों, तो भी उसका जीवन सामान्य ढंग से सुख-शांति से व्यतीत होता है।

पत्थर अहंकार का प्रतिनिधित्व करता है और मिट्टी बुध का प्रतिनिधित्व करती है। ऐसे में पत्थर अहंकारी बनाता है और मिट्टी धार्मिक पवित्रता प्रदान करती है। वे मकान, जिन्हें पत्थरों को मिट्टी से जोड़कर बनाया जाता है, वहां बुध और मंगल के प्रभाव का मिला-जुला रूप देखने को मिलता है। यदि किसी घर के सामने पत्थर का बना आशियाना हो, तो उस घर में रहने वाला परिवार कभी भी किसी भी तरह तरक्की नहीं कर सकता। उनके बच्चों को पढ़ाई में बहुत विघ्न, बाधाएं आती हैं। यदि पत्थरों से बना आशियाना पुराना, क्षतिग्रस्त या टूटा-फूटा हो, तो उसमें रहने वालों के साथ-साथ आसपास के घरों में रहने वाले भी अभाग्य का शिकार होते हैं।

यदि किसी घर के ठीक सामने कोई बड़ा पत्थर या स्टोन पिलर हो, उस घर का मुखिया लड़ाई-झगड़ा पसंद करने वाला, आगे बढ़कर दुश्मनी मोल लेने वाला होता है। यदि कोई बड़ा पत्थर घर के मुख्यद्वार के एकदम सामने आता हो, ऐसे घर में रहने वाले दंपत्ति के आपसी संबंधी सौहार्दपूर्ण नहीं रहते। किसी घर में बड़ा पत्थर हो या बड़े पत्थर का बना कोई स्लैब हो या घर के सामने छोटी पहाड़ी हो, ऐसी स्थिति में उसका मुखिया उसके बच्चे भय में रहते हैं। कई

वास्तु शास्त्र

मकान बहुत सुंदर बनाए जाते हैं, पर बचत के लिए मकान और चारदीवारी के बीच में पत्थर के स्लैब लगाए जाते हैं। ऐसे घरों में रहने वालों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। व्यवसाय और व्यापार में भी सफलता नहीं मिल पाती।

यदि कोई भवन या उसकी कंपाउंड वाल पत्थरों से बनी हो, तो इस दोष को दूर करने का एकमात्र उपाय है कि उसे सीमेंट या मिट्टी से ढंक देना चाहिए अर्थात प्लास्टर कर देना चाहिए।

उपाय शनि देव के

जन्म कुंडली में यदि षष्ठेश, अष्टमेश या द्वादश शेष हों या द्वितीयेश-सप्तमेश होने के कारण मारकेश हों तो कष्टकारक होते हैं। व्यक्ति को शनि की महादशा, अंतर्दशा या अशुभ गोचरीय परिभ्रमण ढय्या-साढ़ेसाती के समय प्रतिकूल फल देते हैं। इससे बचने के लिए आप इनमें से कोई एक उपाय कर लें। इससे अशुभ फलों में कमी आएगी-

- काले घोड़े की नाल की अंगूठी दायें हाथ की मध्यमा अंगुली में पहनें या काले कुत्ते को सायंकाल रोटी खिलाने से भी लाभ मिलेगा।
- शनिवार को शनि स्रोत का पाठ करें। शनिवार का व्रत भी रखें तो ज्यादा अच्छा है।
- शनि के वैदिक मंत्र (शन्नौदेवीरभिष्टयादि) या तांत्रिक मंत्र (ऊं प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:) की दो माला प्रतिदिन जपें।
- शनिवार को पीपल के वृक्ष को सींचें, वृक्ष यदि मंदिर परिसर में हो तो ज्यादा अच्छा है।
- हनुमान जी की पूजा-अर्चना करें। हनुमान चालीसा, सुंदरकाण्ड का पाठ या हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ाएं। शनिवार या मंगलवार का व्रत कर सकते हैं।
- शनि ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान अपनी सामर्थ्य के अनुसार समय-समय पर करें। (काले तिल, उड़द, कुलथी, खाद्य तेल, क ाला वस्त्र, छात्रा कम्बल, जूते-चप्पल, लोहे की वस्तुएं, स्टील के बर्तन आदि)।
- काले या गहरे नीले रंग के कपड़ों का प्रयोग यथासंभव नहीं करें। शनि की वस्तुओं का दान ग्रहण नहीं करें।
- सूर्य को अर्घ्य दें तथा आदित्य हृदय स्रोत्र का पाठ करें।
- कोई नया कारोबार, जोखिम वाला काम, ज्यादा रकम का इन्वैस्टमेंट आदि नहीं करें।

इसके अतिरिक्त सात्विक आहार-विहार, विनम्र व्यवहार, क्रोध पर नियंत्रण, लोभ-लालच से परहेज, अच्छी संगति, सकारात्मक विचार, परोपकार, शरीर और मन की पवित्रता, ईश्वर भक्ति स्वाध्याय आदि से समस्त ग्रहों के अशुभ प्रभाव समाप्त होते हैं जिनमें शनि भी शामिल है।

आपकी कार का रंग

यदि आप कार खरीदने जा रहे हैं, तो उसके रंग का चयन अपनी शुभता के अनुसार करें। जन्म कुंडली के चतुर्थ भाव और चतुर्थेश पर पड़ने वाले ग्रह योगों से आप अपने वाहन के रंग के बारे में जान सकते हैं।

आपके वाहन का रंग किस प्रकार का होगा, इसका निर्णय करने के लिए चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर जिस ग्रह का प्रभाव हो, उससे संबंधित ग्रह के अनुसार वाहन के रंग का निर्णय करें। यदि सूर्य या मंगल का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर प्रभाव हो, तो लाल रंग का वाहन यदि चंद्रमा एवं शुक्र का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर हो, तो हरे एवं आसमानी रंग का वाहन, यदि गुरु का प्रभाव वाहन से संबंधित भाव एवं भावेश पर हो, तो पीले रंग का वाहन, यदि शनि का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर युति अथवा दृष्टि के द्वारा हो, तो नीले गहरे रंग वाली कार लें। चंद्र एवं शुक्र के प्रभाव के साथ ही अन्य ग्रह का प्रभाव होने पर वाहन का रंग हल्का एवं चमकीला लें।

अंतरदशाओं से ज्वर

ज्वर (बुखार) के कई भेद व उपभेद हैं। यह व्याधि सामान्य होती है, किंतु परिणाम कई बार भयावह हो जाते हैं। सूर्य, चंद्र, बुध व शनि ज्वर के प्रमुख कारक ग्रह हैं। नीच के सूर्य व नीच के ही चंद्रमा की महादशा में या केतु की महादशा में बुध की अंतरदशा अथवा शनि की महादशा में राहु की अंतरदशा में बुखार या ज्वर भयानक रूप ले लेता है।

ज्योतिषीय कारण : गुणाकर, वराहाचार्य, श्रीपति आदि ने माना है कि सूर्य, चंद्र एवं बुधशनि प्रधान रूप से ज्वर के कारक ग्रहों में होते हैं। नीचस्थ सूर्य व नीचस्थ चंद्र की महादशा में अथवा केतु की महादशा में बुध की अंतरदशा या शनि की महादशा में राहु की अंतरदशा हो तो जातक बुखार से जकड़ जाता है।

कौन सा ज्वर : ज्योतिष का मत है कि लग्नेश व षष्ठेश सूर्य युक्त हो तो जातक को ज्वर का भय होता है। षष्ठ व अष्टम में सूर्य हो या अष्टम में चंद्रमा राहु युक्त हो, अष्टमेश चंद्र या राहु या केतु युक्त हो तो तो चौथिया (चार दिन के अंतराल वाला) ज्वर होता है। लग्न में मंगल व अष्टमेश में सूर्य हो तो दाह ज्वर होता है। चंद्रमा शीत कफ ज्वर, बुध पित्त ज्वर व शनि वात ज्वर के कारक ग्रह हैं।

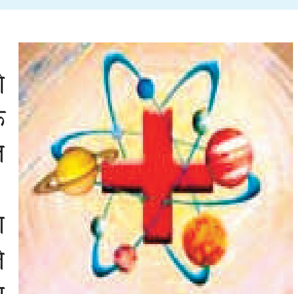

अनुभूत कारण : निरंतर या आए दिन ज्वर से पीड़ित रहने वाले कई जातकों की कुंडलियों में देखा गया है कि जब उनके राहु में बुध की अंतरदशा चली तो वह बुखार, टाइफाइड व अन्य ज्वरों से लगातार परेशान रहा और आर्थिक तथा घरेलू मुश्किलों से त्रस्त हो गया।

ज्योतिषीय उपचार : जातक की कुंडली व दशा-अंतरदशा पर विचार करने के बाद जिस ग्रह के कारण ज्वर हो रहा हो, उस ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान और मंत्र जाप आदि करना चाहिए। जातक स्वयं करे तो बेहतर और यदि किसी कारण से स्वयं नहीं कर सके तो घर का अन्य व्यक्ति उसके नाम से दान व मंत्रों का जाप कर सकता है। ज्वर पीड़ित के कक्ष में निरंतर गुग्गुल की धूप और संबंधित ग्रह की मंत्र ध्वनि लाभकारी होती है।

सुंदर के साथ शुभ भी होते हैं निशान

बाएं पैर की पहली और आखिरी उंगली फड़के तो आपको लाभ होगा। दाएं पैर की उन्हीं उंगलियों का फड़कना अशुभ होता है। पांव की पिंडली शनि और बुध नक्षत्र के अधीन आती है। इसके फड़कने से काम में बाधा आती है और यह शत्रु के पैदा होने का संकेत है। दायां घुटना फड़के तो अशुभ और बायां फड़के तो शुभ होता है।

बायां पांव फड़कना : शुभ होता है। दायां पांव फड़कने से मुसीबतों का अंत होता है। बाईं जांघ के फड़कने से दोस्त से सहायता मिलती है, जबकि दाईं जाँघ फड़कने से शत्रु शांत होते हैं। दाएं हाथ का अंगूठा फड़कने से शुभ समाचार मिलता है, जबकि बायां फड़के तो नुक्सान होता है।

शरीर के तिल या मस्से : उनका संबंध शनि व राहु से माना जाता है। शनि धीरे-धीरे फल प्रदान करता है और राहु अचानक ही शुभ या अशुभ फल दे देता है।

दाएं गाल पर तिल : शुभ होता है। ठुड्डी पर तिल प्यार में कमी का सूचक है।

दाईं आंख पर तिल : खूब प्यार मिलता है। बाईं आंख पर तिल होने से प्यार में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। भौंहों पर तिल होने से घूमने-फिरने के मौके मिलते हैं। बांह पर तिल होना हमेशा शुभ माना जाता है। गाईं बांह पर तिल हो तो अपार धन मिलता है। बाईं तरफ हो तो धन के साथ-साथ पुत्र की प्राप्ति होती है। होंठ पर तिल व्यक्ति के लालची स्वभाव दर्शाता है।

गले पर तिल : ऐसे जातक की धार्मिक कार्यों में अधिक रूचि होती है। कान पर तिल होने से धन मिलता है। गर्दन पर तिल आलस्य की निशानी है। अंगूठे पर तिल उत्तेजना की निशानी है। ऐसा व्यक्ति स्वभाव से तेज मिजाजा का होता है।

डिंपल भी कुछ कहता है...

मुस्कराते या हंसते समय गालों में गड्ढ़े यानी डिंपल पड़ते हैं उन्हें ब्यूटी स्पॉट के तौर पर देखा जाता है। वैसे तो ये गड्ढ़े लड़के और लड़कियों के समान रूप से पड़ते हैं लेकिन लड़कियों के बारे में शास्त्रों और पुराणों के हैरान करने वाले मत हैं। विष्णु पुराण में बताया गया है हंसते वक्त जिन कन्याओं की गालों में गड्ढ़े पड़ते हैं वे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतित करती हैं। पति-पत्नी के संबंधों में लव, केयर और रोमांस हमेशा बना रहता है लेकिन ससुराल से संबंधित एक मामले में डिंपल अशुभ माना जाता है। पुराणों में वर्णित है गालों में गड्ढ़े पड़ने वाली लड़की की

सास स्वर्गवासी होती है और अगर हो भी तो सास-बहू का साथ अधिक दिनों तक नहीं रहता। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शुक्र अर्थात वीनस को स्त्री, विवाह सुख, आभूषण, भौतिक सुख सुविधाओं का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र ग्रह से लव रिलेशनशिप, परफ्यूम, इत्र, अच्छे कपड़े, सुन्दरता, सजावट, नृत्य, संगीत, गाना बजाना, विलासिता, कलात्मक गुण, आदि गुण देखे जाते हैं। लाइफ पार्टनर से सुख कुंडली में शुक्र की स्थिति पर निर्भर करता है। शुक्र का शुभ प्रभाव व्यक्ति को रोमांटिक बनाता है। ज्योतिषशास्त्री कहते हैं कि जन्म से ही गालों में गड्ढे होने से शुक्र मजबूत स्थिति में होता है।

किस दिन कैसे मोजे पहने...?

शास्त्रों में शनि को सबसे असाधारण ग्रह कहा गया है। जो समय आने पर व्यक्ति को रंक से राजा और राजा से रंक बना देता है। कई ज्योतिषविदों और दर्शन शास्त्रीयों ने शनि को क्रूर, पापी निर्दयी ग्रह कहकर संबोधित किया है लेकिन शिव भक्त शनिदेव भगवान शंकर द्वारा निहित जगत के न्यायाधीश हैं जो व्यक्ति को उसके कर्म अनुसार फल देते हैं। शास्त्रों ने शनि की कृपा प्राप्त करने के लिए कुछ सरल और आसान उपाय बताएं हैं जिसके पीछे बहुत गहन अध्ययन और वैज्ञानिक कारण भी हैं। कुछ विशेष उपाय अपनाकर शनि कृपा पाई जा सकती है

- शनिवार को पांव में काले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव सातवें भाव में आ जाता है।
- बुधवार के दिन नीले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव भाग्य को प्रबल कर देता है।
- मंगलवार के दिन सफेद मोजे शनि के प्रभाव में तेजी लाते हैं और कारोबार में बढ़ौतरी होती है।
- रविवार को खाकी मोजे पहनने से व्यक्ति को अकस्मात अर्थिक लाभ मिलता है।
- सोमवार को लाल मोजे पहनने से शनि व्यक्ति को आत्मशांति प्रदान करते हैं।
- गुरूवार के दिन हरे मोजे पहनने से व्यक्ति चिंताओं से मुक्ति पाता है।
- शुक्रवार को ग्रे रंग के मोजे पहनने से व्यक्ति को दलाली के कामों में सफलता मिलती है।

> अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो वह मिट जाएगा और सच सामने आ जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह झूठ का जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

ईमानदार होना मुश्किल क्यों...?

कई ऐसे सच होते हैं, जिनके दूसरों के सामने आने से हम डरते हैं। कभी-कभी तो खुद भी स्वीकार नहीं करते। ये राज भीतर ही भीतर हमें खाए जाते हैं। हम दोहरी जिंदगी जीते चले जाते हैं। बात छोटी हो या बड़ी, ये छोटे-बड़े झूठ हमें मुक्त नहीं होने देते, हमें डराते हैं, हमें कमजोर बनाए रखते हैं। बहुत से लोग हैं, जो दोहरी जिंदगी जीते हैं और बनावट की चादर ओढ़कर खुद में घुटते रहते हैं। एक कहावत आपने सुनी ही होगी- 'सच छिपता नहीं बनावट के उसूलों से, झूठ बिकता नहीं झूठी दलीलों से', यानी सच पर कितने ही पहरे बिठाए जाएं, वह एक न एक दिन बाहर आ ही जाता है। जीत हालांकि सच की ही होती है, लेकिन किस कीमत पर? किसी बात को अपने भीतर छिपाने की शर्म बीमारी, डिप्रेशन, चिंता, गुस्सा या किसी और दर्दनाक तरीके से अभिव्यक्त होती है। किसी भयानक राज को खुद तक सीमित रखना भी खुद को सजा देना जैसा है। अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, आधा सच ही बयां कर रहे हैं, तो यह जिंदगी को खुशमिजाजी और जिंदादिली से जीने में कहीं न कहीं जरूर रुकावट डालेगा। आखिर ईमानदार होना इतना मुश्किल कैसे हो जाता है, जबकि हम सभी सच की अहमियत से वाकिफ हैं। हम सभी बचपन से सच बोलने के आदर्श पाठ सुनते आए हैं, लेकिन फिर भी हम झूठ बोलते ही रहते हैं।

बड़ों की राह पर बच्चे भी

बच्चे मन के सच्चे होते हैं, हमें भले ही लगे कि हम उन्हें धोखा दे रहे हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। वे हमारे झूठ पहचान लेते हैं और किसी मुश्किल में पड़ने पर वे भी इसी आसान राह पर चलने का प्रयास करते हैं। बच्चे निश्छल होते हैं, इसलिए झूठ बोलते समय सकुचाते भी हैं। पर बड़े माहिर हो जाते हैं। झूठ की बुनियाद पर बहुत से लोग बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर देते हैं और सच उनके डर व अहंकार के नीचे कहीं दब सा जाता है।

ऐसे मिलेगा सुकून

हम क्या हैं, यह साफगोई से बता देने में भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी होती हैं। कड़वे सच न पचा पाने वाले अक्सर ऐसे लोगों को नकारते हैं, उनका विरोध करते हैं और कई बार उनकी जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। लेकिन इन मुश्किलों के बावजूद सच छिपाना इंसान के लिए कहीं ज्यादा मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी ऐसी स्थिति भी आती है कि झूठ का बोझ उठाकर लोग इतना उकता चुके होते हैं कि वे हर कीमत पर सच बयां कर देना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में लगता है कि सिर्फ सच बयां करके ही सुकून मिलता है। पर आप सच के साथ खड़े हों, भले ही इसके कारण आपको शर्मिंदगी महसूस हो, आपकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाए या फिर आपको इसकी सजा मिले। ऐसा इसलिए, क्योंकि सच बोलने के साथ दिल का बोझ खत्म होने से आपका दुःख भी बहुत हद तक हल्का हो जाता है। आप तकलीफ सहने के लिए खुद को सक्षम बनाने लगते हैं।

कर लें खुद को तैयार

अगर आप महीनों से या सालों से किसी राज को खुद में दफन कर जी रहे हैं, तो आप सच को किस तरह स्वीकार करेंगे और उसे अपनी जिंदगी में पनाह देंगे? यह बहुत कुछ आपके राज या झूठ की गहराई पर निर्भर करता है। लंबे वक्त तक किसी झूठ को जीना जैसे कि किसी का सामान चुराना या किसी को धोखा देना जैसी चीजों को स्वीकार करने के लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करने की जरूरत होती है। झूठ चाहे छोटा हो या बड़ा, उससे अपनी शख्सियत को पूरी तरह मुक्त कर लेने पर ही आजादी और सुकून मिलता है।

जल्द स्वीकार करें

अगर आपने झूठ बोला है तो जल्द से जल्द उसे स्वीकार कर लें और उसके लिए माफी मांग लें। सच की बुनियाद आपके अंदर साहस पैदा कर आपको अंदर से मजबूत बना देगी। अगर आपको लगता है कि आपके सच बोल देने से किसी इंसान की जिंदगी बर्बाद हो सकती है तो आप किसी सलाहकार की मदद लें कि आपको सच बताना चाहिए अथवा नहीं। अगर हकीकत किसी को जिंदगी भर के लिए दर्द दे सकती है तो उसे उस व्यक्ति को जाहिर न करना ही उचित है, लेकिन स्वयं आपके लिए किसी सलाहकर से यह सच बांटना बेहद जरूरी है।

खुद को तलाशें

अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं तो उचित यह होगा कि आप खुद को तलाशें और खुलकर अपनी असल शख्सियत दूसरों के सामने जाहिर करें। आप खुद से सवाल करें कि आपको क्या अच्छा लगता है और क्या अच्छा नहीं लगता, क्या सच लगता है और क्या झूठ, किस चीज से आपको खुशी और ऊर्जा मिलती है और किस चीज से आप दूर रहना चाहते हैं। इससे आपकी तमाम दुविधाएं दूर हो जाएंगी। यह भी सच है कि कृत्रिम, भौतिकवादी और अहंकार को तुष्ट करने वाले जीवन से कभी संतोष नहीं मिल सकता।

तो होंगे गंभीर परिणाम

अगर आप झूठ बोलकर किसी का फायदा उठा रहे हैं तो झूठ बोलने की तरह इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं और आपका आत्मसम्मान दांव पर लग सकता है। झूठ के दलदल में फंस जाने के बावजूद सच के उजाले को खुद तक पहुंचने दीजिए, यह किसी ठंडी छांव की तरह आपको तरावट दे जाएगा। जिंदगी में कभी ऐसे मौके भी आते हैं, जब झूठ का सहारा लेना जरूरी हो जाता है। अगर झूठ बोलने से किसी की जिंदगी बचाई जा सके, किसी को हताशा के अंधकार में डूबने से बचाया जा सके, नाउम्मीद हो चुके इंसान के अंदर जीने की ललक जगाई जा सके, तो ऐसा झूठ बोलना बुरा नहीं है।

मजबूत लोग

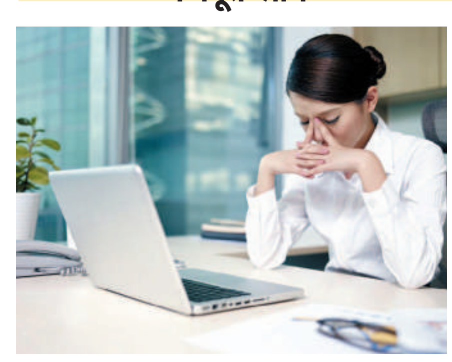

चोट अगर हाथ में लगी है तो घाव भी हाथ का ही साफ करना होगा, पैर का नहीं। गड़बड़ी यदि भीतर की है तो दुनिया को चुप कराने से क्या हासिल होगा। मान-अपमान जब अपने मन में है तो समाधान भी वहीं ढूंढ़ना होगा। - कई बार मजबूत बनना ही जिंदगी को आगे बढ़ाने का एकमात्र विकल्प होता है। हर दिन जीवन को साधने का संघर्ष करना ही पड़ता है। ऐसे में मजबूत अपने दर्द व आंसुओं को छुपाने वाले नहीं, उन्हें गले लगाने वाले होते हैं। जो दर्द महसूस करते हैं, उसे समझते हैं और उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं। किसी ने कहा है कि अक्सर सुबह मजबूत दिख रहे लोग वे होते हैं, जिनकी रात रोते हुए बीती होती है।

घाटे के सौदे

कई लोग छोटी बातों पर शोर मचाने लगते हैं और बड़ी बातों पर चुप रह जाते हैं। छोटे से लाभ के फेर में अक्सर घाटे के सौदे कर लेते हैं। चंद जरूरतें, स्वार्थ और डर के पिंजरे में खुद को कैद रख हर रोज कई खुशियों की तिलांजलि दे रहे होते हैं। जर्मन मूल के अमेरिकी उपन्यासकार चार्ल्स ब्यूकोस्की कहते हैं कि बड़े अजीब हैं हम। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा होते रहते हैं।

झूठ के लिए करना पड़ती है मेहनत...

झूठ एक विशेष योग्यता है। अगर आपको झूठ का जाल बुनना है, तो आपको बहुत कुछ करना पड़ता है। सत्य वह है, जिसे कोई निपट मूर्ख भी कर सकता है, क्योंकि इसमें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होती। सत्य को बनाए रखने की जरूरत नहीं होती, जबकि असत्य की काफी देखभाल करनी पड़ती है। इसके लिए आपके पास काबिलियत होनी ही चाहिए। असत्य की जड़ क्या है? कहां से वो सारी चीजें शुरू होती हैं, जो सत्य नहीं है? दरअसल, जब सूक्ष्म व अभौतिक, भौतिक के संपर्क में आता है तब असत्य शुरू होता है। सूक्ष्म- जो भौतिक नहीं है, कुछ समय तक भौतिक के संपर्क मे रहने के बाद यह मानने लगता है कि यह भौतिक ही है। इस दुनिया में रहने वाला कोई भी आध्यात्मिक इंसान कुछ समय के बाद यह सोचने लगता है कि वह एक सांसारिक प्राणी है, जो आध्यात्मिक होने की कोशिश कर रहा है। सच तो यह है कि आप आध्यात्मिक होने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि आप आध्यात्मिक ही हैं। समय के साथ-साथ आपने सांसारिक वस्तुओं को इकट्ठा कर लिया और अब आपको लगता है कि आप सांसारिक हैं। यह एक झूठ है। आप आध्यात्मिक ही हैं। आप कुछ और नहीं हो सकते।

पहचान बना लेना

अगर कुल मिलाकर देखें तो समस्या पहचान बनाने की है। आप किसी चीज के साथ अपनी पहचान बना लेते हैं और दिमाग का स्वभाव कुछ ऐसा है कि इसे आप जो भी पहचान देंगे, यह भरोसा करने लगता है कि यह वही है। अगर आप खुद को मोर मान लेंगे तो आप उसी की तरह व्यवहार करने लगेंगे। आपका दिमाग आपको यह भरोसा दिला देगा कि आप वही हैं। एक बार अगर पहचान बन गई तो असुरक्षा की भावना आ जाएगी, क्योंकि झूठ की हमेशा रक्षा करनी पड़ती है और उसका पोषण भी करना पड़ता है। अगर आप किसी से झूठ बोलते हैं तो आपको हर पल उस झूठ को याद रखना पड़ता है, क्योंकि अगर आपसे किसी ने अचानक कुछ पूछ लिया तो आप कहीं कुछ और न बता बैठें।

याद रखना पड़ता है झूठ

अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो यह मिट जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

जितना जूझेंगे उतना उलझेंगे

झूठ से आप कैसे जूझेंगे? आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। जैसे ही आप अपनी पहचान बना लेते हैं, आपका दिमाग उसके इर्द-गिर्द काम करने लगता है और असत्य का एक जाल बुन लेता है, ऐसी चीजों का जाल जिनका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं, बल्कि यों कहें कि जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। अगर कल सुबह आप कहें क्या आपने लाल मोर देखा? देखा आपने लाल मोर? आप इस बात को बार-बार कहिए और फिर देखिए लोग लाल मोर देखना शुरू कर देंगे। दिमाग का स्वभाव ही ऐसा है कि आप इससे कुछ भी मनवा सकते हैं। यह दिमाग की खूबसूरती भी है और यही इसका खतरा भी। यह खुद अपनी एक दुनिया रच लेता है। अगर यह काम सचेतन होकर किया जाए तो यह दुनिया बड़ी खूबसूरत होगी और अगर आप इसके जाल में फंस गए तो यह बहुत भद्दी होगी।

पानी के चौकाने वाले तथ्य...

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरूकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले खतरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अतः प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गंवाएं यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवश्यक है।

पानी की बर्बादी

मुंबई में रोज वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।

कितना पानी काम का

हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वां हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वां हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ-सफाई में खर्च करते हैं।

भारत और इजराइल

इजराइल में औसतन मात्र 10 सेंटीमीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।

पानी के लिए हत्याएं

पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं। भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है। पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

कितना पानी खर्च

यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पांच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बर्बाद होता है। बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है। विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।

नदियों में प्रदूषण

प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। नदियां पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहां एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं वहीं कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।

कितना पानी चाहिए

पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए। 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है। एक किलो गेहूं उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

आलस्य से निपटना जरूरी...

आलस्य क्या है, असलियत में थकने से पहले थक जाना, कुछ नया करने से बचना, अनावश्यक रूप से धैर्यवान होना या फिर चीजों को टालते रहने की एक प्रवृत्ति। वैसे आलस कुछ और नहीं खुद से अनजान होना भी है और अगर आप अपने जरूरी काम आसानी से पूरे कर लेते हैं, तो आलस जिंदगी को सुकून से जीना और अपने हर काम को आनंद से करना भी है।

आलस दो तरह का होता है। पहला, आप पहले मेहनत करके अपना काम पूरा करते हैं और फिर कुछ समय बिना कुछ किए आलस में बिताना चाहते हैं। दूसरा, जहां जब कुछ करने के लिए कोई प्रेरणा ही नहीं होती। आप कुछ न कर पाने के कारण बेचैन तो रहते हैं, पर वह जोश नहीं होता जो काम तक ले जाए। आप जानते ही नहीं कि क्या करना चाहते हैं? इस हाल में लंबे समय तक हमारा कुछ न करना, कामों को टालना, रोजमर्रा के कामों को मजबूरी मानते हुए करना और कुछ नहीं धीरे-धीरे पल रही निराशा का संकेत है। इससे आप अपना समय कम मेहनत वाली और उबाऊ चीजों में बिताने लगते हैं। इस आलस्य से निपटना बेहद जरूरी है।

विशेषता, चुनाव या बहाना?

मनोविज्ञान के अनुसार, व्यक्तित्व केवल गुण और दोष से मिलकर नहीं बनता। हमारी जरूरत, काम, मकसद और मंजिल भी इससे जुड़े होते हैं। जो है, केवल वह नहीं, जो कर रहे हैं वह भी व्यक्तित्व है। ऐसे में यह सोचना होता है कि आलस, विशेषता है, चुनाव है या फिर बहाना। साइकोएनालिटिक साइकोथेरेपिस्ट कहते हैं कि आलस की जरूरत से ज्यादा आलोचना की जाती है। आलसी का ठप्पा लगा देने से इस बात को समझने में कतई मदद नहीं मिलती कि कोई व्यक्ति क्यों वह काम नहीं कर रहा, जो वह करना चाहता है या उसे करना चाहिए।

कई तरह के छिपे डर

साइकोथेरेपिस्ट आलस के पीछे कई तरह के छिपे डर भी बताते हैं। कुछ न करना, असफल व सफल होने का डर, दूसरों की अपेक्षाएं, असंतुष्टि, प्रेरणा की कमी व बहस बाजी से बचने की कोशिश में ओढ़ा गया लबादा भी होता है। इस तरह आलस को समस्या मानने की जगह उसे अन्य समस्याओं के लक्षण के तौर पर समझना चाहिए। यह इस ओर भी इशारा करता है कि आप सोचते हैं कि स्थितियों को बदला नहीं जा सकता।

वजह को ढूंढना जरूरी

यह सच है कि आलस की वजह को न ढूंढना और लंबे समय तक जरूरी कामों से बचते रहना करियर, रिश्तों और जिंदगी के रस को कम कर सकता है। एक समय के बाद लगातार काम करते रहने से बचना खुशी से ज्यादा दर्द देने लगता है। धीरे-धीरे बचे हुए कामों का ढेर आपको अपने बारे में, अपने कामों और रिश्तों बारे में खराब महसूस कराने लगता है।

संपादकीय

हास्य पर बंदिश

आज सूचना क्रांति और सोशल मीडिया के दौर में पूरी दुनिया में गहरे तंज करती डिजिटल सामग्री का उफान है। जो दुनिया की भौगोलिक सीमाओं और सत्ता के शिकंजे से मुक्त होकर स्वतंत्र प्रवाह लिए हुए है। लेकिन इसके बावजूद देश में स्टैंडिंग कॉमेडियनों और व्यंग्यकारों के लिए राजनेताओं पर व्यंग्य करना तलवार की धार पर चलने जैसा बना हुआ है। 'नाक पर मक्खी न बैठने देने' वाले सत्तारूढ़ राजनेता कॉमेडियनों पर शिकंजा कसने को तैयार बैठे होते हैं। इसी कड़ी में हैदराबाद के कॉमेडियन शरत उदय के बेंगलुरु स्थित स्टैंड-अप शो में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी के समर्थकों के एक समूह ने मंच पर आकर जो उत्पात मचाया, निस्संदेह वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह, यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा। सही मायनों में यह घटनाक्रम हास्य-व्यंग्यपूर्ण असहमति के प्रति बढ़ती असहनशीलता का एक और उदाहरण है। गाहे-बगाहे विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा ऐसी अलोकतांत्रिक प्रतिक्रियाएं सामने आती ही रहती हैं। जबकि हकीकत यह है कि हास्य का संसार बड़े लोगों की सहिष्णुता व उदारता से ही फलता -फूलता है। खासकर उस भारतीय समाज में जहां अकसर कबीरदास की यह उक्ति दोहरायी जाती है – 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय। बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' उनका कहना था कि आलोचक हमारी कमियां बताकर हमारे स्वभाव को शुद्ध और निर्मल बना देते हैं। सही मायनों में व्यंग्य व हास्य इंसान की सहज अभिव्यक्ति के तौर पर लिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यदि हमारे राजनेता व बड़े लोग व्यंग्य या आलोचना को सहजता से लेते हैं तो इससे समाज में हास्य-विनोद भरपूर फलता-फूलता है। विशेष रूप से राजनीतिक व्यंग्य भारत में लंबे समय तक सत्ता को आईना दिखाता रहा है। पंडित नेहरु जैसे नेता कार्टूनिस्टों की तल्ख अभिव्यक्ति को सहजता से लेते थे और व्यंग्यकारों का सम्मान करते थे। धीर-गंभीर राजनेता आलोचना को जनता की नसीहत मानते रहे हैं। कालांतर राजनेताओं की इस सोच में पराभव देखा गया है। विडंबना ही है कि वर्ष 2024 में नायडू व लोकेश पर किए गए व्यंग्य के लिये उदय को फिर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को मजबूर किया गया। यह अशोभनीय प्रयास यही दर्शाता है कि वर्ग विशेष में असहमति को राजनीतिक उद्देश्यों के लिये हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उदय प्रकरण भी इसी दुखद स्थिति के सिलसिले का हिस्सा है। हाल ही में कॉमेडियन अनुदीप कटिकाला और रफीक मोहम्मद को आंध्र प्रदेश पुलिस ने उन वीडियो के सिलसिले में गिरफ्तार किया था, जिसमें उन्होंने उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण पर व्यंग्य किया था। बीते साल मार्च में, शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मुंबई के एक होटल में तब तोड़फोड़ की थी, जब महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पक्षद्रोही कहा था। निर्विवाद रूप से यदि व्यंग्य-विनोद पर पाबंदी लगायी जाती है और कलाकारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति को बाधित किया जाता है तो इसका प्रभाव सिर्फ एक शो को ही बाधित नहीं करता। बल्कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल सिद्धांत पर ही चोट करता है। सही मायनों में यह दिक्कत कॉमेडी करने वालों से नहीं है, बल्कि राजनेताओं के असुरक्षाबोध में है, जो उन पर लोगों का हंसना बर्दाश्त नहीं कर पाते। ऐसे में राजनेताओं का नैतिक दायित्व है कि वे लोकतंत्र में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के मर्म को समझें। इसके लिये वे अपने अति-उत्साही समर्थकों पर लगाम लगाएं। लेकिन विडंबना यह भी है कि पुलिस भी सत्ता की राजनीति के आगे नतमस्तक नजर आती है। कायदे से उसे भारतीय संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा करनी चाहिए। यदि पुलिस दायित्वों का ईमानदारी से पालन करती तो उदय जैसे कलाकारों को माफी न मांगनी पड़ती।

जो दुनिया की भौगोलिक सीमाओं और सत्ता के शिकंजे से मुक्त होकर स्वतंत्र प्रवाह लिए हुए है। लेकिन इसके बावजूद देश में स्टैंडिंग कॉमेडियनों और व्यंग्यकारों के लिए राजनेताओं पर व्यंग्य करना तलवार की धार पर चलने जैसा बना हुआ है। 'नाक पर मक्खी न बैठने देने' वाले सत्तारूढ़ राजनेता कॉमेडियनों पर शिकंजा कसने को तैयार बैठे होते हैं। इसी कड़ी में हैदराबाद के कॉमेडियन शरत उदय के बेंगलुरु स्थित स्टैंड-अप शो में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी के समर्थकों के एक समूह ने मंच पर आकर जो उत्पात मचाया, निस्संदेह वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह, यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा।

युद्ध की आशंकाओं के बीच आशा का सेतु:

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं। इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों में नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक 'ट्रिगर पॉइंट' के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि

सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा। इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दर्शाता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। यह समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संकेत देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मुक्त व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रतीत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआयामी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली और नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। ये समझौते केवल आर्थिक समृद्धि के साधन नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार करने वाले उपकरण भी हैं। स्पष्ट है कि आने वाला समय भारत के लिए अवसरों से भरा हुआ है, जहां यह देश न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से भी विश्व में अपनी अग्रणी उपस्थिति दर्ज कराएगा। निश्चिततौर पर यह समझौता केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और वैश्विक सहयोग का समन्वय है। युद्ध और तनाव के इस दौर में यह समझौता एक संदेश देता है कि शांति, साझेदारी और परस्पर विश्वास ही वह आधार हैं, जिन पर भविष्य की समृद्ध दुनिया का निर्माण संभव है। भारत के लिए यह समझौता न केवल आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार और दूरदर्शी वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित भी करता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

देश दुनिया से

आधुनिकता की आत्मघाती मादकता

जैसे किसी मादक पदार्थ या मदिरा में डूबे हुए व्यक्ति को उसके शुभचिंतकों द्वारा मादकता त्याग के लिए लाख समझाए जाने के बाद भी, व्यक्ति हठ नहीं छोड़ता तथा मादकता में अधिक डूबता जाता है, और अंततः अति मादकता से ग्रस्त हो या तो असमय मृत्यु का ग्रास बनता है अथवा जीवनभर निष्क्रिय विकलांग की भांति पड़ा रहता है, ठीक वैसे ही आधुनिकता की आत्मघाती मादकता में गहरे डूबे हुए सामान्य व विशिष्ट लोगों को ऋतु विकृतियों, जलवायु असंतुलन के कारण उत्पन्न अति शीत, अति ग्रीष्म एवं असामान्य तीव्र वायु संचार की प्राकृतिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने हेतु बारंबार बताए जाने के बाद भी, वे आधुनिकता की आत्मघाती मादकताओं में अधिक से अधिक डूब रहे हैं। मानव बनना भूल रहे हैं। स्वयं की सामाजिक सहभागिता से पृथक हैं। वृक्ष-वनस्पतियों के प्रति ध्यानहीन हैं। ऋतुओं की प्रतिकूलता से अनभिज्ञ हैं। प्रकृति की दैनिक सामान्य गतिविधियों में उत्पन्न असहनीय जीवन-मारक परिवर्तनों से अपरिचित हैं। जब ऐसे अधिसंख्य लोग वृक्षों व वनों के प्रति दयालु बनेंगे, तब ही तो प्रकृति के कल्याण कर्म हो सकते हैं। जब मनुष्यों में प्राकृतिक संवेदना एवं स्पंदन होगा, तब ही तो पंचतत्त्वों की मौलिकता पुनर्स्थापित हो सकेगी। गहन दुःख है कि ऐसा नहीं हो रहा है। मनुष्य स्वयं की काया व मन के प्रथम प्रतिनिधि धरती, जल, आकाश, वायु तथा अग्नि के प्रति ही सर्वाधिक उदासीन बने हुए हैं। इनकी तुलना में उसे मशीनें अधिक प्रिय हैं। वह प्रत्येक चल-अचल मशीन को अपने पास रखना चाहता है। इस संग्रह-लालच के कारण वह संतोष प्राप्त करना चाहता है। किंतु वह असफल है। संतोष के लिए उसने अपने चहुंओर भौतिक विलासिताओं, वस्तुओं एवं सुविधाओं का ढेर लगा दिया है, किंतु तब भी वह असंतुष्ट है। इस किंकत्र्तव्यविमूढ़ता में वह कभी विज्ञान की कथनी-करनी के वेग में बह रहा है तो कभी धर्म के पाखंड कर रहा है। ईश्वर की भक्ति की आड़ में कालांतर से निहित स्वार्थों की पूर्ति हेतु पनपे अनावश्यक कर्मकांडों में लिप्त है। दोनों प्रकार के उपाय कर लेने के बाद भी वह व्यथित-दुःखित है। उसे आत्मशांति नहीं है। वास्तव में मनुष्य का ध्यान अपनी काया-मन के पंच आधारों की प्राणघाती विकृतियों के निदान की ओर होना चाहिए। उसकी दृष्टि उन कारकों की पहचान करने में अक्षम है, जो असंतुलित प्रकृति के कारण उसकी सभी कठिनाइयों के वास्तविक दोषी हैं। यहां-वहां, जहां-जिधर देखो पैदल मार्गों पर कठोर, शुष्क सीमेंट बिछा हुआ है, जो जलवायु के विषैले परिवर्तनों द्वारा निरंतर कठोर व शुष्क हो रहा है। पैरों के नीचे गीली मिट्टी, हरी घास व दूब नहीं है। आंखों के लिए हरियाली कम हो रही है। जीवन के स्वरूप में विद्यमान मनुष्य काया निरंतर प्रकार-प्रकार के असाध्य रोगों से घिर रही है। काया ही नहीं, मन भी रोगी है। वृक्षों, वनस्पतियों, वनों, हरियाली द्वारा अनुकूल बना रहने वाला पर्यावरण अब शुष्कता, कठोरता व ऋतुगत दरिद्रता की परिधि में है। ऋतुओं की अव्यवस्था का प्रदर्शन यह है कि आधुनिक दिन, घटी, घड़ी, करण, वार, नक्षत्र, तिथि गणना के अनुसार यदि वैशाख का उत्तराद्र्ध विद्यमान है, तो ऋतु का वास्तविक अनुभव ज्येष्ठ माह की तापयुक्त ग्रीष्म जैसा हो रहा है। यह असंतुलनगामी परिवर्तन भी अपनी विकृति के साथ स्थायी नहीं है। क्योंकि इस वैशाख के अंतिम सप्ताह से पूर्व का सप्ताह जहां ग्रीष्म ताप की कठोरता, लू तथा ग्रीष्मयुक्त तीव्र वायु प्रसारण से ग्रस्त रहा, वहीं अंतिम सप्ताह के आरंभिक दिवसों में ताप, लू व वायु प्रसार में कमी हुई है। त्वरित असंतुलन, अस्थायित्व एवं विकृतियों की स्थिति में मनुष्य काया में निहित पंचतत्त्व प्रकृति के अनुसार अपनी स्थिति परिवर्तित करने में असमर्थ हैं। इससे अज्ञात रोगों की उत्पत्ति हो रही है। आधुनिक जीवन में साधारण से भी अति साधारण जीवन व्यतीत कर रहे व्यक्ति ऐसे प्राकृतिक परिवर्तन तथा परिवर्तन के कारण उत्पन्न रोगों का निदान करने में पूर्णतः असमर्थ हैं। ऐसे अरबों लोगों में प्राकृतिक विकृतिजन्य परिवर्तन सहने की शक्ति अकस्मात कहां से आएगी। धरती तथा व्योम के मध्य परिव्याप्त प्राकृतिक पारिस्थितिकी क्षण-क्षण परिवर्तनगामी है। यह पर्यावरणचक्र कृषि पर तो वज्राघात कर ही रहा है, साथ ही मनुष्य की जीवनशक्ति भी समाप्त कर रहा है। जब से ऐसा हो रहा है तब से धरती, आकाश, जल, वायु पर एक विकृत आवरण चढ़ा रहता है। कोई भी तत्त्व अपने नैसर्गिक, प्राकृतिक एवं मौलिक स्वरूप में नहीं है। परिणामस्वरूप, मानव भी अपने तन-मन के साथ एक बिगड़ा हुआ यंत्र बन चुका है। मानवीयता के जितने भी गुण उसके लिए निर्धारित थे, सभी विलोपित हैं। ऐसे में जीवन के प्रति आशा कैसे बनी रहे ! इस परिस्थिति में जीवित होने का अभिप्राय क्या है? ऐसे में संवेदनशील मनुष्यों के लिए भविष्य की क्या योजनाएं होनी चाहिए? इस आधुनिक कारा में घुटन के साथ बंद आशावान मनुष्य क्या करें? ऋतु अस्थिरता, अव्यवस्था एवं दुर्दशा का समाधान क्या होना चाहिए? इन प्रश्नों ने व्यग्र कर दिया है। ऐसे में स्मृति में वनस्पतिरोपण, पौधारोपण एवं बीजारोपण उभरता है। एक निरंतर चलने वाले विशाल जनाभियान के माध्यम से देश के प्रत्येक छोटे व बड़े, सभी मोटर मार्गों, राजमार्गों तथा पैदल पथों पर प्राकृतिक शुद्ध वायु प्रदान करने वाले वृक्षों की पौध लगाई जाए। जितनी देश की जनसंख्या है, उसकी आधी संख्या के बराबर पौध लगाई जाए। इस अभियान को शासकीय, नागरिक तथा मानवीय कत्र्तव्य समझकर निरंतर किया जाए। कम से कम बीस वर्षों की एक अवधि निश्चित कर जीवनानुकूल विभिन्न वृक्ष प्रजातियों की पौध लगाई जाए। इनमें पीपल, आम, शीशम, वट, नीम, जामुन, कंदमूल इत्यादि वृक्ष प्रजातियों के पौध सम्मिलित हों। अन्य उपयोगी वृक्षों एवं पुष्पलताओं की प्रजातियों का बीजारोपण किया जाए। यदि आज देशभर में इन वृक्ष व पुष्प प्रजातियों की साठ-पैंसठ करोड़ पौध लगाई जाए, उनकी आगामी बीस वर्षों तक शिशुओं की भांति देखभाल की जाए और उन्हें किसी भांति परिश्रमपूर्वक विशाल वृक्षों में परिणत कर दिया जाए तो निश्चित है कि जलवायु अनुकूलन की दिशा में आश्चर्यचकित करने वाली सफलता प्राप्त होगी। यदि गांव-गांव, गली-गली, मोहल्लों, चौक-चौराहों तथा नगरों-महानगरों में पौधारोपण का ऐसा अभियान एक राष्ट्रीय कत्र्तव्य बनकर उभरता है तथा पौधों की देखभाल व सेवा-सुश्रुषा करने वालों को विशेष प्रोत्साहन प्राप्त होता है तो भावी पीढ़ी के लिए आगामी वर्ष अपेक्षित जलवायु संतुलन के साथ उपस्थित होंगे। प्राकृतिक असंतुलन को केवल और केवल हरित आवरण ही नियंत्रित कर सकता है। अतः इस प्रस्तावित वनस्पति यज्ञ में समाज के प्रत्येक वर्ग की आहुति अनिवार्य है। विद्यालयों में बच्चों को एक छात्र, एक वृक्ष का संकल्प दिलाया जाना चाहिए। विवाह, जन्मोत्सव या किसी भी मांगलिक अवसर पर उपहारों के स्थान पर पौधों का आदान-प्रदान एक सामाजिक संस्कार बनना चाहिए। भारत की भौगोलिक विविधता के अनुसार क्षेत्र-विशिष्ट प्रजातियों का चयन करके उनका रोपण करना होगा।

आप का नज़रिया

लद्दाख में नई पहल

जम्मू कश्मीर से अलग होकर नया केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में जनाकांक्षाओं का जो उफान उठा है, केंद्र सरकार उसकी पूर्ति की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। बीते साल राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर स्थानीय संगठन आंदोलित नजर आए थे। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के क्षेत्र के दौरे से पूर्व लद्दाख को पांच नये जिले मिले हैं। लेह और कारगिल के बाद- दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू-भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बर्फीले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं। दरअसल, लद्दाख की चुनौतियां महज नौकरशाही तक ही सीमित नहीं कही जा सकती हैं। सही मायनों में ये राजनीतिक, आर्थिक व पर्यावरणीय भी हैं। वे जनाकांक्षाएं भी इसमें शामिल हैं जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद ऊंचे स्तर पर रही हैं। यहां उल्लेखनीय है कि लेह की अस्मिता की रक्षा के लिये आंदोलन चलाने वाले संगठन, मसलन कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन समेत कई स्थानीय समूह, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने और लेह-लद्दाख की संस्कृति की रक्षा के लिये इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। दरअसल, वे इसके लिये संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आग्रह करते हैं। इस सप्ताह के अंत तक लद्दाख में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान स्थानीय संगठन निर्णय स्तर की वार्ता की मांग कर रहे हैं। वे विगत में हुई विभिन्न बैठकों को क्षेत्र के लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान के लिये अपर्याप्त बताते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पर्यावरणविद् व शिक्षाविद् सोनम वांगचुक, जिन्हें गत माह केंद्र सरकार ने लगभग छह माह की हिरासत के बाद रिहा किया था, ने भी शाह की यात्रा के दौरान एक रचनात्मक संवाद की जरूरत पर बल दिया है। वैसे राजग के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार गाहे-बगाहे लद्दाख के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती रही है। हालांकि, एक तथ्य यह भी है कि अभी तक लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर उसका दृष्टिकोण स्पष्ट नहीं है। बहरहाल, क्षेत्र में पर्यटन नियमों में ढील और रोजगार के अवसरों को विस्तार देना जैसे सुधार, लद्दाख की आर्थिकी को गति देने का सार्थक प्रयास जरूर कहा जा सकता है। यह भी एक हकीकत है कि नवीनतम प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर जो आशावाद है, वह तभी सार्थक साबित होगा, जब इससे समावेशी विकास, बेहतर शासन और उचित राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित हो पायेगी। वहीं दूसरी ओर सरकार को इस व्यापक परिप्रेक्ष्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि लद्दाख चीन सीमा से लगा रणनीतिक महत्व का क्षेत्र है। इसीलिए यहां शांति बनाये रखना और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना केंद्र सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। हमें सितंबर, 2025 में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन को एक सबक की तरह लेने की जरूरत है।

लेह और कारगिल के बाद- दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू-भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बर्फीले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं।

कुछ अलग

नारी सशक्तिकरण

महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने अनूठी पहल की है। विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर नारी शक्ति वंदन का संकल्प लिया है। इस संकल्प लेने का उद्देश्य है कि विधेयक को कानूनी रूप देते समय जो चूक हो गई थी, उसे संशोधित कर दिया जाए। इसमें प्रावधान है कि 2021 की जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह कानून लागू होगा। किंतु कोरोना के चलते 2021 की जनगणना टालनी पड़ी। अब जनगणना के पहले चरण की शुरुआत हुई है, जिसके अंतिम परिणाम 2028 तक आएंगे। इसलिए केंद्र सरकार विधेयक के पारित हो चुके प्रारूप में संशोधन के लिए प्रस्ताव लाई थी, जो संसद में पारित नहीं हो सका। 2023 में पारित हुए इस विधेयक में संशोधन किए बिना 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। परिसीमन से तात्पर्य निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण से है। वास्तव में संसदीय विपक्ष ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़े संविधान संशोधन परिसीमन और केंद्र शासित क्षेत्र कानून संशोधन विधेयकों को अस्वीकार करके बड़ी भूल की है। इस कारण 2029 के चुनाव में 33 प्रतिशत महिलाएं आरक्षण के लाभ से वंचित रह जाएंगी। नरेंद्र मोदी जब से केंद्रीय सत्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, तभी से लगातार उन्हें चुनावों में नारियों ने बढ़-चढक़र समर्थन दिया है।इसी कारण न केवल मोदी लोकसभा में तीसरी बार बहुमत लाने में सफल रहे बल्कि भाजपा और राजग गठबंधन के सहयोगी दलों को विधानसभाओं में भी विजय दिलाने में सफल हुए हैं।

दृष्टि कोण

परीक्षाओं में नकल : जिम्मेदार कौन, समाधान क्या

हर वर्ष जब वार्षिक परीक्षाओं का समय आता है, तो शिक्षा व्यवस्था की साख दांव पर लग जाती है। परीक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के ज्ञान, परिश्रम और नैतिक मूल्यों का आकलन करने का साधन होती है। किंतु विडंबना यह है कि नकल जैसी कुप्रथा इस पवित्र प्रक्रिया को कलंकित कर रही है। प्रश्न उठता है कि आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन है- विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक, प्रशासन या पूरा समाज? और इससे निजात पाने के उपाय क्या हो सकते हैं? सबसे पहले यदि विद्यार्थियों की बात करें, तो नकल का सीधा आरोप उन्हीं पर लगता है। कई विद्यार्थी कठिन परिश्रम से बचने के लिए शॉर्टकट अपनाते हैं और नकल को आसान रास्ता मान लेते हैं। प्रतिस्पर्धा का दबाव, असफलता का भय और अधिक अंक प्राप्त करने की होड़ उन्हें इस ओर धकेलती है। लेकिन केवल विद्यार्थियों को दोष देना समस्या का पूर्ण समाधान नहीं है। अभिभावकों की भूमिका भी कम जिम्मेदार नहीं है। आज के समय में माता-पिता अपने बच्चों से अवास्तविक अपेक्षाएं रखते हैं। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा हर हाल में अच्छे अंक लाए, भले ही वह किसी भी तरीके से क्यों न हो। कई बार अभिभावक स्वयं भी नकल को नजरअंदाज कर देते हैं या अप्रत्यक्ष रूप से उसे बढ़ावा देते हैं। यह मानसिकता बच्चों के चरित्र निर्माण को कमजोर करती है। शिक्षकों की जिम्मेदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि शिक्षक कक्षा में सही ढंग से पढ़ाई नहीं कराते या विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान नहीं करते, तो विद्यार्थी आत्मविश्वास खो देते हैं और नकल का सहारा लेते हैं। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों में कुछ शिक्षकों की लापरवाही या मिलीभगत भी नकल को बढ़ावा देती है। जब निगरानी कमजोर होती है, तो नकल को रोकना मुश्किल हो जाता है। प्रशासनिक तंत्र की कमियां भी इस समस्या को बढ़ाती हैं। कई स्थानों पर परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त निगरानी नहीं होती, सीसीटीवी कैमरों की कमी रहती है या नियमों का सख्ती से पालन नहीं किया जाता। कभी-कभी राजनीतिक या सामाजिक

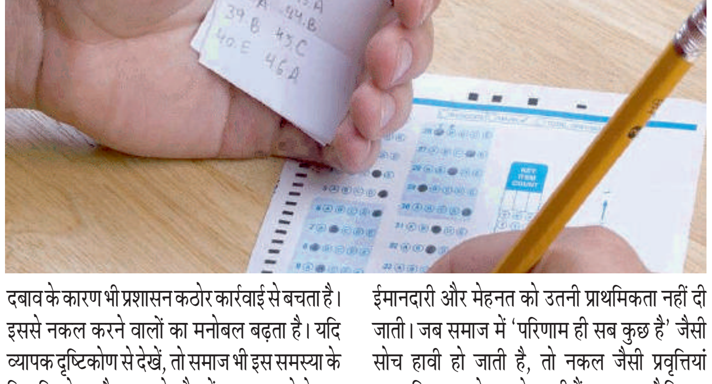

दबाव के कारण भी प्रशासन कठोर कार्रवाई से बचता है। इससे नकल करने वालों का मनोबल बढ़ता है। यदि व्यापक दृष्टिकोण से देखें, तो समाज भी इस समस्या के लिए जिम्मेदार है। आज के दौर में सफलता को केवल अंकों और प्रमाणपत्रों से मापा जाता है। नैतिक मूल्यों, ईमानदारी और मेहनत को उतनी प्राथमिकता नहीं दी जाती। जब समाज में 'परिणाम ही सब कुछ है' जैसी सोच हावी हो जाती है, तो नकल जैसी प्रवृत्तियां स्वाभाविक रूप से पनपने लगती हैं। अब प्रश्न है कि इस समस्या का समाधान क्या है? सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम है- शिक्षा प्रणाली में सुधार। पाठ्यक्रम को ऐसा बनाया जाए जो रटने की बजाय समझ और विश्लेषण पर आधारित हो। यदि परीक्षा का स्वरूप बदलेगा, तो नकल की संभावना भी कम होगी। दूसरा, विद्यार्थियों में नैतिक शिक्षा और मूल्यों का विकास करना आवश्यक है। स्कूलों और कॉलेजों में ईमानदारी, आत्मनिर्भरता और परिश्रम के महत्व पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। जब विद्यार्थी स्वयं समझेंगे कि नकल उनके भविष्य के लिए हानिकारक है, तभी वे इससे दूर रहेंगे। तीसरा, अभिभावकों को अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने की बजाय उनकी क्षमता और रुचि के अनुसार प्रोत्साहित करना चाहिए। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि असफलता भी जीवन का एक हिस्सा है और उससे सीखकर आगे बढऩा ही असली सफलता है। चौथा, शिक्षकों की जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। उन्हें न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देनी चाहिए, बल्कि परीक्षा के दौरान सख्ती से निगरानी भी करनी चाहिए।

एक समय आलोचकों के तानों से परेशान हो गये थे श्रेयस अय्यर, अपने प्रदर्शन से करारा जवाब दिया

मुम्बई

आईपीएल के इस 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रही पंजाब किंग्स के पीछे सबसे बड़ी भूमिका कप्तान श्रेयस अय्यर की रही है। श्रेयस ने स्वयं बेहतर प्रदर्शन और कुशल कप्तानी के जरिये टीम को लगातार जीत दिलायी है। इससे सभी ओर वह छाये हुए हैं। इससे पीछे श्रेयस की कड़ी मेहनत रही है। उन्होंने न केवल अपने खेल को नया आयाम दिया है, बल्कि सबसे छोटे फॉर्मेट में अपने करियर को भी पूरी तरह से बदल डाला है। अय्यर केवल पंजाब किंग्स के लिए एक भरोसेमंद बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक प्रभावी फिनिशर और सफल कप्तान भी बन चुके हैं। वहीं एक समय वह आलोचकों के तानो से परेशान हो गये थे।

इसका जवाब अब इस बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से दिया है। पहले वह बाउंसर गेंदों के खिलाफ वह कमजोर माने जाते थे पर इस बापर श्रेयस ने मुंबई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज के खिलाफ शानदार छक्का जड़कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है।

श्रेयस के अनुसार उन्होंने आलोचकों को गलत साबित करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, मेरे आसपास ऐसे लोग हैं जो कहते हैं कि तुम ये नहीं कर सकते, यह असंभव है। मुझे यह सुनना बिल्कुल पसंद नहीं है। एक क्रिकेटर के तौर पर, जो उच्चतम स्तर पर खेल रहा है, मैं इसे स्वीकार नहीं कर सकता। अय्यर ने आगे बताया, फिर मैंने तय किया कि मुझे उन्हें गलत साबित करना है। यह एक चुनौती बन जाती है। मैं सोचता हूं कि मैं इस स्थिति में था, अब कैसे और मजबूत होकर लौटूं मैं अपने को और ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित करता हूं और जल्द से जल्द वापसी करने की कोशिश करता हूं जिससे उन्हें गलत साबित कर सकूं। यही सोच मुझे आगे बढ़ाती है, खासकर चोट के बाद। जब उन्हें पीठ की चोट लगी थी, तब भी कुछ लोगों ने आशंका जताई थी कि वे पहले जैसे नहीं रह पाएंगे। इस पर अय्यर ने खुद से सवाल किया, क्यों नहीं रह सकता उनका मानना है कि चोट के बाद अपनी सोच को कैसे बदलते हैं, यह बहुत जरुरी है। आप यह तय करते हैं कि किस पर ध्यान देना है और किसे नजरअंदाज करना है।

न्यूज ब्रीफ

रुतुराज के नाम है एक ओवर में सात छक्के का रिकार्ड

मुम्बई। भारत के स्टार बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ के नाम एक एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी के नाम नहीं है। घरेलू क्रिकेट में उनके नाम एक ही ओवर में सात छक्के का एक रिकार्ड है जो कि काफी हैरानी भरा भी है क्योंकि एक ओवर में 6 छक्के लगाना ही अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। ये रिकार्ड युवराज सिंह, हर्शल गिब्स और कीरोन पोलार्ड जैसे दिग्गजों के नाम है। वहीं किसी एक ओवर में सात छक्के लगने की बात काफी असंभव सी नजर आती है। रुतुराज ने ये उपब्धि विजय हजारे ट्राफी 2022 के क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान हासिल की थी। उत्तर प्रदेश के साथ मुकाबले में वह महाराष्ट्र की ओर से बल्लेबाजी कर रहे थे। तब गायकवाड़ ने 49वां ओवर फेंकने आए उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के स्पिनर शिवा सिंह के ओवर की पहली चार गेंदों पर छक्के लगाये। वहीं पांचवी गेंद नो बाल रही जिसपर भी उन्होंने छक्का जड़ दिया। वहीं अगली दो गेंदों पर भी उन्होंने छक्के लगा दिये। इस तरह रुतुराज ने एक ही ओवर में कुल 7 छक्के जड़ दिए और उस ओवर से 43 रन बनाये जो एक नया रिकार्ड है। उस मैच में रुतुराज ने दोहरा शतक लगाया और 59 गेंदों पर नाबाद 220 रन बनाए थे। इस प्रकार रुतुराज ने दिखा दिया कि वह संयम से बल्लेबाजी करने के अलावा आक्रामक खेल भी दिखा सकते हैं।

इंदौर जिला बैडमिंटन संघ का 46वां ग्रीष्मकालीन जूनियर प्रशिक्षण शिविर 8 मई से

इंदौर। इंदौर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 46वें ग्रीष्मकालीन जूनियर बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर नेहरू स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हाल, इंदौर में 08 मई 2026 से 29 मई 2026 तक आयोजित होगा। इंदौर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव आर.पी. सिंह नय्यर ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर प्रतिदिन सुबह और शाम, दो सत्रों में संचालित किया जाएगा। शिविर में प्रशिक्षकों के रूप में सुधांशु व्यास, राज्य स्तरीय खिलाड़ी मनीष त्रिवेदी और पूर्व राज्य विजेता रूबी नय्यर उभरते हुए खिलाड़ियों को बैडमिंटन के गुर सिखाएंगे। इस ग्रीष्मकालीन शिविर में प्रशिक्षणार्थियों को बैडमिंटन के नियमों, शारीरिक व्यायाम (वर्कआउट) और खेल की तकनीकी बारीकियों का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। संघ के सचिव ने यह भी जानकारी दी कि शिविर के समापन पर सभी प्रतिभागियों के लिए एक बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। शिविर में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी और उनके अभिभावक अधिक जानकारी के लिए नेहरू स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हाल में संघ के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

बाबर ने डु प्लेसिस का रिकार्ड तोड़ा, टी20 कप्तान के तौर पर सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

लाहौर। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में आक्रामक

बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस शतक के साथ ही आजम टी20 क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे अधिक नौ शतक लगाने वाले विश्व के पहले खिलाड़ी बन गए है। आजम ने पीएसएल क्वालिफायर में पेशावर जाल्मी की कप्तानी करते हुए इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ 59 गेंद में 12 चौक और चार छक्के लगार 103 रन बनाये। इस शतक के साथ ही आजम ने डु प्लेसिस को पीछे छोड़ दिया। डु प्लेसिस के नाम टी20 कप्तान के तौर पर आठ शतक हैं। डु प्लेसिस ने अपने शतक 216 मैचों में बनाये थे जबकि बाबर ने केवल 154 मैचों में ही इस रिकार्ड को तोड़ दिया। आजम ने इस प्रकार दस मैचों में 84 की औसत और 146.26 के स्ट्राइक रेट से 588 रन बनाकर साबित किया है कि अभी उनकी बल्लेबाजी की चमक गयी नहीं हैं। इससे उनकी पाक टीम में वापसी की उम्मीदें बन रही हैं। पीएसएल में इस सत्र में ही बाबर ने अब तक चार शतक लगाये हैं। इससे पहले उन्होंने साल 2022 और 2023 में एक-एक शतक लगाया था। इसके साथ ही उन्होंने लीग इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में उस्मान खान के रिकार्ड की बराबरी कर ली। उस्मान ने 35 मैचों में ये रन बनाये पर बाबर को इसके लिए 110 मैच खेलने पड़े।

सनराइजर्स के सामने छोटा पड़ा 244 रन का टारगेट मुंबई ने हारा छठा मैच, प्लेऑफ की राह अब मुश्किल

मुंबई: आईपीएल 2026 के 41वें मैच में मुंबई इंडियंस की टीम को सनराइजर्स हैदराबाद ने 6 विकेट से मात दे दी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की टीम ने बोर्ड पर 243 रन का स्कोर लगाया था, जो आईपीएल इतिहास में उनका सबसे बड़ा स्कोर भी था। लेकिन हैदराबाद के बल्लेबाजों ने इस स्कोर को 19वें ओवर में ही चेज कर दिया। यह हैदराबाद की इस सीजन लगातार 5वीं जीत है।

244 भी नहीं बचा पाए मुंबई के गेंदबाज

मुंबई ने भले ही हैदराबाद को 244 रन का टारगेट दिया, लेकिन शुरू से ही मुंबई इंडियंस के गेंदबाज पहले ओवर से लय में नहीं दिखे। अभिषेक शर्मा (45) और ट्रेविस हेड (76) ने मिलकर पावरप्ले में ही 92 रन ठोक डाले। ईशान किशन इसके बाद खाता खोल पाने में नाकामयाब रहे, लेकिन हेनरिक क्लासेन ने नाबाद 65 रन और सलिल अरोड़ा ने नाबाद 30 रन की पारी खेलकर मुंबई की हार तय कर दी। बीच में 21 रन नीतीश कुमार रेड्डी ने भी बनाए। मुंबई के लिए अल्लाह गजनफर ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

रयान रिकेल्टन ने ठोका था शतक

इससे पहले रयान रिकेल्टन के तूफानी शतक की मदद से मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को जीत के लिए 244 रन का विशाल टारगेट दिया। मैच में वानखेड़े स्टेडियम में एमआई के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। विल जैक्स और रयान रिकेल्टन की सलामी जोड़ी ने 43 गेंदों में 93 रन की साझेदारी की। जैक्स 22 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ 46 रन बनाकर आउट हुए।

सूर्या का बल्ला फिर नहीं चला

इसके बाद रिकेल्टन ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने सूर्यकुमार यादव के साथ दूसरे विकेट के लिए 8 गेंदों में 17 रन जुटाए। सूर्या 5 गेंदों में 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनकी इस पारी में 1 चौका शामिल रहा। मुंबई इंडियंस ने 8.3 ओवरों में 110 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद रिकेल्टन ने नमन धीर के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 55 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी। नमन 17 गेंदों में 3 चौकों के साथ 22 रन बनाकर आउट हुए।

मुंबई ने बनाया था सबसे बड़ा स्कोर

यहां से रिकेल्टन ने हार्दिक पंड्या के साथ 27 गेंदों में 56 रन जोड़कर टीम का दोहरा शतक पूरा कराया। कप्तान पंड्या 15 गेंदों में 2 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 31 रन बनाकर आउट हुए। रयान रिकेल्टन 55 गेंदों में 10 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 123 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी की मदद से एमआई ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 243 रन बनाए। विपक्षी खेमे से प्रफुल हिंगे ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन और नितीश रेड्डी ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

टी20 विश्वकप के लिए टीम को एकजुट होकर खेलना होगा : हरमनप्रीत

बेनोनी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। टी20 विश्वकप जुलाई में इंग्लैंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम को यहां जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज में 4-1 से करारी हार का सामना करना पड़ा है उसपर हरमनप्रीत ने नाराजगी जतायी है और कहा है कि अब इस प्रकार की गलती नहीं की जा सकती है।

कप्तान ने साफ कर दिया है कि अब टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। हरमनप्रीत ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय टीम यहां अंतिम मैच में 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और केवल 23 रनों से हार मिली, उस कमजोरियों को हमें दूर करना होगा।

इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक दो महीने पहले मिली इस हार से टीम की कमजोरियां सामने आ गयी हैं। इसी को देखते हुए हरमनप्रीत ने कहा, हमें एक समूह के तौर पर साथ बैठकर सोचना होगा कि आगे कैसे बढ़ना है। यह हमारे लिए निराशाजनक है, लेकिन इसमें हमारे लिए बहुत सी सकारात्मक बातें और सीखने के लायक चीजें भी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम को लगातार कड़ी मेहनत करते रहने की जरूरत है ताकि विश्वकप की अच्छे से तैयारी की जा सके। हरमनप्रीत ने कहा कि पावरप्ले में भी हमारी टीम पर्याप्त रन नहीं बना पायी और इस कमी को भी हमें दूर करना होगा। इसके अलावा टीम को अपनी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी सुधार करना होगा।

सचिन ने भगवान वेंकटेश की प्रतिमा ग्रहण करने से पहले जूते उतारे

मुंबई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने हाल ही में अपनी धार्मिक निष्ठा और विनम्रता का ऐसा परिचय दिया, जिसने करोड़ों प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित एक समारोह के दौरान, जब उन्हें भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की प्रतिमा भेंट की जा रही थी, तो सचिन ने उसे ग्रहण करने से पहले अपने जूते उतार दिए। इसका एक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जहां लोग सचिन के इस सांस्कृतिक सम्मान और श्रद्धा भाव की जमकर सराहना कर रहे हैं। यह मामला 27 अप्रैल को विशाखापत्तनम में प्रतिष्ठित आंध्र यूनिवर्सिटी के 100 वर्ष पूरे होने के भव्य समारोह के दौरान हुआ। इस शताब्दी समारोह में सचिन को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। मंच पर जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सम्मान स्वरूप भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की दिव्य प्रतिमा सचिन को प्रदान करने लगे तो सचिन अपनी कुर्सी से उठे और प्रतिमा को थामने से पहले उन्होंने अपने जूते उतारे। नंगे पैर प्रतिमा को ग्रहण करते हुए और फिर उसके साथ तस्वीरें खिंचवाते हुए सचिन की यह मुद्रा उनकी गहरी आस्था और भारतीय संस्कारों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मोहसिन फिटनेस बनाये रखें तो उनका भारतीय टीम में जगह मिलना तय : इरफान पठान

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहसिन खान की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह इसी प्रकार खेलता रहे तो उसे

भारतीय टीम में जगह मिलना तय है। पठान ने कहा है कि मोहसिन को केवल अपनी फिटनेस बनाये रखनी होगी क्योंकि अधिकतर तेज गेंदबाज चोटों के कारण अपने करियर में पिछड़ जाते हैं। पठान का मानना है कि अगर यह युवा गेंदबाज अपनी फिटनेस बरकरार रख पाता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से कोई इंसानी ताकत नहीं रोक सकती। पठान ने जोर देकर कहा कि मोहसिन में देश का प्रतिनिधित्व करने की पूरी क्षमता है।

मोहसिन ने जिस प्रकार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ केवल चार ओवर में सिर्फ 23 रन देकर पांच विकेट हासिल किए उससे उससे पठान प्रभावित हैं। इस प्रभावशाली स्पेल में इस गेदबाज की गति, उछाल और सटीक गेंदबाजी साफ झलक रही थी। पठान ने कहा कि वह दबाव बनाकर पहले मेडन ओवर डालते हैं और फिर विकेट लेते हैं। उन्होंने कहा कि मोहसिन ने वैभव सूर्यवंशी और टिम सीफर्ट जैसे बल्लेबाजों के खिलाफ भी यही रवैया अपनाया था। पठान ने मोहसिन की प्रशंसा करते हुए कहा, अगर वह फिट रह सके, तो कोई भी उसे भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से नहीं रोक सकता। उसकी फिटनेस ही एकमात्र बाधा है क्योंकि वह लंबे समय तक चोटिल रहता है। पठान ने मोहसिन के बाएं हाथ के एंगल और उनकी लंबाई के कारण मिलने वाले अतिरिक्त उछाल को उनकी सबसे बड़ी ताकत बताया। ह हमेशा किफायती स्पेल डालता है और जब वह गुड लेंथ पर गेंदबाजी करता है, तो बल्लेबाजों को रन बनाना बेहद कठिन हो जाता है। हालांकि, मोहसिन के करियर में चोटें एक बड़ी चिंता का विषय रही हैं। 2022 में डेब्यू करने के बावजूद, उन्होंने अभी तक किसी भी आईपीएल सीजन में दस से ज्यादा मैच नहीं खेले हैं।

क्रुनाल ने अपनी सफलता का श्रेय कोच रंगराजन को दिया

नई दिल्ली

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आलराउंडर कृणाल पंड्या ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छे प्रदर्शन का श्रेय स्पिन गेंदबाजी कोच मलोलन रंगराजन को दिया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले कृणाल ने अपनी गेंदबाजी में आए बड़े बदलाव का श्रेय कोच को दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रंगराजन के भरोसे के कारण ही वह मैदान पर नए प्रयोग कर पाये। इसके अलावा कोच ने उन्हें खुलकर खेलने की आजादी दी, जिससे उनकी गेंदबाजी में एक घातक निखार आया है।

कृणाल ने बताया कि आईपीएल के पिछले दो सीजन में उनकी गेंदबाजी में जो जबरदस्त सुधार देखा गया है, उसके पीछे कोच रंगराजन का निरंतर समर्थन है। आरसीबी से जुड़ने के बाद उनकी भूमिका में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया। उन्हें सिर्फ गेंद डालने वाले गेंदबाज के बजाय विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में जिम्मेदारी दी गई,

जिसने उन्हें बाउंसर को फेंकने के लिए प्रेरित किया। यह एक ऐसा कदम था जो आमतौर पर स्पिनरों के लिए आम नहीं माना जाता।

इस आईपीएल में अपनी तेज बाउंसर गेंदों से बल्लेबाजों को लगातार परेशान करने वाले कृणाल ने बताया कि उनकी ये बाउंसर केवल दिखावे के लिए नहीं होतीं, बल्कि इनके पीछे एक ठोस सोच और गहरी योजना होती है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के अच्छे प्रदर्शन के बाद, वे मानसिक रूप से बल्लेबाज से एक कदम आगे रहने के लिए अपने खेल में कुछ नया जोड़ना चाहते थे। इसी सोच के साथ उन्होंने बाउंसर और लो-आर्म ट्राजेक्टरी वाली गेंदें डालना शुरू किया, जो विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ भी बेहद कारगर साबित हुई हैं। कृणाल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और यह प्रयोग उनके लिए काफी सफल रहा है।

कृणाल ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्पिनर के लिए बाउंसर डालना आसान नहीं है और इसके लिए असाधारण शारीरिक फिटनेस की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया, कम रन-अप में इतनी गति और उछाल लाना वास्तव में कठिन होता है। उन्होंने यह भी साझा किया कि वह अभ्यास सत्र में बाउंसर का ज्यादा अभ्यास नहीं करते, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगती है और वह खुद को फिट व तरोताजा रखने के लिए इसे सीधे मैच में ही इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

एमेलिया की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप में उतरेगी न्यूजीलैंड

आकलैंड। न्यूजीलैंड की टीम जुलाई में होने वाले टी20 महिला विश्वकप 2026 में एमेलिया केर की कप्तानी में उतरेंगी। न्यूजीलैंड बोर्ड ने इंग्लैंड में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम में युवा खिलाड़ियों नेन्सी पटेल और इजी शार्प को भी पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा ब्री इलिंग और पाली इंग्लिस भी टीम में शामिल की गयी हैं। न्यूजीलैंड की टीम ने पिछले कुछ समय से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। पिछले आठ टी20 मैचों में से उसे सात में जीत मिली है। टीम के मुख्य कोच बेन सायर को उम्मीद है टीम जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। सायर ने कहा, जब भी आपको अपने देश की ओर से खेलने का अवसर मिलता है, वह सम्मान की बात होती है वहीं विश्वकप में तो बात ही कुछ और होती है। सभी खिलाड़ी इंग्लैंड जाने का लेकर उत्साहित अनुभव कर रहे हैं। सोफी सहित तीन दिगगजों का होगा अंतिम टूर्नामेंट ये विश्वकप इसलिए भी टीम के लिए अहम है क्योंकि ये तीन अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, लिया ताहुहु और सूजी बेट्स का अंतिम टूर्नामेंट है। इसके बाद ये तीनो ही संन्यास ले लेंगी। ऐसे में टीम का लक्ष्य इन तीनों दिग्गजों को जीत के साथ विदा करना रहेगा। वहीं इनके संन्यास को लेकर कोच सायर ने कहा कि तीन अनुभवी खिलाड़ियों का एक ही टूर्नामेंट में संन्यास लेना विशेष अवसर की तरह रहेगा। इन तीनों ने अपने-अपने करियर में बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को कई बार जीत दिलायी है। ऐसे में इनकी कमी खलेगी पर इसके बाद भी टूर्नामेंट के अंत में हम इन तीनों को सम्मान के साथ विदायी दी जाएगी। विश्वकप में कीवी टीम को ग्रुप बी में इंग्लैंड, स्काटलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और आयरलैंड के साथ रखा गया है।

भारत दुनिया का आकर्षण है, एक बार फिर दुनिया हमारे साथ है

नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कनाडा के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को गति देने के मकसद से वह अगले महीने कनाडा जाएंगे। उन्होंने कहा कि कनाडा के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत के दायरे को अंतिम रूप दे दिया गया है।

डील पक्की करने अगले माह कनाडा जाएंगे उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

2023 में राजनयिक तनाव के कारण रुकी बातचीत फिर से शुरू हो गई है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा (आईपी) दिवस 2026 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि चिली के अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता प्रभारी मंत्री 12 मई को भारत का दौरा करेंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि भारत पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर भी चर्चा कर रहा है। भारत अब तक 9 मुक्त व्यापार समझौते कर चुका है। इससे करीब दो तिहाई वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार तक भारत को तरजीही पहुंच मिल गई है। इसमें 38 विकसित और अमीर देश शामिल है। गोयल ने स्वीकार किया कि 6 देशों वाले गल्फ कोआपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के साथ एफटीए पर बातचीत पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण रुक गई है, लेकिन इसे बहाल करने के लिए कवायद जारी है। उन्होंने कहा कि रूस के नेतृत्व वाले यूरेशियन इकोनामिक यूनियन (ईएईयू) और साउथ अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन (एसएसीयू) के साथ हम बातचीत कर रहे हैं। एसएसीयू में दक्षिण अफ्रीका शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोयल ने घोषणा की कि दुनिया एक बार फिर हमारे साथ है। भारत दुनिया का आकर्षण है। उन्होंने कारोबारियों और नवोन्मेषकों से पेटेंट, प्रोड्यूस और प्रास्पर के मंत्र से बाजार खुलेपन का लाभ उठाने का आग्रह किया। खेल संबंधी सभी बौद्धिक संपदा फाइलिंग के लिए तत्काल प्रभाव से लागू तीन साल का शून्य शुल्क की व्यवस्था लागू है। इस छूट में पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कापीराइट, भौगोलिक संकेत और पारंपरिक ज्ञान उत्पाद शामिल हैं। गोयल ने कहा कि खेल उपकरण, डिजाइन, ऐप्स, मीडिया अधिकार या पारंपरिक ज्ञान में प्रत्येक नए विचार को तुरंत पंजीकृत किया जाना चाहिए। सरकार इसके लिए समर्थन योजना भी लाएगी, जिसका ब्योरा जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

नई रेंज रोवर स्पोर्ट आटोबायोग्राफी लान्च

नई दिल्ली। भारतीय ग्राहकों के लिए जैगुआर लैंड रोवर ने अपनी वर्ष की नई रेंज रोवर स्पोर्ट आटोबायोग्राफी लान्च कर दी है। इस लग्जरी कार की शुरुआती कीमत 1.60 करोड़ रुपये है। कंपनी ने पहली बार इस टाप माडल को भारत में ही असेंबल करने का फैसला लिया है, जिससे इसकी उपलब्धता और पहुंच पहले से बेहतर होगी। अब तक यह माडल पूरी तरह आयातित होता था, जिससे इसकी कीमत काफी अधिक रहती थी। इस कदम से ग्राहकों को बेहतर मूल्य और आसान उपलब्धता का लाभ मिलेगा, जो कंपनी की भारत में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। यह शानदार एसयूवी दो इंजन विकल्पों के साथ पेश की गई है, जिसमें 3.0 लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन शामिल हैं, जिन्हें देश में ही असेंबल किया जाएगा। हालांकि, अधिक ताकतवर 4.4 लीटर वी8 इंजन वाला संस्करण अभी भी पूरी तरह आयातित रूप में उपलब्ध रहेगा। वाहन में इलेक्ट्रानिक एक्टिव डिफरेंशियल, ब्रेकिंग के साथ टार्क वितरण प्रणाली, सभी पहियों की स्टीयरिंग, विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित ड्राइविंग प्रोग्राम और उन्नत एयर सस्पेंशन जैसी अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं, जो बेहतर संतुलन, नियंत्रण और आराम प्रदान करती हैं। केबिन में प्रीमियम गुणवत्ता वाली चमड़े की सीटें, पूरी तरह विस्तारित चमड़े की सजावट, मालिश सुविधा और उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि प्रणाली एक शाही अनुभव देती हैं। कंपनी का मानना है कि स्थानीय असेंबली और विभिन्न इंजन विकल्प इसे अधिक ग्राहकों तक पहुंचाएंगे, जिससे भारत में लग्ज़री वाहन बाजार में कंपनी की पकड़ मजबूत होगी। बुकिंग शुरू हो गई है।

मार्च में पच्चीस प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की टीवीएस ने

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने मार्च 2026 में कुल बिक्री में पच्चीस प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की। इस महीने टीवीएस जुपिटर भारत का सबसे अधिक बिकने वाला स्कूटर बनकर उभरा, जिसने 1,24,771 इकाइयां बेचीं और वार्षिक आधार पर लगभग अठारह प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की। जुपिटर की सफलता उसके संतुलित प्रदर्शन, बेहतर ईंधन दक्षता और भरोसेमंद प्रकृति के कारण है, जो इसे पारिवारिक उपयोग के लिए पसंदीदा बनाता है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर टीवीएस अपाचे श्रृंखला रही, जिसने छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 47,081 इकाइयां बेचीं, जो युवाओं के बीच स्पोर्टी मोटरसाइकिलों की मांग को दर्शाती है। टी.वी.एस. एक्स.एल. सुपर ने भी इकतीस प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 46,192 इकाइयों की बिक्री दर्ज की और ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता के कारण लोकप्रिय बना रहा। विद्युत वाहन बाजार में टीवीएस आईक्यूब ने भी अपनी धाक जमाई, छियालीस प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी के साथ 38,757 इकाइयां बेचकर इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत दिया। युवाओं के बीच लोकप्रिय टी.वी.एस. राइडर ने इक्कीस प्रतिशत की वृद्धि के साथ 37,345 इकाइयों की बिक्री की, जबकि टी.वी.एस. एनटार्क ने उनचास प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि के साथ 32,598 इकाइयां बेचीं।

एमजी विंडसर ने तोड़े बिक्री के रिकार्ड, वित्त वर्ष 2026 में बनी नंबर-1 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में एमजी मोटर्स की कारों की मांग में लगातार वृद्धि देखी जा रही है।

बीते वित्त वर्ष 2026 में एमजी विंडसर ने कंपनी के सभी माडलों में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित किए। इस दौरान कुल 46,720 एमजी विंडसर ग्राहकों तक पहुँची, जो वित्त वर्ष 2025 में बेची गई 19,394 यूनिट्स के मुकाबले 141 प्रतिशत की भारी सालाना वृद्धि दर्शाती है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर एमजी कामेट ईवी रही, जिसने 10,292 यूनिट्स की बिक्री की, जो 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि है। वहीं, एमजी हेक्टर के लिए यह साल चुनौतीपूर्ण रहा, जिसकी बिक्री 42 प्रतिशत घटकर 9,003 यूनिट्स रही। एमजी जेडएस ईवी की बिक्री में भी 21 प्रतिशत की गिरावट आई, और यह 5,579 यूनिट्स के साथ चौथे स्थान पर रही। एमजी एस्टर और एमजी ग्लास्टर ने क्रमशः 1,212 और 119 यूनिट्स की बिक्री के साथ बड़ी गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर, एमजी मोटर्स ने वित्त वर्ष 2026 में 72,925 नए ग्राहक जोड़े। एमजी विंडसर की सफलता के पीछे इसका आधुनिक डिजाइन, बेहतरीन पावरट्रेन और लंबी रेंज है। यह एक इलेक्ट्रिक क्रासओवर है जिसमें 38 किलोवाट घंटे का बैटरी पैक है, जो 136 बीएचपी की अधिकतम शक्ति और 200 एनएम का पीक टार्क उत्पन्न करता है। कंपनी का दावा है कि सिंगल चार्ज पर यह कार 331 किलोमीटर की रेंज देती है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बूम की आशंका के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान टेक शेयरों में जोरदार गिरावट का रुख बना रहा। इसकी वजह से वाल स्ट्रीट के ओवरआल कारोबार पर भी निगेटिव असर पड़ा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,141.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

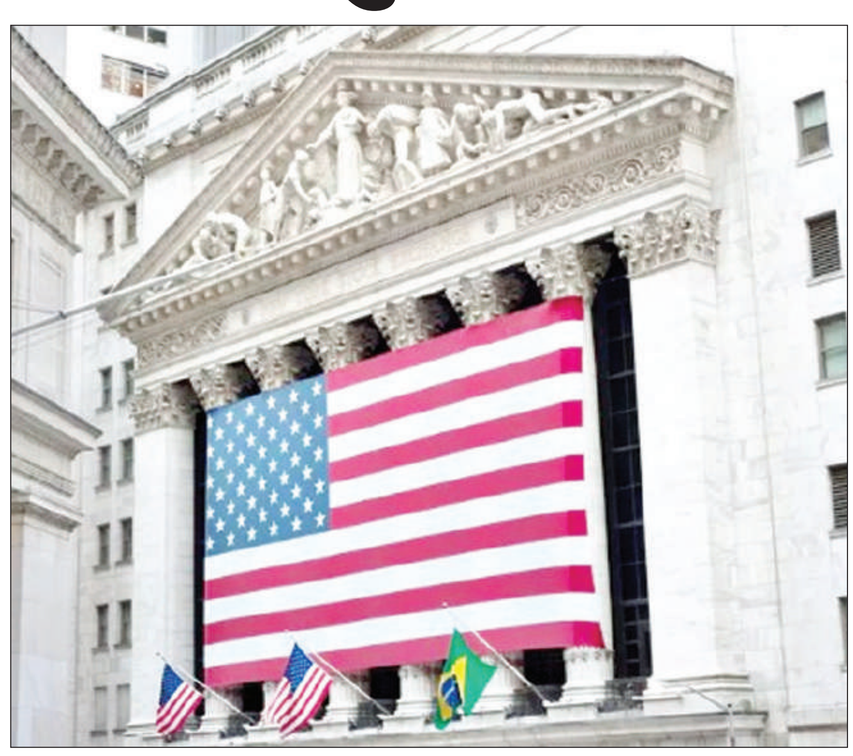

इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,138.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 223.30 अंक यानी 0.90 प्रतिशत टूट कर 24,663.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 49,223.42 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,332.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,104.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,018.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 619.90 अंक यानी 1.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,917.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.56 प्रतिशत लुढ़क कर 4,860.10 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 156.23 अंक यानी 0.40 प्रतिशत टूट कर 39,365.50 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,160.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,656.38 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में जोरदार उछाल नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 270.22 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,950 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,486.44 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत उछल कर 4,094.80 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,082.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

होंडा एलिवेट के अपकमिंग संस्करण में होंगे कई बदलाव

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में अपनी पैठ मजबूत करने होंडा एलिवेट के अपकमिंग नए संस्करण में बाहरी बनावट को अधिक आकर्षक बनाने के लिए कई बदलाव किए जाएंगे। बाजार में होंडा एलिवेट का नया अवतार इस वर्ष के मध्य तक दस्तक देने को तैयार है, जिसका लक्ष्य एसयूवी सेगमेंट में अपनी बिक्री को और गति देना है।

इए नए संस्करण में नई फ्रंट ग्रिल, अगले और पिछले हिस्से के बम्पर में हल्के लेकिन प्रभावी परिवर्तन तथा नए डिज़ाइन के पहिये देखने को मिल सकते हैं, जो इसे एक ताज़ा और आधुनिक रूप देंगे। वाहन के अंदरूनी हिस्से में भी सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया जा सकता है ताकि अधिक उच्च श्रेणी का अनुभव मिले। डैशबोर्ड का डिज़ाइन भी बदला जा सकता है और यात्रियों को अधिक सुविधा व आराम देने के लिए नई तकनीकी सुविधाएँ भी इसमें जोड़ी जा सकती हैं। इंजन के मामले में, इसमें वर्तमान 1.5 लीटर क्षमता वाला पेट्रोल इंजन ही रहने की संभावना है, जो संतुलित शक्ति और बेहतर प्रदर्शन प्रदान करता है, साथ ही मैनुअल और स्वचालित दोनों प्रकार के गियर विकल्प उपलब्ध होंगे। हालांकि, कंपनी भविष्य को ध्यान में रखते हुए इसका एक उन्नत संकर (हाइब्रिड) संस्करण भी ला सकती है, लेकिन इस संबंध में अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

नई होंडा एलिवेट की कीमत लगभग 11 लाख से 17 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच रहने की संभावना है। इस श्रेणी में यह अन्य लोकप्रिय वाहनों के बीच अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखने की कोशिश करेगी। खबरों के अनुसार, होंडा इस वाहन के विद्युत संस्करण पर भी काम कर रही है, जिसे आने वाले समय में पेश किया जाएगा। इसी के साथ, कंपनी अपनी लोकप्रिय सेडान कार सिटी के नए रूप पर भी काम कर रही है, जिसमें बाहरी और अंदरूनी बदलावों के साथ संकर तकनीक का विकल्प भी दिया जा सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

04 मई...

विजय की नई नवेली पार्टी तमिझगा वेत्री कड़गम को 10 से 12 पद मिलने का अनुमान है। मत हिस्सेदारी की बात करें तो द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन को लगभग 40 प्रतिशत, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम को 37 प्रतिशत और तमिझगा वेत्री कड़गम को करीब 17 प्रतिशत मत मिल सकते हैं। हालांकि एक्सिस माय इंडिया के एक्जिट पोल में तमिझगा वेत्री कड़गम को सबसे बड़ी पार्टी बताया गया है और उसे 98 से 120 सीटें मिल सकती हैं जबकि द्रविड़ मुनेत्र कषगम को 92 से 110 और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन को 22 से 32 सीट मिल सकती हैं।

* मैट्रिज: द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन 122-132, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन 87-110, तमिझगा वेत्री कड़गम 10-12, अन्य 0-6
* एक्सिस माय इंडिया: तमिझगा वेत्री कड़गम 98-120, द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन 92-110, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन 22-32
* पी-मार्क: द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन 125-145, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन 65-85, तमिझगा वेत्री कड़गम 16-26, अन्य 1-6
* पीपल्स पल्स: द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन 125-145, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन 65-80, तमिझगा वेत्री कड़गम 18-24, अन्य 2-6
* चाणक्य रणनीति: द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन 145-160, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन 50-65, तमिझगा वेत्री कड़गम 0, अन्य 18-26

पुडुचेरी में फिर एनडीए सरकार

पुडुचेरी की बात करें तो एक्सिस माय इंडिया के एक्जिट पोल के मुताबिक 30 सीटों वाली विधानसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बढ़त मिलती दिख रही है। मतदानोत्तर सर्वेक्षण के मुताबिक, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 16 से 20 सीट मिलने का अनुमान है, जो बहुमत के आंकड़े 16 से ऊपर है। इससे यह संकेत मिलता है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस केंद्र शासित प्रदेश में आसानी से सरकार बना सकता है। वहीं कांग्रेस-द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन को 6 से 8 सीट मिलने का अनुमान है, जिससे वह मजबूत चुनौती देने की स्थिति में नहीं दिख रहा है। इस तरह देखा जाए तो एक्जिट पोल के मुताबिक, 5 सूबों में से 3 में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन और 2 में विपक्षी गठबंधन सरकार बनाते नजर आ रहे हैं।

बंगाल में ...

जिसका अभी और बढ़ना लगभग तय है। इस लिहाज से देखा जाए तो बंगाल में औसत मतदान प्रतिशत 90 फीसदी से ऊपर रहा है, जो कि बंगाल में पिछले सभी चुनावों से ज्यादा है।

बंगाल में 2026 से पहले सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा 2011 में दर्ज किया गया था। तब राज्य में 84.33 फीसदी वोटिंग हुई थी। यह वही चुनाव था, जब बंगाल में 34 साल से शासन कर रही लेफ्ट पार्टी का वर्चस्व खत्म हुआ था और तृणमूल कांग्रेस पहली बार जीतकर सत्ता में आई थी। तब ममता बनर्जी बंगाल की मुख्यमंत्री बनी थीं।

मजेदार बात यह है कि बंगाल में इससे पहले 80 फीसदी से ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा 1996 और 2006 में पहुंचा था। ममता बनर्जी के चुनाव जीतने के बाद बंगाल में वोटिंग का आंकड़ा भी लगातार 80 फीसदी के ऊपर बना रहा, लेकिन मतदान का रिकॉर्ड नहीं टूटा।

2026 और 2021 के मतदान में क्या अंतर?

बंगाल में 2021 में जहां आठ चरणों में मतदान हुआ था। वहीं, 2026 में यह मतदान सिर्फ दो चरणों में पूरा करा लिया गया। अगर 2026 में पहले और दूसरे चरण की सीटों पर हुए मतदान की तुलना 2021 की समान सीटों पर हुए मतदान से कर लें तो सामने आता है कि 2026 में दोनों ही चरणों में पिछली बार से ज्यादा वोटिंग हुई। जहां बंगाल में 2026 के पहले चरण में 93.19 फीसदी वोटिंग हुई तो वहीं, दूसरे चरण में करीब 92 फीसदी मतदान हुआ है। इसके मुकाबले 2021 में इन्हीं समान सीटों (2026 के पहले चरण वाली 152 सीटों) पर 83.18 फीसदी मतदान और (दूसरे चरण की 142 सीटों) पर 81.08 फीसदी मतदान हुआ था। यही वजह है कि जहां बंगाल में 2026 में 90 फीसदी से ज्यादा वोटिंग हुई तो वहीं 2021 में 82.17 फीसदी कुल वोटिंग दर्ज हो पाई थी।

2021 में पश्चिम बंगाल में कुल 7.34 करोड़ मतदाता रजिस्टर हुए थे। हालांकि, इनमें से वोटिंग के लिए 6.03 करोड़ लोग ही पहुंचे थे। इसकी तुलना में अगर 2026 की बात करें तो इस बार राज्य में चुनाव आयोग की तरफ से चलाई गई वोटर लिस्ट की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद कुल 6.82 करोड़ वोटर पंजीकृत हुए। इनमें से कुल 6.25 करोड़ वोट अब तक दर्ज हुए हैं। यानी मतदाताओं के मामले में भी एसआईआर के बावजूद 2026 में मतदाताओं का 2021 का रिकॉर्ड टूट चुका है।

मोदी वैदिक ...

सूर्योदय से सूर्यास्त- 15 मुहूर्त। सूर्यास्त से अगले सूर्योदय- 15 मुहूर्त। इसमें पूरे दिन को 24 घंटों के बजाय 30 मुहूर्तों में विभाजित किया गया है। यह घड़ी जिस स्थान पर स्थापित है, वहां के सटीक सूर्योदय के समय के अनुसार खुद को तालमेल करती है।

वैदिक घड़ी की 5 बड़ी खासियतें

इस घड़ी के अंकीय प्रदर्शन पर सिर्फ समय ही नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की समस्त जानकारियां उपलब्ध हैं। यह मुहूर्त, कला और काष्ठा (समय की सबसे छोटी इकाई) को प्रदर्शित करती है।

मुहूर्त, कला और काष्ठा को समझिए

एक मुहूर्त सामान्यतः 48 मिनट के बराबर होता है, किंतु इसकी अवधि घड़ी की भौगोलिक स्थिति, सूर्योदय-सूर्यास्त समय और सूर्य के कोण के अनुसार परिवर्तित होती है। मुहूर्त- 30 कला। कला- 96 सेकंड। कला- 30 काष्ठा। काष्ठा- 3.2 सेकंड।

इस घड़ी में विक्रम संवत् मास, तिथि, नक्षत्र, योग और करण की सटीक जानकारी मिलती है। घड़ी में ग्रहों की वर्तमान स्थिति, भद्रा, चंद्र स्थिति और सूर्य राशि का विवरण भी शामिल है। ब्रह्म मुहूर्त से लेकर वरुण मुहूर्त तक, कौन सा समय शुभ है, यह घड़ी वास्तविक समय में बताती है। इसका मापन उज्जैन के पास स्थित डोंगला वेधशाला को आधार मानकर किया गया है, जो खगोलीय दृष्टि से शून्य रेखा (प्रधान मध्याह्न रेखा) माना जाता है। बता दें कि उज्जैन में कर्क रेखा पर स्थित होने के कारण इसे वैज्ञानिक और खगोलीय रूप से सटीक माना जाता है। वैदिक कालगणना पर आधारित है यह अनोखी घड़ी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव का मानना है कि उज्जैन प्राचीन काल से ही काल-गणना का केंद्र रहा है। वे पश्चिमी संस्कृति की ओर से थोपे गए ग्रीनविच मध्य समय यानी पृथ्वी के घूमने पर आधारित एक समय मानक के बजाय उज्जैन की सटीक खगोलीय गणना को पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। वाराणसी के बाद अब अयोध्या के राम मंदिर और देश के सभी 12 ज्योतिर्लिंगों में ऐसी वैदिक घड़ियां लगाने की योजना है।

फिर बढ़ेंगे...

कर रहे थे। एक महीने के दौरान इस शेयर में 21 फीसदी तक की उछाल आई है। हालांकि अभी भी यह शेयर छह महीने में 27 फीसदी नीचे आ चुका है।

इसी तरह, आईटीसी कंपनी के शेयरों में 4 फीसदी की तेजी आई है, जो 315.95 रुपये पर कारोबार कर रहा है। एक महीने के दौरान इस शेयर में 10 फीसदी की तेजी आई है। हालांकि ये छह महीने के दौरान 25 फीसदी गिर चुका है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि आईटीसी के लिए, गोल्ड फ्लेक प्रीमियम के पैक की कीमत मई 2026 में 115 रुपये से बढ़कर लगभग 135 रुपये होने की उम्मीद है। इससे एकल सिगरेट के दाम में भी इजाफा हो जाएगा। इस कीमत के बढ़ने से कंपनी के मुनाफे पर पड़ने वाला बोझ कम होगा।दरअसल, यह बढ़ोतरी सरकार द्वारा लगाए गए अतिरिक्त कर भार को कम करने के लिए किया जा रहा है। इस साल की शुरुआत में संसद ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी, जिससे सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों पर शुल्क में भारी बढ़ोतरी हुई।

आदेश के अनुसार, सिगरेट पर 40 प्रतिशत जीएसटी के अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने अधिसूचित किया है कि सिगरेट की लंबाई के आधार पर हर 1,000 स्टिक पर 2,050 रुपये से 8,500 रुपये तक का उत्पाद शुल्क 1 फरवरी से लागू होगा।

2 से 3 रुपये महंगी हो सकती है हर सिगरेट

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्-लेषकों ने कहा था कि इस शुल्क के चलते 75-85 मिलीमीटर सिगरेट की कुल लागत में 22-28 प्रतिशत की वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि आईटीसी के कुल उत्पादन का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा 75 मिलीमीटर से अधिक लंबी सिगरेट का है और इस कारण सिगरेट की कीमतों में 2 से 3 रुपये का इजाफा होगा।

बेंगलुरु में...

घटना की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और मलबा हटाने के साथ राहत कार्य शुरू किया गया। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए 5-5 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि दीवार अचानक क्यों गिरी और क्या निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही हुई थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 30 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रकुल महिला शाखा रामनगर ईस्ट का भव्य शुभारंभ

प्रोजेक्ट शक्ति के तहत 21,000 सहयोग राशि प्रदान

प्रथम कार्यक्रम में उमड़ा उत्साह और सहभागिता

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के अंतर्गत अग्रकुल महिला शाखा रामनगर ईस्ट द्वारा आज अपने प्रथम कार्यक्रम का भव्य आयोजन राघव रत्न टॉवर की 10वीं मंजिल पर बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न किया गया। कार्यक्रम में महिला शाखा की सभी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं केंद्रीय कमेटी सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिनमें कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, वाइस प्रेसिडेंट सीए हरिगोविंद अग्रवाल, जॉइंट सेक्रेटरी प्रतीक कुमार नारसरिया, ट्रेज़रर सीए राजगोपाल अग्रवाल, चीफ ज़ोनल कोऑर्डिनेटर सुरेश अग्रवाल टंडन, चेयरमैन सुरेश अग्रवाल (दिल्ली वाले), अशोक केडिया तथा महेंद्र अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल रहे।

प्रोजेक्ट शक्ति के तहत आर्थिक सहयोग

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कमेटी द्वारा प्रोजेक्ट शक्ति के अंतर्गत महिला शाखा को 21,000 की सहयोग राशि प्रदान की गई। यह राशि शाखाओं को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु दी जा रही है। रामनगर ईस्ट शाखा को यह राशि प्राप्त करने वाली पहली शाखा बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में मनोरंजन एवं आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने हेतु महिला शाखा द्वारा उत्साहपूर्वक तम्बोला गेम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदस्याओं ने आनंदपूर्वक भाग लिया। इस गतिविधि ने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का वातावरण बना दिया।

मंच से यह भी घोषणा की गई कि भविष्य में आयोजित होने वाले मछली प्रसाद कार्यक्रम हेतु किसी भी शाखा से सहयोग राशि नहीं ली जाएगी। इस घोषणा का सभी उपस्थित सदस्यों ने स्वागत किया।

महिला पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका

महिला शाखा की पदाधिकारीगण में अध्यक्ष सविता अग्रवाल, उपाध्यक्ष शशि टिंबरेवाल, सचिव सीमा अग्रवाल, जॉइंट सेक्रेटरी संतोष अग्रवाल, ट्रेज़रर शिल्पा अग्रवाल एवं अन्य सदस्याएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रीति टिंबरेवाल द्वारा किया गया।

यह आयोजन महिला सशक्तिकरण, संगठनात्मक एकता एवं सामाजिक सहभागिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

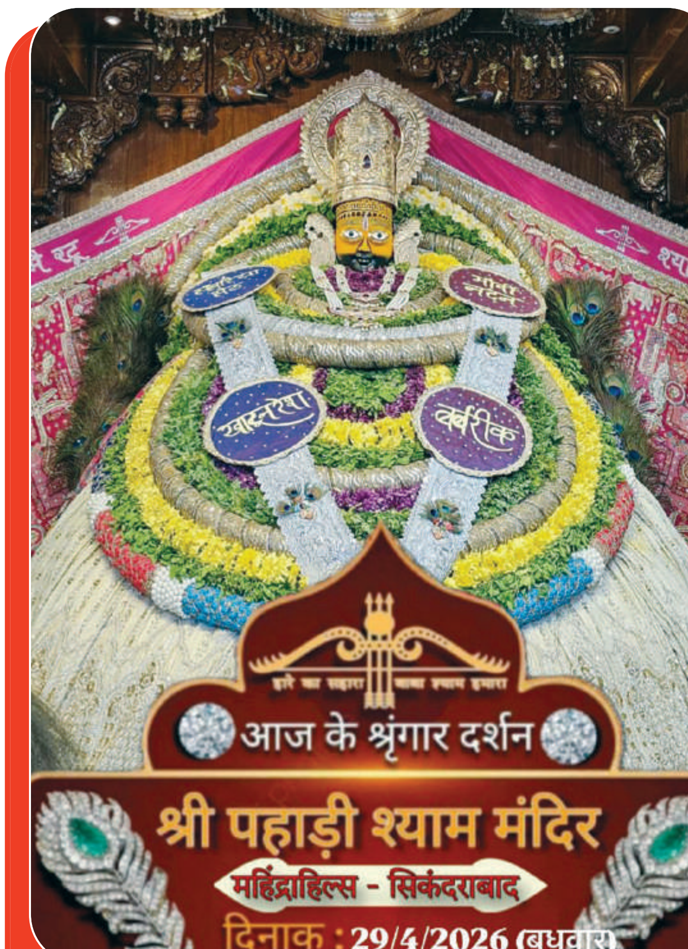

सखी सहेली महिला शाखा द्वारा ग्रैंड तम्बोला का आयोजन 4 मई को

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सखी सहेली महिला शाखा द्वारा ग्रैंड तंबोला का आयोजन 4 मई, शनिवार को सखी राधा रत्ना टावर्स में किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में सभी महिलाओं के लिए टिकट शुल्क 600 रुपए निर्धारित किया गया है, जिसमें तीन राउंड तंबोला खेलाया जाएगा।

प्रथम राउंड कॉम्प्लिमेंटरी राउंड होगा, जिसमें कई आकर्षक उपहार दिए जाएंगे।

द्वितीय राउंड में आकर्षक इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स दिए जाएंगे।

तृतीय राउंड में प्रीमियम नॉन-स्टिक कुकवेयर उपहार स्वरूप प्रदान किए जाएंगे।

लंच एवं सहभागिता का आग्रह।

तंबोला के पश्चात सभी प्रतिभागियों के लिए लंच का भी आयोजन किया गया है। शाखा की ओर से सभी सदस्य महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने तथा अपने परिवार एवं मित्रों को साथ लाकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया गया है।कार्यक्रम के आयोजन में शाखा की अध्यक्ष दीपा अग्रवाल, उपाध्यक्ष संगीता पटवारी, कोषाध्यक्ष एकता गुप्ता, मंत्री नीलाम संघी, सह मंत्री शिखा अग्रवाल, के.एस. आरती अग्रवाल तथा कार्यकारिणी सदस्य वर्षा अग्रवाल, कीर्ति अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल एवं पायल अग्रवाल सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का विशेष आयोजन

बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर 15 मई से

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए एक विशेष ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैंप) का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 15 मई से 23 मई 2026 तक आयोजित होगा, जिसमें 8 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे भाग ले सकते हैं।

यह ग्रीष्मकालीन शिविर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक अग्रवाल समाज सभा भवन, 10वीं मंजिल, आबिड्स, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। शिविर में बच्चों के लिए अनेक रचनात्मक और शिक्षाप्रद गतिविधियाँ रखी गई हैं, जैसे – अबेकस, कला एवं शिल्प, पाइप क्लीनर फूल, जापानी डेकोडेन कला एवं मिरर क्ले शिल्प, लिपन कला, फॉइल एवं टिशू कला, कागज चित्रकला, कचरे से बेहतरीन एवं मोमबत्ती निर्माण, तेल चित्रकला तथा जोड़ फूल निर्माण आदि। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री दीपक अग्रवाल जी उपस्थित रहेंगे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएगी। ग्रीष्मकालीन शिविर की संयोजिका डॉ. सीमा जैन जी हैं, जिनके मार्गदर्शन में इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, इस आयोजन की अध्यक्षा मोनिका अग्रवाल जी हैं, जिनके नेतृत्व में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है।

इस शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिनमें प्रमुख हैं – डॉ. सीमा जैन जी, शीतल रूंगटा जी, पायल अग्रवाल जी, जानवी गनेरिवाल जी, दीपिका गोयल जी, प्रीति अग्रवाल जी, चेहक अग्रवाल जी, खुशी गोयल जी, राम सर जी तथा नीति अग्रवाल जी। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पंजीकरण शुल्क 200 रुपये निर्धारित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए मोनिका अग्रवाल (मोबाइल: 7780564856) से संपर्क किया जा सकता है। यह ग्रीष्मकालीन शिविर बच्चों के लिए सीखने और मनोरंजन का एक बेहतरीन अवसर साबित होगा।

5वां हैदराबाद रिटेल समिट: उद्योग जगत के दिग्गजों का महाकुंभ

300 से अधिक रिटेलर्स ने की शिरकत

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) द्वारा आयोजित '5वें हैदराबाद रिटेल समिट' का भव्य आयोजन हाईटेक सिटी स्थित होटल ट्राइडेंट में बुधवार को संपन्न हुआ। इस शिखर सम्मेलन में हैदराबाद के 300 से अधिक प्रमुख रिटेलर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो शहर के व्यापारिक परिदृश्य की मजबूती को दर्शाता है।

तेलंगाना सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य (आई एंड सी) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के विशेष मुख्य सचिव, श्री जयेश रंजन (भारतीय प्रशासनिक सेवा) ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उपस्थित रिटेलर्स को संबोधित करते हुए उन्होंने आधुनिक व्यापारिक चुनौतियों और तेलंगाना में रिटेल क्षेत्र के भविष्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्री जयेश रंजन ने हैदराबाद के 'आइकॉनिक ब्रांड्स' को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों और योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

सम्मेलन के दौरान, आरए-आई हैदराबाद चैप्टर के चेयरमैन अविनीश कुमार और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुमार राजगोपालन ने श्री जयेश रंजन (भारतीय प्रशासनिक सेवा) को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। व्यापारिक समुदाय और सरकार के बीच इस संवाद को उद्योग की प्रगति के लिए एक सकारात्मक कदम बताया गया।

होटल ट्राइडेंट में आयोजित इस एक दिवसीय समिट का मुख्य उद्देश्य रिटेल क्षेत्र में आ रहे बदलावों और नई तकनीकों पर चर्चा करना था। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि हैदराबाद न केवल एक सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र है, बल्कि देश के सबसे तेजी से बढ़ते रिटेल केंद्रों में से एक भी है। 300 से अधिक व्यवसायियों की उपस्थिति ने इस समिट को शहर के सबसे प्रभावशाली रिटेल आयोजनों में से एक बना दिया।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित किया गया, जिससे उनके चेहरों पर संतोष और खुशी देखने को मिली।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने बताया कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज में मानवता और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है और इसी भावना के साथ यह अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, तेज प्रकाश अग्रवाल, मनोज डालमिया एवं जयप्रकाश सारडा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय रूप से योगदान दिया।

।।अग्रवाल समाज, भाग्यनगर के निवासी सामाजिक बन्धुओं, में चर्चित व व्याप्त जानकारियों के प्रकाश में बिना पूर्वाग्रह अथवा दुराग्रह के मेरा वैचारिक मत है कि समाज के वरिष्ठ ज़िम्मेदार व्यक्तियों को आगे आकर अनायास ही पैदा हो चुके अनावश्यक आपसी अंतर्विरोधों को सुलझाने व पक्ष विपक्ष मे बँट रहे अग्रवाल समाज के बीच सौहार्दपूर्ण समन्वय को स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए।।

पिछले चुनाव मे अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष पद पर **श्री अनिरुद्ध प्रसाद अग्रवाल जी** के चयनित होने पर संख्या बल से हार का सामना कर चुके भाग्यनगर के सुविख्यात समाजसेवी **श्री नरेन्द्र कुमार गोयल जी** सहित समाज के लगभग सभी लोगों ने **श्री अनिरुद्ध प्रसाद अग्रवाल जी** की जीत का हृदय से स्वागत किया था।

अध्यक्ष पद पर चयन होने के पश्चात् **श्री अनिरुद्ध प्रसाद अग्रवाल जी** को अल्प समय में ही यह महसूस होने लगा कि सामाजिक कार्य करने कि ज़िम्मेदारियों को अनुभव के अभाव मे वह पदासीन पद के साथ समुचित न्याय नही कर पा रहे हैं, अतः उन्होंने तकनीकी हार का सामना कर चुके सामाजिक क्षेत्र में कार्यकुशलता के अनुभवी वरिष्ठ कार्यकर्ता **श्री नरेन्द्र कुमार गोयल जी** से सहयोग कि अपेक्षा की तथा उन्हें दैनिक कार्यों मे सहायता के लिए **कार्यकारी अध्यक्ष** के पद पर मनोनीत किया।

संभव है कि संगठन के संवैधानिक पुस्तक के रचयिताओं ने **कार्यकारी अध्यक्ष** के मनोनयन किये जाने जैसी स्थितियों कि कल्पना नही कि होगी, लेकिन जब जब परिवर्तन की आवश्यकता होती है तब तब संविधान में परिवर्तन किए जाते रहे हैं, देश में स्वतंत्रता के पश्चात् 100 से अधिक बार भारत के संविधान मे संशोधन किये गए।

चुनाव में हार के बावजूद **श्री नरेन्द्र कुमार गोयल** का चयनित अध्यक्ष **श्री अनिरुद्ध प्रसाद अग्रवाल जी** के आग्रह का सम्मान करते हुए **कार्यकारी अध्यक्ष** का पद स्वीकार करने का निर्णय श्री नरेन्द्र कुमार गोयल निश्चित ही अग्रवाल समाज के चहुंमुखी विकास में अपना योगदान देना ही है।

माननीय अध्यक्ष **श्री अनिरुद्ध प्रसाद अग्रवाल जी** द्वारा बुलाई गई **असाधारण जरनल बॉडी मीटिंग** में पक्ष विपक्ष के बीच हुई हाथापाई, पुलिस के हस्तक्षेप व निगरानी में मीटिंग के सम्पन्न किये जाने ने अग्रवाल समाज कि गरिमा को अपूरणीय क्षति पहुँचाई है, तत्पश्चात अग्रवाल समाज के केंद्रीय कार्यालय में **श्री नरेन्द्र कुमार गोयल** के साथ समाज के नौजवान युवा द्वारा कि गई हाथापाई का विडियो अत्यंत पीड़ादायक है।

अतः अग्रवाल समाज, भाग्यनगर व तेलंगाना के कर्णधारों व सामाजिक मनीषियों कि ज़िम्मेदारी है कि समाज मे अकारण फैल रही अव्यवस्था को सुचारित ढंग से व्यवस्थित करने हेतु आगे आएं और अग्र समाज कि अग्रवाहिनी कि राह सुगम करें। समाज में हो रहे अन्यायपूर्ण कृत्यों के प्रति सामाजिक मनीषियों का चुप रहना तथा उनकी निष्क्रियता भी अपराध की श्रेणी में ही गिना जाएगा।

इतिहास कभी भी निष्पक्ष नहीं होता है, अग्रवाल समाज तेलंगाना के विषय मे जब भी कभी कोई निष्पक्ष लेखक कि लेखनी कि स्याही पृष्ठों पर अपनी आवाज़ को रेखांकित करेगी, तब शब्दों के संयोजन मे मौन रहने वालों का अपराध भी इतिहास के पन्नों में अवश्य दर्ज होगा।

संभवतः मेरे विचारों को भी पक्षपाती मानकर उग्र नौजवान मेरे प्रति असंतोष व्यक्त करेंगे, लेकिन अगर शांत मन से विचार करेंगे तो यह समझ पाना कठिन नही होगा कि जीत दर्ज करने वाला व्यक्ति हारनेवाले व्यक्ति को अपने समकक्ष पद पर आसीन करने का निर्णय सिर्फ और सिर्फ समाज कि उत्तरोत्तर प्रगति में योगदान के निमित्त ही कर रहा है, नकि किसी व्यवसायिक अथवा आर्थिक लाभ के लिए कोई गठजोड़ बनाया जा रहा है।

–रमेश कुमार अग्रवाल
साधारण सदस्य
(घांसी बाजार झूला शाखा)
भाग्यनगर (हैदराबाद) तेलंगाना

विश्व नृत्य दिवस पर नाट्य शिरोमणि अवॉर्ड्र्स 2026 प्रदान

रवींद्र भारती में भव्य आयोजन

शास्त्रीय नृत्य गुरुओं को मिला सम्मान

कला के साथ स्वास्थ्य लाभ पर भी जोर

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य सी.एच. मधुसूदन चारी ने कहा कि नृत्य केवल एक कला रूप और भाव अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं है, बल्कि इसके अनेक शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ भी हैं। उन्होंने तेलंगाना मेधावी मंच राज्य शाखा के तत्वावधान में रवींद्र भारती में आयोजित विश्व नृत्य दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सभी विधाएं विभिन्न स्तरों पर नाट्यशास्त्र से उत्पन्न हुई हैं। डॉ. एनुगु नरसिम्हा रेड्डी, निदेशक, तेलंगाना भाषा एवं संस्कृति विभाग ने कहा कि मानव जीवन में नृत्य के महत्व को बढ़ावा देने में विश्व नृत्य दिवस महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर तेलंगाना मेधावी मंच राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. एम. राज नारायण मुदिराज ने बताया कि कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम और कथक के क्षेत्र में पिछले 20 वर्षों से निरंतर सेवा दे रही डॉ. दिव्या सल्ला, पिछले चार दशकों से भरतनाट्यम में अनेक शिष्यों को प्रशिक्षित कर रही रामकोटी स्थित श्री त्यागराज सरकारी नृत्य एवं संगीत महाविद्यालय की भरतनाट्यम गुरु डॉ. पंतुला इंदिरा हेमा, तथा दशकों से कुचिपुड़ी नृत्य में सेवा दे रही ज्योति रेड्डी को मुख्य अतिथियों द्वारा नाट्य शिरोमणि अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया।

उन्हें प्रशस्ति पत्र, शाल, पुष्पमाला और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में समन्वयक श्री पेम्बर्ति रविंदर, श्रीमती अनुप्रसाद, श्री जी. वेणुगोपाल, बिच्चुकारी सूर्य, श्रीराम किशोर सहित अन्य लोगों ने भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त नृत्य कलाकारों को शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व, विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर तेलंगाना भाषा एवं संस्कृति विभाग के निदेशक आईएएस डॉ. एनुगु नरसिम्हा रेड्डी को तेलंगाना मेधावी मंच राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज द्वारा शाल, स्मृति चिन्ह और पुष्पमाला के साथ सम्मानित किया गया।

प्रभु महावीर के 2582वें शासन स्थापना दिवस पर भव्य आयोजन

श्री वीर यात्रा (प्रभात फेरी) में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रभु महावीर स्वामी द्वारा स्थापित 2582वें शासन स्थापना दिवस के अवसर पर हैदराबाद नगर में भव्य आयोजन संपन्न हुआ। जारी प्रेस विज्ञप्ति में जसराज देवड़ा धोका एवं मुकेश चौहान ने बताया कि इस उपलक्ष्य में जिनशासन जवाहर श्री जैन संस्कार वाटिका द्वारा भव्यातिभव्य श्री वीर यात्रा (प्रभात फेरी) का आयोजन किया गया।

यह यात्रा श्री आदिनाथ जैन मंदिर अरिहंत गली से सकल श्री संघ के साथ प्रारंभ होकर बाजते-गाजते श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर से होते हुए श्री महावीर स्वामी जैन श्वेताम्बर मंदिर पहुंची।

सभी पुरुष सफेद (व्हाइट एंड व्हाइट) पोशाक में तथा महिलाएं लाल रंग की साड़ी में उपस्थित रहीं। यात्रा के पश्चात विभिन्न संघों के ट्रस्टियों एवं अग्रणी सदस्यों द्वारा ध्वज-ारोहण किया गया। शासन गान के साथ पार्थ भाई एवं मोक्षिश भाई के संगीत पर जोरदार सलामी दी गई। तत्पश्चात इस कार्यक्रम में जिन गुरुवर्यों ने निश्रा प्रदान की, उनके मुख-ारविंद से जिनवाणी की गंगा प्रवाहित हुई। इनमें पु.सा. हेमप्रभाश्रीजी म.सा. की सुशिष्या, पु.सा. भव्यपूर्णाश्रीजी म.सा., पु.सा. श्रेयपूर्णाश्रीजी म.सा., पु.सा. काव्यपूर्णाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-3 शामिल रहे। प्रवीण बंदामुथा ने बताया कि श्री जैन संस्कार वाटिका हैदराबाद पिछले 17 वर्षों से धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ जिनशासन के उत्कृष्ट कार्य करती आ रही है। इस यात्रा को सफल बनाने में स्थानीय मंडलों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया।

यह यात्रा जैन संस्कार वाटिका के वर्धमान चौहान, प्रवीण बंदामुथा, अविनाश बालड़, अक्षय सालेचा, भरत कोठारी, कुणाल मुथा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुई।

इस अवसर पर मुकेश चौहान जैन, ललित बंदामुथा, पार्थ शाह, अविनाश बालड़, प्रवीण बंदामुथा, अमित श्रीश्रीमाल, वर्धमान चौहान, भरत कोठारी, अक्षय सालेचा, योगेश मुथा, प्रीतम बंदामुथा, फीलखाना संघ के महामंत्री दिलीप श्रीश्रीमाल, नरपत बंदामुथा, हस्तीमल हुंडीया, कीर्तिभाई श्र-ीश्रीमाल, रविंद्र सालेचा, महावीर खांटेड संघवी, बेगमबाजार संघ के विजय ओस्तवाल, प्रेमचंद मुणोत, गौतम सूराणा, मोक्षिश ओस्तवाल, पारसमल पोरवाल, श्री जिनेश्वर मंडल, श्री हीर वीर तपागच्छ युवा/महिला मंडल, श्री तलसर युवा मंडल, बेगमबाजार युवा मंडल सहित बड़ी संख्या में शासनप्रेमी भाई-बहन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में विजय ओस्तवाल का विशेष सहयोग रहा।

शमशाबाद स्थित एस.आर क्लासिक-2 कन्वेंशन में किरण-रमेश सोमानी के सुपुत्र चि. निखिल एवं सरिता-पवन लाहोटी की सुपुत्री सौ.कां. निकीता के विवाह समारोह में दोनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए- गोपाल सोमानी, किरन - रमेश सोमानी, भारती - राजेश करवा - अतापुर, कमल सारडा, राजेश काबरा, बंकट कलंत्री, गोपाल लाहोटी, श्रीकिशन लाहोटी, रोहित सोमानी, अभीषेक बजाज एवं अन्य।

बरकतपुरा स्थित गोकुलधाम अपार्टमेंट में आयोजित साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम में काचीगुड़ा थानेदार राज शेखर का सम्मान करते हुए दिलीप डागा, अरुणा सिन्धे, डॉ. रानाडे, सुमन डागा, नीलम खत्री, कमल नाहटा, अरविंद अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, अनिता नाहटा और खुशहाल डागा।

खुशी योगेश भाई पटेल को दसवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने पर बीएपीएस रसूलपुरा के अशोक भाई पटेल, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी जसमत भाई पटेल, तरुण भाई मेहता और रंजना बेन शाह, कल्कि गोल्डन भारत के स्वामी चैतन्य दास जी (इस्कॉन मंदिर) तथा सीए मुकेश भाई टौंक द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नेहल योगेश भाई पटेल और नीति योगेश भाई पटेल भी उपस्थित रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर विश्व शांति एवं राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन कल

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी द्वारा प्रतिमाह पूर्णिमा की रात आयोजित किए जाने वाले कवि सम्मेलन की श्रृंखला में इस बार बुद्ध पूर्णिमा (1 मई 2026, शुक्रवार, शाम 5 बजे) के अवसर पर एक विशेष विश्व शांति एवं राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम श्री संजीव आंजनेय स्वामी मंदिर के प्रांगण, नेकलस रोड स्थित एन. टी. आर. गार्डन के निकट, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष आयोजित होगा। कार्यक्रम में हिंदीतेलुगु अनुवादक, कवि एवं समीक्षक जी. परमेश्वर बुद्ध की शिक्षाओं और उनकी आज के समाज में प्रासंगिकता पर विशेष व्याख्यान देंगे। भक्ति रस से ओतप्रोत काव्य प्रस्तुतियां भी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेंगी। संस्था के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद की अध्यक्षता में आयोजन होगा, जबकि संचालन गोलकोण्डा दर्पण के संपादक एवं कवि गोविंद अक्षय करेंगे।

समाजवादी पार्टी, तेलंगाना द्वारा जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट पर गोलमेज सम्मेलन 3 मई को

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी, तेलंगाना इकाई द्वारा जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट पर एक महत्वपूर्ण गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 03 मई, 2026 (रविवार) प्रातः 10:30 बजे सोमाजीगुड़ा प्रेस क्लब, हैदराबाद में आयोजित होगा।

समाजवादी पार्टी तेलंगाना के मीडिया प्रभारी (हिंदी) राजकुमार यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रख्यात सामाजिक चिंतक एवं विद्वान प्रो. काँचा इलैया शेफर्ड मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे जाति आधारित सर्वेक्षण के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक महत्व पर अपने विचार साझा करेंगे और जाति सर्वेक्षण पर स्वतंत्र विशेषज्ञ कार्य समूह (खएथत्रः) के उपाध्यक्ष के रूप में अपने अनुभव साझा करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. एस. सिम्हाद्री यादव करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ. एन. वेंकटेश्वरालु (उपाध्यक्ष), श्री अक्काला बाबू गौड़ (महासचिव) तथा एमडी. रिज़वान हुसैन (समन्वयक) भी उपस्थित रहेंगे। इस गोलमेज सम्मेलन का उद्देश्य जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों, बुद्धिजीवियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों के साथ सार्थक चर्चा कर सामाजिक न्याय एवं समानता हेतु ठोस सुझाव प्राप्त करना है।

सुन्दर कांड भजन संध्या का आयोजन सम्पन्न

श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ कार्यक्रम

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामपाल पाण्डेय दिलीप - सीमा पाण्डेय, मल्लारदेवपल्ली प्रगति नगर काटेदान स्थित निवास स्थान पर सुन्दर कांड भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस अवसर पर विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष अवधेश द्विवेदी, प्रदीप कुमार पाण्डेय, अनिल कुमार पाण्डेय, विष्णु दत्त पाण्डेय, जीवेश द्विवेदी, नीरज शुक्ला, अमित पाण्डेय, परीक्षित द्विवेदी, रामबली शुक्ला, शशिकांत द्विवेदी, विशोक तिवारी, हरिचरण द्विवेदी, प्रियांशु, ओपी गौतम, विनय पाण्डेय, इंद्रमणि पाण्डेय, भागवत, रघुनंदन पयासी, आनंद आदि उपस्थित रहे।

सुन्दर कांड पाठ एवं भजन संध्या के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी की भक्ति में लीन होकर वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। आयोजन के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

नराकास निज़ामाबाद की अर्द्धवार्षिक बैठक सम्पन्न

निज़ामाबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। नराकास निज़ामाबाद की अर्द्धवार्षिक बैठक भारतीय स्टेट बैंक, निज़ामाबाद प्रशासनिक कार्यालय के तत्वावधान और संयोजन में श्री बिजय कुमार साहू, उप महाप्रबंधक (व्यव एवं परि) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

के. रवीन्द्र कुमार, मुख्य प्रबंधक (राभा) एवं सदस्य सचिव, नराकास ने बैठक का संचालन किया।

बैठक में विभिन्न कार्यालयों के सदस्यों सहित श्री पाटिल सिद्धांत सुहास, सहायक भविष्य निधि आयुक्त, श्री एम. एस. रामबाबू, उप प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय तथा श्री के. विनोद बाबू, कार्यालय प्रमुख, केनरा बैंक अंचल कार्यालय उपस्थित थे।

बैठक के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

सेवा और सहयोग से समाज में सकारात्मक बदलाव संभव : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को नियमित अनुदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ उठाया। समूह के सदस्यों ने पूरे समर्पण और सेवा भाव के साथ जरूरतमंदों को आवश्यक सामग्री वितरित की।

कार्यक्रम के दौरान वातावरण पूरी तरह सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत दिखाई दिया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज में एक सकारात्मक संदेश दे रहे हैं और अन्य लोगों को भी प्रेरित कर रहे हैं कि वे आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता करें।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि सच्ची सेवा वही है, जो निस्वार्थ भाव से की जाए। उन्होंने कहा कि सेवा करना केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि यह हमारे संस्कारों और मानवता का परिचायक है। जब हम किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, तो हमें आत्मिक संतोष की अनुभूति होती है। उन्होंने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा यह नियमित अनुदान कार्यक्रम समाज के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो यह दर्शाता है कि संगठित प्रयासों से बड़े से बड़ा कार्य भी सहजता से किया जा सकता है।

उन्होंने सभी सदस्यों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से ही यह सेवा कार्य निरंतर सफलतापूर्वक संचालित हो पा रहा है। भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक स्तर पर करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, हरियाणा गुप्ता, रेनू शर्मा, शर्मिला अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सेवा कार्य को सफल बनाया और जरूरतमंदों के बीच सेवा भावना का संदेश प्रसारित किया।

भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा मीडिया संजोजक मनोनीत होने पर मुकेश चौहान जैन का अभिनंदन करते हुए तेलंगाना गुजराती समाज के ट्रस्टी जसमत पटेल, कच्छि मित्र मंडल के कार्यकारिणी सदस्य रिद्धिश जागीरदार और गुजराती ब्राह्मण समाज अध्यक्ष तरुण मेहता।

महेश्वरम गुरुकुल के दसवीं के परिणाम ने चौंकाया

100 प्रतिशत परिणाम से स्कूल ने रचा इतिहास
सभी 79 छात्र-छात्राएं हुए उत्तीर्ण

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम सोशल वेलफेयर गुरुकुल के विद्यार्थियों ने बुधवार को जारी दसवीं कक्षा के परिणाम में सफलता का परचम लहराया है। स्कूल की प्रिंसिपल इमानी श्री लक्ष्मी ने बताया कि कुल 79 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी और सभी 79 विद्यार्थी सफल रहे, जिससे स्कूल ने 100 प्रतिशत परिणाम हासिल किया। के. यज्ञश्री ने 600 में से 573 अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, के. लावण्या ने 563/600 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रिंसिपल इमानी श्री लक्ष्मी ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का ही यह परिणाम है। उन्होंने उन शिक्षकों और हेड टीचर्स की भी सराहना की, जो लगातार विद्यार्थियों के साथ रहकर उनका मार्गदर्शन करते हैं।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस उत्कृष्ट परिणाम से संस्थान की प्रतिष्ठा और भी बढ़ी है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के बेहतर परिणाम की अपेक्षा की जा रही है।

प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का सफल आयोजन

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिमायतनगर प्रेक्षावाहिनी, हैदराबाद द्वारा प्रशंसा भवन, हिमायतनगर में प्रातः 6:00 बजे से 7:00 बजे तक प्रेक्षा ध्यान की एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में युगप्रधान, शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान शिष्य मुनिश्री दीपकुमार (ठाणा-2) का सान्निध्य प्राप्त हुआ। मुनिश्री ने अपने प्रेरक प्रवचन में प्रेक्षा ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दीर्घश्वास प्रेक्षा का व्यावहारिक अभ्यास कराया। उन्होंने उपस्थित साधक-साधिकाओं को प्रेक्षावाहिनी से जुड़ने हेतु प्रेरित किया।

प्रेक्षावाहिनी के संवाहक प्रेम संचेती ने ज्योति केंद्र प्रेक्षा का प्रयोग करवाया, जिससे साधकों को ध्यान की गहराई का अनुभव हुआ।

कार्यक्रम में लगभग 35 साधक-साधिकाओं की सहभागिता रही। अंत में मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा संपन्न

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर नेशनल पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर बुधवार के यजमान के रूप में पी.सी. जैन, विट्ठलदास अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, अशोक सरायवाला, राहुल सिंघल, राहुल देशपांडे, सुभाष कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), सुरेश कुमार अग्रवाल, नागराज रेड्डी, संध्या रानी अग्रवाल, विजया रेड्डी, विजया लक्ष्मी सहित अन्य उपस्थित रहे। पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, डॉ. गिरजा शंकर गुप्ता, सेसैया, पद्म किरण, नागार्जुन सहित अनेक श्रद्धालु शामिल हुए।

पूजा के दौरान मंत्रोच्चार और भजन के साथ वातावरण भक्तिमय बना रहा। अंत में प्रसाद वितरण किया गया और सभी ने भगवान गणेश से मंगलकामनाएं कीं।

मेडिकल ऑफिसर पद के लिए आवेदन आमंत्रित

बांसवाड़ा, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा गवर्नमेंट एरिया हॉस्पिटल के निअर्ट सेंटर में मेडिकल ऑफिसर की खाली पोस्ट कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर भरी जाएगी और इस पोस्ट के लिए योग्य कैंडिडेट्स से एप्लीकेशन मंगाए गए हैं, हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट विजया भास्कर ने एक बयान में कहा।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने एमबीबीएस पूरा कर लिया है और जिन्हें कंप्यूटर और इंटरनेट इस्तेमाल करने की जानकारी है, उनका स्वागत है। उन्होंने इच्छुक लोगों को सलाह दी कि वे 2 मई तक बांसवाड़ा गवर्नमेंट एरिया हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट के ऑफिस में अपनी एप्लीकेशन जमा कर दें। उन्होंने कहा कि इंटरव्यू 5 मई को कलेक्ट्रेट में होंगे।

नारा लोकेश ने टीडीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

विजयवाड़ा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री नारा लोकेश ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। नारा लोकेश राज्य के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के पुत्र हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री नायडू ने मंगलगिरी में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में नवनिर्मित टीडीपी समितियों के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान नायडू ने पोलित ब्यूरो, राष्ट्रीय और राज्य समितियों के पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई।

टीडीपी के इतिहास में पहली बार मंडल और क्लस्टर स्तर के नेताओं को पोलित ब्यूरो में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। पार्टी के नारे 'कार्यकर्ता ही नेता है' को चरितार्थ करते हुए उन लोगों को प्राथमिकता दी गई जिन्होंने निष्ठा के साथ पार्टी के लिए काम किया है। नई समितियों के गठन में अनुभवी वरिष्ठ नेताओं और युवा सदस्यों के बीच संतुलन बनाया गया है, साथ ही सोशल मीडिया पर सक्रिय योगदान देने वालों को भी शामिल किया गया है।

इस अवसर पर श्री नायडू ने कहा कि सभी को यह याद रखना चाहिए कि जनता ने राज्य के पुनर्निर्माण के लिए इस गठबंधन को वोट दिया है और अनुशासन ही तेदेपा की मूल विचारधारा है।

राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबु राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने

गुंटूर जिले के मंगलगिरी में स्थित तेलुगुदेशम पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में नवीन समिति के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबु ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में शपथ ग्रहण की। पार्टी के वर्किंग प्रेसिडेंट के रूप में जिम्मेदारी संभालने वाले नारा लोकेश से राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबु ने सम्मानपूर्वक मुलाकात की और शुभकामनाएं दीं।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारा चंद्रबाबु नायडू की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के प्रमुख नेता, नेतागण और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष, स्वर्गीय नंदमूरी तारक रामाराव की प्रतिमा पर राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबु ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नारा लोकेश के वर्किंग प्रेसिडेंट के रूप में शपथ ग्रहण करने से पार्टी में नया उत्साह भर गया है, यह बात राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबु ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कही।

इसी प्रकार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर शपथ लेने के बाद राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबु ने कहा कि उन पर सौंपी गई जिम्मेदारियों को वह कुशलता से निभाएंगे। पार्टी के विकास और जनसेवा में और अधिक मेहनत करूंगा, नेतृत्व द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए आगे बढ़ूंगा, यह बात उन्होंने स्पष्ट की।

किनवट नगर परिषद में शिवसेना (ठाकरे गुट) के प्रशांत कोरड़े निर्विरोध नगराध्यक्ष चुने गए

किनवट, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर परिषद किनवट की आज हुई सभा में स्वीकृत सदस्य पद पर अंतिम रूप से शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे गुट) के शहर प्रमुख निष्ठावान प्रशांत कोरड़े का निर्विरोध चयन हुआ। प्रशांत कोरड़े का चयन होते ही सभागार में उत्साह का माहौल बन गया।इस अवसर पर नगराध्यक्षा सुजाता एंड्रलवार, उपनगराध्यक्ष हसनलाला पठाण, युवा नेता करण एंड्रलवार, शिवसेना जिला प्रमुख ज्योतिबा खराटे, माहुर नप के नगराध्यक्ष फेरोज दोसानी, एड. यश खराटे, तहसील प्रमुख मिरोती दिवसे, मुख्याधिकारी मुगाजी काकड़े, पूर्व नगराध्यक्ष अरुण आलणे, गुट नेता श्रीनिवास नेमानिवार, प्रविण राठोड, शेखर नेमानिवार, संतोष यलचलवार, सुरज सातुरवार, गुट नेता अभय नगराले, अनवर मिर्झा, प्रभु कोल्हे सहित शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इन सभी नेताओं ने नए नगराध्यक्ष प्रशांत कोरड़े को बधाई और शुभकामनाएं दीं। किनवट नगर परिषद में शिवसेना (ठाकरे गुट) को पिछले स्थानीय निकाय चुनाव में महत्वपूर्ण बहुमत मिला था, जिसके बाद यहां से पहली बार शिवसेना की नगराध्यक्ष चुनी गई थी।

कश्मीर में घटते धान के खेतों के कारण चावल की खेती में लगातार गिरावट

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 29 अप्रैल। धान के खेतों के विशाल विस्तार, जो कभी कश्मीर की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ थे, धीरे-धीरे सिकुड़ते जा रहे हैं; सरकारी आंकड़े और जमीनी रिपोर्ट, दोनों ही पूरी घाटी में चावल की खेती में लगातार गिरावट का संकेत दे रहे हैं।

कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जम्मू कश्मीर में धान की खेती का रकबा एक दशक पहले के 1.6 लाख हेक्टेयर से घटकर हाल के वर्षों में लगभग 1.4 लाख हेक्टेयर रह गया है। उत्पादन में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है, जिसका मुख्य कारण अनियमित मौसम, पानी की घटती उपलब्धता और खेती योग्य जमीन का सिकुड़ना है।

जानकारी के लिए चावल अभी भी घाटी का मुख्य भोजन बना हुआ है, जिसकी पारंपरिक रूप से अनंतनाग, पुलवामा, बडगाम, बारामुल्ला और गंदरबल के कुछ हिस्सों जैसे जिलों में खेती की जाती है। हालांकि, बढ़ते शहरी विस्तार और बदलती आर्थिक प्राथमिकताओं के कारण, उपजाऊ धान की जमीन का बड़े पैमाने पर आवासीय कालोनियों, व्यावसायिक जगहों और कुछ मामलों में फलों के बागों में रूपांतरण हो गया है।

बडगाम के एक किसान का कहना था कि पहले हम अपनी सारी जमीन पर धान उगाते थे, लेकिन अब इसका ज्यादातर हिस्सा या तो बेच दिया गया है या उसका इस्तेमाल बदल दिया गया है। मेहनत के मुकाबले इसका फायदा कम है। मजदूरी की लागत बढ़ गई है, और पानी की उपलब्धता अब भरोसेमंद नहीं रही।पूरे दक्षिण कश्मीर के किसानों ने भी इसी तरह की चिंताएं जाहिर कीं, खासकर सिंचाई को लेकर।

वारंगल में 400 परिवार भाकपा में शामिल हुए

वारंगल, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के वारंगल में विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग 400 परिवार बुधवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) में शामिल हो गये।

यहां जीके फंक्शन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में लक्ष्मीपुरम क्षेत्र के इन परिवारों ने भाकपा की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर भाकपा के प्रदेश सहायक सचिव टी श्रीनिवास राव ने विभिन्न दलों को छोड़कर पार्टी में सभी सदस्यों का स्वागत किया और गरीबों को आवासीय भूखंड देने में हो रही देरी पर सवाल उठाये। उन्होंने राज्य सरकार से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के लिए जमीन आवंटित करने और 'इंदिरम्मा' आवास बनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए श्री राव ने कहा कि कई गरीब परिवार वर्षों से आवास और बुनियादी सुविधाओं का इंतजार कर रहे हैं तथा उनकी समस्याओं का बिना किसी देरी के समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि भाकपा गरीबों के हक, विशेष रूप से आवास और भूमि के मालिकाना हक के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

सबके सहयोग से राधे-राधे ग्रुप कर रहा सराहनीय सेवा कार्य : नंदकिशोर अग्रवाल

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई, जिससे उनके चेहरे पर संतोष और खुशी देखने को मिली।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का यह निरंतर सेवा कार्य समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब सभी लोग एकजुट होकर निस्वार्थ भाव से कार्य करते हैं, तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी सहज रूप से प्राप्त किया जा सकता है। सेवा केवल दान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक है।

उन्होंने आगे कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना न केवल एक सामाजिक कर्तव्य है, बल्कि यह आत्मिक संतोष भी प्रदान करता है। ऐसे कार्यों से समाज में भाईचारा, सहयोग और एकता की भावना मजबूत होती है, जो एक स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण में सहायक होती है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, जगन एलाकुर्थी, प्रीतिका अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, महेश अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, गोपाल गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल एवं मनीष चिंडालिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

क्वीन ऑफ सब्सटेंस प्रतियोगिता में एनआरआई पल्लवी सोनवाणे ने लहराया जीत का परचम

जुबैल/नई दिल्ली, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। : नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता मिसेस इंडिया क्वीन ऑफ सब्सटेंस 2026 (सीजन 15) में जुबैल की पल्लवी सोनवाणे ने शानदार सफलता हासिल की है। दिल्ली के आईटीसी वेलकम होटल में आयोजित भव्य ग्रैंड फिनाले में उन्होंने सफायर-2026 श्रेणी में सेकंड रनर-अप का खिताब अपने नाम किया। ब्यूटी विद अ पर्पस (उद्देश्य के साथ सुंदरता) के ध्येय वाक्य के साथ आयोजित इस प्रतियोगिता में यह मुकाम हासिल करने वाली पल्लवी सऊदी अरब की पहली एनआरआई महिला बन गई हैं।

बुद्धि, नेतृत्व कौशल और सामाजिक प्रतिबद्धता पर आधारित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत और विदेशों से आए सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। पल्लवी ने अपनी मेधा और व्यक्तित्व के दम पर सबको पछाड़ते हुए यह जीत दर्ज की। पल्लवी पिछले 23 वर्षों से सऊदी अरब में रह रही हैं। वह तसनी पेट्रोकेमिकल्स में इंजीनियर के रूप में कार्यरत अपने पति और दो बच्चों के साथ जुबैल में रहती हैं।

पल्लवी सोनवाणे कैम्ब्रिज बोर्ड स्कूल में शिक्षिका होने के साथ-साथ एक सफल उद्यमी और नृत्यांगना भी हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। विशेष बात यह है कि जब सऊदी अरब में महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस देने की अनुमति मिली, तब लाइसेंस प्राप्त करने वाली वह पहली प्रवासी महिला बनीं। वह सऊदी अरब में आयोजित पहले महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का भी हिस्सा रही हैं। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जज और एंकर के रूप में सक्रिय रहने वाली पल्लवी 'जुबैल विंटर कार्निवल' जैसे आयोजनों के माध्यम से भारतीय गृहणियों को सशक्त बनाने की पहल कर रही हैं।

पल्लवी भारत के होटल व्यवसाय से भी जुड़ी हैं और इंडियन ओवरसीज फोरम की एक सक्रिय कार्यकर्ता हैं। वह अपना खाली समय अनाथालयों और वृद्धों के कल्याण के लिए समर्पित करती हैं।

उनकी इस उपलब्धि पर इंडियन ओवरसीज फोरम के अध्यक्ष अनिल ने कहा कि पल्लवी की जीत कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बनेगी। इस अवसर पर साटा और टासा की कोर टीम के सदस्य मल्लेशान, श्रीनिवास मच्छा, तेजा और स्वामी ने भी उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

ऐतिहासिक समझौता:

तेलंगाना सरकार ने किया हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-1 का पूर्ण अधिग्रहण

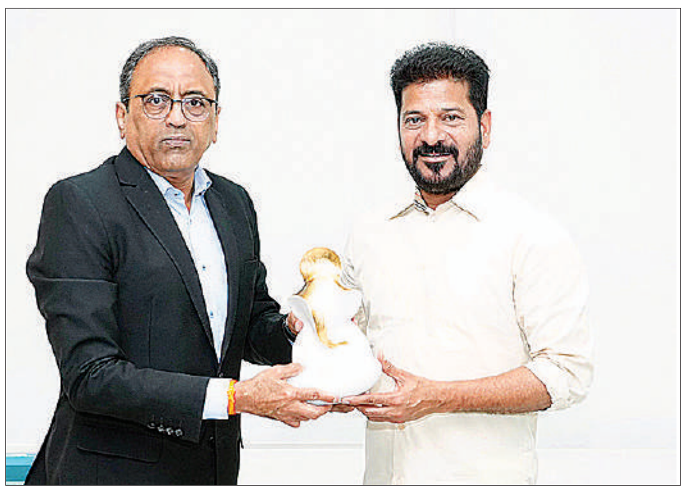

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के परिवहन इतिहास में एक बड़ा अध्याय जोड़ते हुए राज्य सरकार ने बुधवार को लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) से हैदराबाद मेट्रो रेल (एचएमआर) के अधिग्रहण की प्रक्रिया औपचारिक रूप से पूरी कर ली। 1,461.47 करोड़ के इक्विटी मूल्य पर एल एंड टी मेट्रो रेल (हैदराबाद) लिमिटेड (एलटीएमआरए-चएल) के 100 प्रतिशत इक्विटी शेयर खरीदने के लिए एक शेयर खरीद समझौते (स्पा) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस महत्वपूर्ण समझौते पर सचिवालय में मुख्य सचिव और हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएमआर) के अध्यक्ष के. रामकृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन और एचएमआर के प्रबंध निदेशक सरफराज अहमद की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इससे पहले मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और एल एंड टी के चेयरमैन एस.एन. सुब्रह्मण्यन के बीच बंजारा हिल्स स्थित आईसीसीसी में एक बैठक हुई, जहाँ अधिग्रहण की बारीकियों और तौर-तरीकों पर चर्चा की गई।

वर्ष 2010 में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट अब पूरी तरह से तेलंगाना सरकार के नियंत्रण में आ गया है। इस सौदे के तहत:

ऋण का हस्तांतरण: 30 अप्रैल, 2026 तक एलटीएमआरएचएल पर बकाया 13,538.53 करोड़ के कर्ज की गारंटी अब ड्ढ के बजाय तेलंगाना सरकार देगी।

संचालन क्षमता: 69 किलोमीटर लंबे तीन कॉरिडोर वाले इस नेटवर्क पर वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 4.5 लाख यात्री सफर करते हैं। अपनी शुरुआत से अब तक यह मेट्रो लगभग 86 करोड़ यात्राएं दर्ज कर चुकी है।

राज्य सरकार द्वारा फेज-1 के अधिग्रहण का मुख्य उद्देश्य आगामी फेज-2 विस्तार को सुचारू बनाना है। सरकार केंद्र के साथ साझेदारी में शहर के चारों कोनों तक मेट्रो का विस्तार करने की योजना बना रही है। अधिकारियों का मानना है कि एकीकृत नियंत्रण से मेट्रो नेटवर्क के नियोजन, क्रियान्वयन और सेवा वितरण में बेहतर समन्वय होगा। इससे भविष्य में हैदराबाद के नागरिकों को एक अधिक विश्वसनीय और सुलभ परिवहन नेटवर्क मिल सकेगा।

इस सौदे में आईडीबीआई कैपिटल ने ट्रांजेक्शन सलाहकार और सराफ एंड पार्टनर्स ने कानूनी सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की पहल:

तुम्मिडिहट्टी बैराज के लिए महाराष्ट्र को मनाने हेतु जी. किशन रेड्डी से मांगेंगे मदद

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी से सहायता लेने का आह्वान किया, ताकि तुम्मिडिहट्टी में 150 मीटर ऊंचे बैराज के निर्माण के लिए महाराष्ट्र सरकार को सहमत किया जा सके। तुम्मिडिहट्टी बैराज 'प्राणहिता-चेवेल्ला लिंक योजना' का एक प्रमुख हिस्सा है, जिसका उद्देश्य प्राणहिता नदी के पानी को गोदावरी नदी पर स्थित येल्लमपल्ली जलाशय तक पहुँचाना है।

बैराज की ऊंचाई पर विवाद और तकनीकी पक्ष

एमसीआर एचआरडी संस्थान में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान, सिंचाई विभाग के इंजीनियरों ने मुख्यमंत्री को सूचित किया कि पूर्व में पूरे हो चुके कार्यों का सर्वोत्तम लाभ उठाने के लिए बैराज की ऊंचाई 150 मीटर होनी चाहिए। हालांकि, महाराष्ट्र ने पहले केवल 148 मीटर की ऊंचाई पर सहमति व्यक्त की थी, क्योंकि ऊंचाई बढ़ाने से महाराष्ट्र के क्षेत्रों में बैकवाटर के कारण जमीन जलमग्न होने का खतरा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 150 मीटर की ऊंचाई से महाराष्ट्र में कोई बड़ा नुकसान नहीं होगा और तेलंगाना सरकार किसी भी डूबी हुई भूमि के लिए उचित मुआवजा देने को तैयार है।

100 टीएमसी पानी और 11,000 करोड़ का निवेश

अधिकारियों के अनुसार, यदि बैराज की ऊंचाई 150 मीटर तय की जाती है, तो तेलंगाना प्राणहिता नदी से कम से कम 100 टीएमसी फीट पानी का उपयोग कर सकेगा, जिसे गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से येल्लमपल्ली जलाशय में भेजा जा सकता है। सरकार इस परियोजना पर अब तक लगभग 11,000 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है और 71.5 किमी लंबी नहरों का निर्माण भी पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि यह प्रस्ताव सबसे अधिक लागत प्रभावी है, इसलिए महाराष्ट्र सरकार के साथ तुरंत बातचीत शुरू की जाए।

राजनीतिक समन्वय और आगामी निर्देश

चूंकि महाराष्ट्र में भाजपा की सरकार है, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी को सुझाव दिया कि वे केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी से समय लें और उन्हें एक औपचारिक अनुरोध पत्र सौंपें। उन्होंने किशन रेड्डी से महाराष्ट्र सरकार के साथ चर्चा में मध्यस्थता करने और ऊंचाई बढ़ाने के प्रस्ताव पर सहमति दिलाने में मदद मांगी है। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने मानसून से पहले मेडीगड्डा बैराज में चल रहे भू-तकनीकी परीक्षणों को पूरा करने के भी निर्देश दिए।

इस बैठक में कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, राज्यसभा सदस्य वेम नरेंद्र रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एसएससी परीक्षा में 95.15% छात्र उत्तीर्ण लड़कियों ने फिर से मारी बाज़ी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में दसवीं कक्षा (सीनियर स्कूल सर्टिफेकेट) के परिणाम बुधवार को नामपल्ली स्थित एसएससी बोर्ड कार्यालय में घोषित किए गए। सरकारी सलाहकार के. केशवा राव ने वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों की उपस्थिति में परिणाम जारी किया।

इस वर्ष 95.15 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 96.26 फीसदी उत्तीर्ण प्रतिशत हासिल की, जबकि लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 94.07 रहा। पंजीकृत 5,17,760 छात्रों में से 5,16,534 (99.76 प्रतिशत) छात्र परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षाएं 14 मार्च से 16 अप्रैल तक चली।

अधिकारियों ने कहा कि छात्र अपनी मार्कशीट ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं। परिणाम मी सेवा व्हाट्सएप सेवा के माध्यम से भी देखे जा सकते हैं। इसके लिए 8096958096 पर हाय लिखकर, उसके बाद एसएससी रिजल्ट्स और हॉल टिकट नंबर भेजें।

शिक्षा विभाग के अनुसार, 5,731 स्कूलों में परीक्षा परिणाम शत- प्रतिशत रहा, जबकि छह स्कूलों में उत्तीर्ण प्रतिशत शून्य रहा। अंग्रेजी माध्यम के छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 95.86 रहा उसके बाद तेलुगु माध्यम का 89.14 और उर्दू माध्यम का 86.71 रहा। सामाजिक कल्याण आवासीय विद्यालयों ने 99.10 प्रतिशत उत्तीर्ण दर प्राप्त की।

जिलेवार परिणामों में मुलुगु जिले में उत्तीर्ण प्रतिशत सबसे अधिक 99.30 रहा जबकि हैदराबाद जिले में सबसे कम 89.23 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत रहा। इस अवसर पर शिक्षा विभाग की प्रधान सचिव योगिता राणा और विद्यालय शिक्षा आयुक्त नवीन निकोलस भी उपस्थित थे।

तेलंगाना सरकार ने कर्मचारियों के बकाया भुगतान के लिए 1,000 करोड़ रुपये जारी किये

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने राज्य सरकार के कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए लंबित बकाये के भुगतान के लिए 1,000 करोड़ रुपये जारी किये हैं।

उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के निर्देशों पर वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया के आवश्यक आदेश जारी किए जाने के साथ ही बुधवार को यह धनराशि जारी कर दी गयी। यह कदम विधानसभा में उपमुख्यमंत्री के दिये आश्वासन को पूरा करता है।

सरकार ने पहले कर्मचारी संघों के साथ चर्चा के बाद हर महीने 700 करोड़ रुपये जारी करने की प्रतिबद्धता जतायी थी और मार्च 2026 तक भुगतान जारी रखा था। हालांकि, कर्मचारियों को होने वाली वित्तीय कठिनाइयों को देखते हुए मौजूदा वित्त वर्ष से मासिक आवंटन को बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसी के अनुसार, अप्रैल महीने के लिए 1,000 करोड़ रुपये जारी किये गये हैं।

महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अक्टूबर 2025 तक के लंबित सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) बकाये का निपटान कर दिया गया है, जिससे अपने लाभों का इंतजार कर रहे हजारों पेंशनभोगियों को राहत मिली है।

सरकार ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है कि कर्मचारियों के मेडिकल बिलों का बिना किसी देरी के तुरंत भुगतान किया जाये। लंबित छात्रवृत्ति के साथ-साथ वर्तमान में प्राथमिकता के आधार पर भुगतान की प्रक्रिया चल रही है। सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि कर्मचारी शासन में प्रमुख भागीदार हैं और उनके मुद्दों का समाधान करना सरकार की प्राथमिकता में बनी हुई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, कर्मचारी संघों ने इस फैसले का स्वागत किया है और इतनी बड़ी राशि जारी होने पर संतोष व्यक्त किया है।

बीआरएस ने रेवंत की टिप्पणियों की निंदा की

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की उन कथित टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की, जिनमें उन्होंने कहा था कि जब लोग एवं विपक्षी दल सरकार की आलोचना करते हैं तो उन्हें नकारात्मक आनंद मिलता है।

तेलंगाना भवन में श्री रामा राव ने कहा कि ये टिप्पणियां अनुचित थीं और जनता के मुद्दों के प्रति उदासीनता दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में लोग कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं और अपनी चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं थी।

श्री रामा राव ने किसानों की समस्याओं, कल्याणकारी योजनाओं में देरी एवं शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियों सहित कई मुद्दों को उठाया। उन्होंने कहा कि फसल खरीद और अन्य सहायता उपायों में देरी के कारण किसान संघर्ष कर रहे हैं जबकि छात्र फीस वापसी के बकाया से अनिश्चितता महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने गुरुकुल संस्थानों से संबंधित खबरों पर चिंता व्यक्त की और ऐसे मामलों पर सही तरीके ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री रामा राव ने कहा कि सरकारों को आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया देने के बजाय लोगों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए।

कांग्रेस नेता संपत कुमार ने केटीआर, हरीश राव के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कांग्रेस सचिव संपत कुमार ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेताओं के.टी. रामा राव और टी. हरीश राव के साथ-साथ कुछ मीडिया संस्थानों के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके और उनकी पार्टी के खिलाफ झूठा प्रचार किया जा रहा है।

यह याचिका जनप्रतिनिधियों के लिए बनी नामपल्ली विशेष मजिस्ट्रेट अदालत में दायर की गयी है। श्री कुमार ने आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने के लिए मनगढ़ंत कहानियां फैलाई गयीं, जिनमें यह दावा भी शामिल है कि उन्होंने एक ठेकेदार से आठ करोड़ रुपये की मांग की थी। उन्होंने कहा कि ये आरोप निराधार हैं और उनकी छवि खराब करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। उन्होंने मामले में नामित लोगों पर गलत सूचना फैलाने और तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने का भी आरोप लगाया।

श्री कुमार ने कहा कि ऐसे मुद्दों के समाधान के लिए एक उचित कानूनी प्रक्रिया है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उन्हें न्याय मिलेगा।

उन्होंने राजनीतिक विरोधियों को 'गैर-जिम्मेदाराना राजनीति' करने के प्रति चेतावनी दी और उनसे झूठे आर-ोप लगाने से बचने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अतीत में उन्हें पार्टी बदलने के लिए प्रलोभन देने की कोशिशें की गयीं थी, जिन्हें उन्होंने ठुकरा दिया था। उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक ने किया दिल्ली कारागार कर्मियों के प्रशिक्षण का शुभारंभ

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने बुधवार को चंचलगुडा स्थित राज्य सुधारात्मक प्रशासन संस्थान (एसआईसीए) में दिल्ली कारागार कर्मियों के लिए मूलभूत परिचय प्रशिक्षण कार्यक्रम (बेसिक इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम) का उद्घाटन किया। यह सुधारात्मक प्रशासन में अंतर-राज्यीय सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रशिक्षण के लिए वर्ष 2026 में दिल्ली कारागार के कुल 381 कर्मियों को चरणबद्ध तरीके से नामांकित किया गया है। बुधवार से शुरू हुए पहले चरण के समूह में 62 प्रशिक्षु शामिल हैं, जिनमें दिल्ली कारागार के 61 कर्मी और तेलंगाना का एक वार्डर शामिल है। इस समूह में 18 सहायक अधीक्षक (15 पुरुष और 3 महिलाएं) तथा 43 मैट्रन/महिला वार्डर शामिल हैं। अंतर-क्षेत्रीय सहयोग को और मजबूत करते हुए, इस पाठ्यक्रम के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के एक वार्डर के भी शामिल होने की संभावना है।

नौ माह का यह कार्यक्रम पेशेवर दक्षता, अनुशासन और मानवीय दृष्टिकोण विकसित करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें

कारागार प्रशासन के नियम, अपराध विज्ञान, पीड़ित विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, आपराधिक कानून, संवैधानिक मूल्य, मानवाधिकार और कारागार प्रशासन में तकनीक जैसे सैद्धांतिक विषयों के साथ-साथ शारीरिक प्रशिक्षण, बी.पी.आर. एंड डी. मानकों के अनुसार परेड, योग और ध्यान को शामिल किया गया है।

एसआईसीए का आधुनिक ढांचा जिसमें उन्नत कक्षाएं, वातानुकूलित सभागार, पुस्तकालय, लगभग 400 प्रशिक्षुओं के लिए छात्रावास की सुविधा, प्रशिक्षण मैदान, व्यायामशाला और भोजन की व्यवस्था शामिल है, इस कार्यक्रम में सहायक होगा।

श्री रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि कारागार सेवा केवल अभिरक्षा कर्तव्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि कैदियों के सुधार और उन्हें समाज में पुन: स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अनुशासन, सत्यनिष्ठा और पेशेवर कौशल बनाए रखने का आग्रह करते हुए कैदियों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करने और उनके परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

कारागार एवं सुधारात्मक सेवा महानिदेशक सौम्या मिश्रा ने इस अवसर पर संस्थागत प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में कर्मियों को भेजने का दिल्ली कारागार विभाग का निर्णय एसआईसीए के मानकों में उनके विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने तिहाड़ जेल के कर्मियों के लिए एसआईसीए के पिछले प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अन्य राष्ट्रीय स्तर की पहलों को भी याद किया, जो देश भर में सुधारात्मक प्रशिक्षण में इसकी बढ़ती भूमिका दर्शाते हैं।इस कार्यक्रम में एसआईसीए के संकाय और विशेषज्ञों के योगदान की भी सराहना की गई। इस अवसर पर कारागार विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्री रेड्डी का 60वां जन्मदिन बहुत ही उत्साह और सम्मान के साथ मनाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.